देश का Darpan News TV
FW FASTWAY
airtel
dish
Comming Soon
काम करने के लिए सम्पर्क करें

दैनिक समाचार पत्र
देश का दर्पण न्यूज
राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित

अब आपके मोबाइल पर डिजिटिल अखबार
प्रदेश के ताजा समाचार
अपने लेख एवं समचार भेंजे
सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत
7014997449, 9636058201
GET IT ON Google Play
Email : deshkadarpannews@gmail.com
web.: www.deshkadarpannews.co

वर्ष-4, अंक:247
जयपुर, सोमवार, 19 अक्टूबर 2026
मूल्य : 5.00 पेज:

भारत में बांग्लादेश-फ्रांस जैसी हिंसा फैलाने की थी योजना: रिजिजू

इंडिया में सत्ता परिवर्तन बिल्कुल हो सकता है, लेकिन सिर्फ चुनावों के जरिए: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को आरोप लगाया कि फ्रांस और बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं जैसी साजिश भारत में भी रची गई थी। कुछ नेताओं ने युवाओं को भड़काने और सड़कों पर हिंसा फैलाने की कोशिश की। रिजिजू ने कहा कि ऐसी खतरनाक साजिश रचने वाले यह भूल गए कि भारत न तो बांग्लादेश है और न ही फ्रांस। भारत में सत्ता परिवर्तन बिल्कुल हो सकता है, लेकिन केवल चुनावों के जरिए, सोरोस के जरिए नहीं। रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट के अलावा एक वीडियो भी शेयर किया। जिसमें राहुल गांधी और नेहा बोरा को दिखाया गया है। दरअसल 14 अक्टूबर पहले नेहा बोरा का बांग्लादेश में हुए हिंसक प्रदर्शन के समर्थन वाला वीडियो सामने आया था।

नेहा बोरा ने कहा था- भारत का जेन-जी आंदोलन बांग्लादेश से प्रेरित

नेहा बोरा ने दो दिन पहले बांग्लादेश के सोशलिस्ट स्टूडेंट्स फ्रंट को उनके छठे सेंट्रल कॉन्फ्रेंस के लिए बधाई देते हुए एक वीडियो मैसेज भेजा था। इसमें उन्होंने कहा कि भारत का जेन-जी आंदोलन बांग्लादेश के आंदोलन से प्रेरित है। बांग्लादेश के छात्र आंदोलन और तख्तापलट के घटनाक्रमों में सक्रिय था। आपको हमारा लाल सलाम।





राहुल लोकतंत्र को नष्ट करने की साजिश रच रहे: भाजपा

नेहा बोरा ने ने कहा कि हम जानते हैं कि बांग्लादेश में शुरू हुआ आंदोलन लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकारों के लिए था। आज भारत में युवा जिस आंदोलन में हिस्सा ले रहे हैं, वह भी लोकतंत्र और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा की लड़ाई है।

हम जानते हैं कि बांग्लादेश में युवा धार्मिक कट्टरपंथ के खिलाफ लड़ रहे थे। भारत में जेन-जी भी यही लड़ाई लड़ रहा है। ढाका यूनिवर्सिटी और



जहांगीर यूनिवर्सिटी बढ़ती धमकियों और हमलों के बीच मुश्किल हालात में हैं। भारत में भी हमारे संस्थानों और केंद्रीय आज भारत में जो जेन-जी आंदोलन हो रहा है, वह सबसे

विश्वविद्यालयों की यही स्थिति है, जहां छात्रों के अधिकारों पर बड़े पैमाने पर रोक लगाई जा रही है। शिक्षा के निजीकरण पर पहले बांग्लादेश में शुरू हुआ। आपने हमें रास्ता दिखाया, इसके

जोर दिया जा रहा है। यहां शिक्षण संस्थानों का भगवाकरण हो रहा है और आलोचनात्मक सोच को दबाया जा रहा है।

भाजपा बोली थी- राहुल लोकतंत्र को नष्ट करने की साजिश रच रहे

भाजपा नेता प्रदीप भंडारी ने कहा- बांग्लादेश में क्या हुआ, यह साफ है। एक इस्लामवादी समूह ने भीड़ का इस्तेमाल करते हुए अराजकता फैलाई और पूरी व्यवस्था को खत्म करने की कोशिश की।

लिए हम आपके शुक्रगुजार हैं।

राहुल का उद्देश्य अराजकता को वैधता देना है: भाजपा

भाजपा ने कहा कि उनका मकसद सत्ता परिवर्तन था। नेहा बोरा भी भारत में बांग्लादेश जैसा अराजक आंदोलन चाहती हैं।

भंडारी ने कहा- अब यह स्पष्ट है कि जब राहुल गांधी लोकतांत्रिक तरीकों से अपने परिवार को सत्ता में लाने में विफल रहते हैं, तो वह अपने पूरे इकोसिस्टम के साथ भारत में लोकतंत्र को नष्ट करने की साजिश रच रहे हैं। राहुल का उद्देश्य लोकतांत्रिक विरोध नहीं, बल्कि अराजकता को वैधता देना है। इस साल जुलाई में नेहा बोरा नीट पेपर लीक के मुद्दे पर कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनों के दौरान चर्चा में आईं। इन प्रदर्शनों में शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की गई थी। वह दिल्ली के जंतर-मंतर पर सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक के साथ अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल में भी शामिल हुईं। अक्टूबर में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में गड़बड़ियों के खिलाफ प्रदर्शनों के दौरान वह फिर चर्चा में आईं। 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया।



न डरेंगे, न पीछे हटेंगे: अभिजीत दिपके

नई दिल्ली/एजेंसी

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने रविवार को कहा कि सौरव दास और आशुतोष रांका के आने के बाद सभी लोग एक साथ बैठेंगे, आगे की रणनीति पर नए सिरे से विचार करेंगे और तय करेंगे कि अब आगे क्या करना है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में जो कुछ भी देखने को मिला है, उसमें गैरकानूनी गिरफ्तारियां और हिरासत में लिया जाना भी शामिल है। इन घटनाओं से साफ है कि उन्हें डराने और दबाव में लाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन वे न तो डरने वाले हैं और न ही पीछे हटने वाले हैं। यह लंबी लड़ाई है और वे इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्हें उम्मीद है कि सौरव और आशु दोनों को आज रिहा कर दिया जाएगा। अभिजीत दिपके ने यह भी बताया कि वह कुछ कानूनी मामलों पर चर्चा करने के लिए वृंदा करात से मिलने जा रहे हैं। अभिजीत दिपके ने पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं का जिक्र करते हुए साफ कहा कि गिरफ्तारियों और हिरासत में लिए जाने जैसी कार्रवाइयों के बावजूद उनका हौसला कम नहीं हुआ है।

उत्तराखंड में निवेश के नाम पर फर्जीवाड़े का आरोप, राहुल गांधी ने साधा निशाना



निवेश कागजों पर, रोजगार नारों में और उत्तराखंड के युवाओं के हिस्से में पेपर लीक। मुख्यमंत्री सभी 3,300 निवेशकों की पूरी सूची सार्वजनिक करें।

राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा

नई दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार पर निवेश के नाम पर कथित फजीर्वाड़ा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे भाजपा के डबल इंजन मॉडल का एक और नमूना बताया। राहुल गांधी के मुताबिक, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान 1,779 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) के जरिये 3.56 लाख करोड़ रुपये के निवेश का दावा किया गया था। इसके लिए आयोजित रोड शो पर जनता के करीब 100 करोड़ रुपये खर्च हुए। बाद में सरकार ने एक लाख करोड़ रुपये के निवेश को जमीन पर उतरने की बात कही। राहुल गांधी ने मीडिया की एक रिपोर्ट के आधार पर इन दावों पर सवाल उठाए हैं। निवेशकों की सूची में आटा चक्कियों, खाद-बीज की दुकानों और छोटे क्लीनिकों को भी शामिल किया गया। उन्होंने दावा किया कि इनमें से कुछ लोगों को यह तक पता नहीं था कि उन्हें निवेशक के रूप में गिना गया है। राहुल गांधी ने इस रिपोर्ट के आधार पर सरकार के निवेश संबंधी आंकड़ों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। हालांकि, ये आरोप राहुल गांधी की ओर से पेश किए गए हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि निवेश के आंकड़ों में 35,279 करोड़ रुपये सरकारी बिजली कंपनियों के हैं। यह कथित तौर पर जमीन पर उतरे निवेश के एक लाख करोड़ रुपये के दावे का करीब 35 प्रतिशत है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) और दान से चलने वाले एक स्कूल को 24.49 करोड़ रुपये का निवेशक बताया गया। राहुल गांधी ने इन उदाहरणों के जरिये सरकार के निवेश संबंधी दावों पर सवाल उठाए। राहुल गांधी के मुताबिक, 1,200 करोड़ रुपये के निवेशक के रूप में दर्ज एक कंपनी की चार साल से कोई कमाई नहीं हुई है।

मैं हर स्टेट से कहता हूं पीएम वोट चोरी करते हैं: राहुल गांधी

पणजी/एजेंसी

राहुल गांधी ने रविवार को गोवा में कहा कि मैं हर स्टेट से कहता हूं पीएम वोट चोरी करते हैं। लेकिन मुझ पर कोई केस दर्ज नहीं होता। क्योंकि, ये जानते हैं कि अगर केस हुआ तो मामला लीगल हो जाएगा और ये फंस जाएंगे। दिल्ली में हम कुछ ही समय में पीएम, गृहमंत्री से निपट लेंगे। काम जारी है। सरकार की एक्सपायरी डेट आने वाली है। आपने देखा है कि आजकल पीएम सामने खड़े नहीं हो सकते हैं। ये जानते हैं कि देश का युवा इनके खिलाफ खड़ा हो गया है। राहुल कांग्रेस के जनसंपर्क अभियान गोय राखोन यात्रा में शामिल होने गोवा पहुंचे थे। यहां कांग्रेस की 28 दिन



लंबी यात्रा का समापन हुआ है। राहुल का पिछले 4 सालों में यह पहला गोवा दौरा है। इससे पहले 2022 में वह यहां आए थे। गोवा में अगले साल 2027 में विधानसभा चुनाव हैं।

हर एजुकेशन सिस्टम में संघ के लोग

पूरी दुनिया मानती थी कि इंडिया का एजुकेशन सिस्टम नंबर वन मॉडल का था। लेकिन, आज दिल्ली में स्टूडेंट्स को ही मारा जा रहा है। हर एजुकेशनल सिस्टम में इन्होंने बीजेपी और आरएसएस के लोग बैठे हुए हैं। हाईटेक करप्शन, जमीन का करप्शन ये यहां करते हैं। जैसे पहले गुजरात में नरेंद्र मोदी का मॉडल था।

'देश मे सबसे ज्यादा बेरोजगारी गोवा में, गोवा में सरकार आपकी जमीन छीन रही'

पहले मास्टर प्लान था, मास्टर प्लान को रद्द कर दिया। इनका यही काम है कि पैसा कैसे बनाए। इनका यही काम है। गोवा की जनता को लूटने का, आपकी जमीन छीनकर अरबपतियों को देने का।

गोवा में सरकार आपकी जमीन छीन रही

गोवा देश में सबसे सुंदर जगह है, सबसे अच्छा कल्चर है। लेकिन यहां भी सरकार आपकी जमीन छीनकर गोवा के जो बाहर के लोग हैं उनको करोड़ों में बेचती है। पहले मास्टर प्लान था, मास्टर प्लान को रद्द कर दिया। इनका यही काम है कि पैसा कैसे बनाए।



राहुल गांधी कांग्रेस की गोय राखोन यात्रा के समापन कार्यक्रम में शामिल हुए। यह यात्रा 22 सितंबर से शुरू हुई थी और गोवा की सभी 40 विधानसभा सीटों तक पहुंची। कांग्रेस ने इसमें जमीन, पहचान, पर्यावरण, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और सुरक्षा जैसे मुद्दे उठाए हैं।

गोवा में फरवरी-मार्च 2027 में चुनाव संभव

गोवा में अगला विधानसभा चुनाव 2027 की शुरूआत में संभवतः फरवरी-मार्च 2027 में होगा। चुनाव की आधिकारिक तारीख अभी घोषित नहीं हुई है। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 14 मार्च 2027 को खत्म होगा। गोवा में कांग्रेस 2012 से सत्ता से बाहर है, यानी करीब 15 साल। 2012 में कांग्रेस सरकार को गठबंधन ने हराया था। 2017 में कांग्रेस 17 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी।

ग्वालियर में 'मौत' बनकर दौड़ा ट्रक, मंदिर जा रहे 13 श्रद्धालुओं की कुचला

ग्वालियर/एजेंसी

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास शनिवार-रविवार की दरमियानी रात हुए सड़क हादसे में 13 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 29 लोग घायल हैं। इनमें सात की हालत गंभीर बताई गई है। मृतकों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। सप्तमी पर शीतला माता के दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालुओं पर आधी रात बाद काल बनकर टूटा तेज रफ्तार ट्रक चीनौर रोड की ढलान पर अनियंत्रित होकर पुलिस के स्टॉपर तोड़ता हुआ श्रद्धालुओं, दुकानों और मंदिर के प्रवेश द्वार से जा टकराया। टक्कर से दीवार ढह गई और दर्जनों लोग



मलबे में दब गए। पीड़ित परिवारों में मातम छाया हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सप्तमी के अवसर पर देवी दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को संभलने तक का मौका नहीं मिला। ट्रक ढलान पर तेजी से नीचे आया और चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। सड़क किनारे दुकानें लगी थीं। श्रद्धालु दर्शन से पहले प्रसाद खरीद रहे थे और मंदिर में प्रवेश के लिए आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान ट्रक ने भीड़ को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही पलों में धार्मिक उत्सव का माहौल चीख-पुकार और अफरा-तफरी में बदल गया। कई लोग सड़क पर घायल पड़े थे, जबकि कुछ ट्रक और ढही हुई दीवार के नीचे दब गए थे। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्य तत्काल शुरू किया गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस और प्रशासन के साथ मिलकर घायलों को मलबे से बाहर निकालने में मदद की। ट्रक के नीचे फंसे लोगों को निकालने में भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। प्रत्यक्षदर्शी सौरभ परिहार के मुताबिक, ट्रक को हटाने में दो से तीन घंटे तक लग गए। लोगों ने वाहन को हटाने के लिए टायर निकालने और जैक लगाने जैसे प्रयास भी किए।

एक नवंबर से सीआईएसएफ में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली/एजेंसी

देश के महत्वपूर्ण और संवेदनशील संस्थानों की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) अपनी व्यवस्था में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। एक नवंबर 2026 से लागू होने वाले इस नए ढांचे में अब अलग-अलग उद्योगों और संस्थानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी उनकी जरूरतों के हिसाब से तय होगी। गृह मंत्रालय की मंजूरी के बाद होने वाले इस पुनर्गठन का मकसद सुरक्षा की निगरानी बेहतर करना, जवानों में विशेषज्ञता बढ़ाना और देश की रणनीतिक तथा आर्थिक संपत्तियों को अधिक सुरक्षित बनाना है। सीआईएसएफ की नई व्यवस्था में अब बिजली, कोयला, स्टील, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, बंदरगाहों, सरकारी इमारतों, संग्रहालयों, स्मारकों और मेट्रो जैसी सेवाओं के लिए अलग-अलग सेक्टर होंगे। पहले सुरक्षा की कमान मुख्य रूप से भौगोलिक क्षेत्र के आधार पर तय होती थी। यानी एक क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अलग-अलग तरह के संस्थानों की निगरानी क्षेत्रीय व्यवस्था के अनुसार की जाती थी। अब संबंधित संस्थानों की जरूरतों के हिसाब से सुरक्षा की कमान तय होगी।

137 नॉन-शेड्यूल्ड कैंसर दवाओं पर मुनाफा 30 फीसदी तय, मरीजों को मिली राहत

नई दिल्ली/एजेंसी

दवाओं की कीमत तय करने वाली नेशनल फॉर्मास्यूटिकल्स प्राइसिंग अथॉरिटी ने 137 नॉन-शेड्यूल्ड कैंसर दवाओं पर मुनाफा 30 फीसदी तय कर दिया है। यह फैसला 9 नवंबर से लागू होगा।

इससे इन जीवनरक्षक दवाओं की रिटेल कीमतें मौजूदा कीमतों के आधार पर 70% तक घट सकती हैं। शनिवार को इस बारे में गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया। दो दिन पहले केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में बताया था कि कैंसर दवाओं पर मुनाफे की सीमा 30 फीसदी तय करने से मरीजों को सालाना करीब 2,500 करोड़ रुपए की बचत होने की उम्मीद है।



विशेषज्ञ समिति ने की थी सिफारिश

कीमतें कम करने की सिफारिश डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत बनी विशेषज्ञ समिति ने की थी। समिति में देशभर के प्रमुख ऑन्कोलॉजिस्ट, मेडिकल विशेषज्ञ, अस्पतालों के विशेषज्ञ और सरकारी अधिकारी शामिल थे। समिति ने मार्जिन को तर्कसंगत बनाने के लिए 137 दवाओं की सिफारिश की है। इस सूची को समय-समय पर अपडेट किया जाएगा। उपभोक्ता की वेबसाइट और फार्मा सही दाम मोबाइल ऐप पर दवाओं की नई कीमतें देख सकते हैं।

एशियाई पैरा खेलों का भव्य आगाज

नागोया। जापान के आइची-नागोया में रविवार को पांचवें एशियाई पैरा खेल-2026 का रंगारंग और भावनात्मक उद्घाटन समारोह के साथ आगाज हुआ। नागोया स्थित पालोमा मिजुहो स्टेडियम में आयोजित समारोह में कला, संस्कृति, आधुनिक तकनीक और मानवीय दृढ़ संकल्प का अनूठा संगम देखने को मिला। पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता प्रमोद भगत और धाविका सिमरन शर्मा ने भारतीय दल के ध्वजवाहक के रूप में तिरंगे के साथ मार्च किया। इस बार इन खेलों में पहली बार एशिया की सभी 45 राष्ट्रीय पैरालंपिक समितियों की भागीदारी हो रही है। सात दिन तक चलने वाले इन खेलों का समापन 24 अक्टूबर को होगा।

वायुसेना का नया संचार कवच 'जीसैट-7सी': 2563 करोड़ का स्वदेशी सैटेलाइट

नई दिल्ली/एजेंसी

भारतीय वायुसेना की संचार क्षमता मजबूत करने के लिए देश में जीसैट-7सी सैन्य उपग्रह लॉन्च किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड के साथ 2,563 करोड़ रुपए का करार किया। इसके तहत उपग्रह का डिजाइन, विकास और निर्माण किया जाएगा। इस उपग्रह की सबसे बड़ी खासियत दूर तक सुरक्षित संचार उपलब्ध कराने की क्षमता होगी। इससे लड़ाकू विमानों, निगरानी विमानों, मानवरहित विमानों और जमीन पर मौजूद सैन्य केंद्रों के बीच संपर्क स्थापित करने में मदद मिलेगी। सामान्य रेडियो संचार



की पहुंच से बाहर होने पर भी उपग्रह के जरिए सूचनाओं का आदान-प्रदान संभव हो सकेगा। भारतीय वायुसेना का यह दूसरा समर्पित संचार उपग्रह होगा। पहला उपग्रह जीसैट-7ए दिसंबर 2018 में प्रक्षेपित किया गया था। उसकी निर्धारित कार्य अवधि 8 साल थी और उसकी क्षमता का लगभग 30% हिस्सा सेना को भी आवंटित किया गया था। जीसैट-7सी अंतरिक्ष में संचार केंद्र की तरह काम करेगा। यह विमानों और जमीन पर मौजूद सैन्य इकाइयों के बीच संपर्क बनाने में मदद करेगा। जब विमान सामान्य रेडियो की सीधी पहुंच से दूर होंगे, तब उपग्रह के जरिए संदेश एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाए जा सकेंगे। इससे लड़ाकू विमान, हवाई निगरानी और नियंत्रण विमान, मानवरहित विमान और जमीन पर मौजूद कंट्रोल सेंटर सूचनाएं साझा कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री की नवरात्र पर महिला सुरक्षा को समर्पित बड़ी सौगात, नवीन 100 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स का शुभारंभ

महिलाओं का आत्मसम्मान, सुरक्षा और सशक्तीकरण हमारा संकल्प



जयपुर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी संस्कृति में शक्ति की आराधना का पावन पर्व नवरात्र मातृ शक्ति के सम्मान और सुरक्षा सर्वोपरि की सीख देता है। इसी भावना के साथ राज्य सरकार महिला एवं बालिका सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है, ताकि वे बिना किसी भय के शिक्षा, रोजगार तथा सामाजिक गतिविधियों में और आगे बढ़ सकें।

नवरात्र पर मुख्यमंत्री की कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स को सौगात–

मुख्यमंत्री ने कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स का मनोबल बढ़ाने के लिए उन्हें प्रतिमाह थाने एवं पुलिस चैकी में पदस्थापित कॉन्स्टेबल, हेड कॉन्स्टेबल और एएसआई की तरह निश्चित यात्रा भत्ता देने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स का उद्देश्य केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करना नहीं, बल्कि अपराधों की रोकथाम, असामाजिक तत्वों में कानून का भय और महिलाओं में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना पैदा करना भी है।

मुख्यमंत्री रविवार को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में नवीन कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स एवं महिला यूथ सीएलजी सदस्यों के साथ संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि उनके सम्मान, स्वतंत्रता, आत्मविश्वास और समान अवसरों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। मुख्यमंत्री ने कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स की महिला पुलिसकर्मियों से संवेदनशीलता, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और साहस के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तीकरण को नई दिशा मिली है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान से लेकर उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुद्रा योजना और लखपति दीदी जैसी पहलों के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। वहीं, राज्य सरकार द्वारा भी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आधी आबादी को उनका पूरा हक देना सुनिश्चित किया जा रहा है।

अब तक 55 हजार से अधिक असामाजिक तत्वों पर हुई कार्रवाई – मुख्यमंत्री ने कहा कि कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स और महिला यूथ सीएलजी सदस्यों का फील्ड में प्रभावी असर नजर आ रहा है। यही कारण है कि वर्ष 2023 की तुलना में वर्ष 2026 में महिला अत्याचार के प्रकरणों में लगभग 48 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है तथा महिला अत्याचार संबंधी प्रकरणों में अनुसंधान का औसत समय घटकर 48 दिन रह गया है। उन्होंने कहा कि कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स द्वारा 55 हजार से अधिक असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इसके अलावा 50 लाख महिलाओं एवं बालिकाओं को कानून और 18 लाख से अधिक को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरुक किया गया है।

भगवान वाल्मीकि महाराज जी के परगट दिवस के मौके पर भगवान वाल्मीकि कम्युनिटी हॉल बठिंडा में राज्य स्तरीय समारोह हुआ

बठिंडा, (सुरेश रहेजा, प्रवीण कुमार, साहिल रहेजा)

कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा, डॉ. बलजीत कौर ने आज भगवान वाल्मीकि महाराज जी के परगट दिवस के मौके पर भगवान वाल्मीकि कम्युनिटी हॉल बठिंडा में हुए बड़े राज्य स्तरीय समारोह में माथा टेका। इस मौके पर उन्होंने भगवान वाल्मीकि महाराज जी का आशीर्वाद लिया और सभी की भलाई के लिए प्रार्थना की।



इस मौके पर बोलते हुए, कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि भगवान वाल्मीकि महाराज जी की शिक्षाएं पूरी इंसानियत के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं, जो सच्चाई, अच्छाई, इंसानियत के साथ-साथ नैतिकता पर जोर देती हैं और आज के समय में भी काम की हैं। उन्होंने कहा कि भगवान वाल्मीकि महाराज जी ने पवित्र रामायण की रचना करके बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया है।

उन्होंने लोगों को भगवान वाल्मीकि जी की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाकर अपने जीवन को सफल और खुशहाल बनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि हमारे महान गुरुओं, संतों, महापुरुषों ने मानवता की भलाई का संदेश दिया है, जिस पर चलते हुए पंजाब सरकार हर वर्ग के विकास और बेहतरी के लिए बिना किसी भेदभाव के काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार भगवान वाल्मीकि महाराज जी का संदेश दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाने के लिए अलग-अलग जगहों पर परगट दिवस को समर्पित राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने अपने भाषण में कहा कि पंजाब सरकार हर धर्म का बराबर सम्मान करती है। सरकार मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा शुरू करके बुजुर्गों को अलग-अलग तीर्थ स्थलों पर जाने का मौका दे रही है। पंजाब सरकार श्री अमृतसर साहिब में स्थित भगवान वाल्मीकि तीर्थ स्थल को करोड़ों रुपये से सुंदर बना रही है।

उन्होंने कहा कि भगवान वाल्मीकि महाराज जी की शिक्षाएं समाज में बराबरी, भाईचारे और आपसी सम्मान की भावना को मजबूत करती हैं। उन्होंने कहा कि हमें भगवान वाल्मीकि महाराज जी के दिखाए रास्ते पर चलकर समाज की भलाई और इंसानियत की सेवा के लिए हमेशा कोशिश करनी चाहिए। इस मौके पर उन्होंने लोगों से भगवान वाल्मीकि जी के दिए महान संदेश को अपनी ज़िंदगी में अपनाकर आपसी समझ के रिश्तों को और मजबूत करने की अपील की।

संत परगट नाथ जी ने संगत को भगवान वाल्मीकि जी के परगट दिवस की बधाई देते हुए उनकी शिक्षाओं को ज़िंदगी में अपनाने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि भगवान वाल्मीकि जी की शिक्षाएं पूरी इंसानियत के लिए एक रोशनी की किरण हैं, जो हमें इंसानियत का सम्मान करने, सच्चाई के रास्ते पर चलने और समाज की भलाई का संदेश देती हैं।

इस मौके पर मेयर नगर बठिंडा श्री पदमजीत सिंह मेहता ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन हमें अपनी अमीर विरासत और संस्कृति से जुड़ने का मौका देते हैं। खासकर, ये युवा पीढ़ी को हमारे महान इतिहास और धार्मिक विरासत से जोड़ने में अहम भूमिका निभाते हैं।

इस मौके पर पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट श्री अमरजीत सिंह मेहता ने मेहमानों का स्वागत किया और सभी को भगवान वाल्मीकि जी के परगट दिवस की बधाई दी।

इस मौके पर डिप्टी कमिश्नर श्री राजेश धीमान, डिस्ट्रिक्ट पुलिस चीफ श्री सुहैल कासिम मीर, म्युनिसिपल कमिश्नर श्रीमती लवजीत कलसी, असिस्टेंट कमिश्नर गुरजिंदर सिंह, सब डिविजनल मजिस्ट्रेट बठिंडा अमनदीप सिंह मावी, चेयरमैन इंदरजीत सिंह मान, जतिंदर सिंह भल्ला, नवदीप सिंह जीदा, अमरदीप सिंह राजन, बलजीत सिंह बल्ली, वाल्मीकि समाज के श्री नवीन वाल्मीकि, श्री हंस राज भारती और दूसरे गणमान्य लोगों के अलावा बड़ी संख्या में भक्त भी मौजूद थे।

नाबालिग के अपहरण की झूठी साजिश का पदार्फाश, पिता ही निकला मास्टरमाइंड; 4 आरोपी गिरफ्तार



जयपुर (देश का दर्पण)।

शिवदासपुरा थाना पुलिस ने त्वरित और कड़ी कार्रवाई करते हुए 48 घंटे के भीतर एक तरफ जहां अपहृत नाबालिग बालक को सकुशल दस्तयाब कर लिया, वहीं इस पूरे अपहरणकांड का चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि बालक का सगा पिता और चाचा ही इस साजिश के मुख्य मास्टरमाइंड थे। पुलिस ने मुख्य आरोपी पिता समेत कुल 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पत्नी को वापस लाने और दबाव बनाने के लिए रची साजिश

पुलिस उपायुक्त (जयपुर दक्षिण) राजर्षि राज (IPS) ने बताया कि आरोपी पिता कालूराम मीणा की पत्नी करीब तीन महीने पहले उसके पड़ोसी मित्र के साथ चली गई थी और संपत्ति संबंधी दस्तावेज भी अपने साथ ले गई थी। बार-बार प्रयासों के बाद भी जब वह वापस नहीं लौटी, तो आरोपी कालूराम और उसके भाई मुकेश मीणा ने पड़ोसी व उसके परिजनों पर दबाव बनाने के लिए खुद के बेटे का झूठा अपहरण कराने का आपराधिक षड्यंत्र रचा। इसके लिए उन्होंने दुकान के कर्मचारियों को बुलाकर साजिश को अंजाम दिलवाया।

आरओ प्लांट से अपहरण की दी थी झूठी सूचना

16 अक्टूबर 2026 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि आरओ प्लांट पर पानी लेने गए बालक को बाइक सवार दो नकाबपोशों ने अगवा कर लिया है। मामला गंभीर होने पर एडिशनल डीसीपी ललित किशोर शर्मा और एसीपी चाकसू भवानी सिंह के निर्देशन में शिवदासपुरा थानाधिकारी राजेश गौतम के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

महापुरुषों का जीवन नई पीढ़ी को राष्ट्रसेवा की देता है प्रेरणा : सुरेंद्र मैथानी

कानपुर, सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य का जीवन राष्ट्र और समाज के प्रति समर्पण की सीख देता है। उनके संघर्ष और योगदान से प्रेरणा लेकर नई पीढ़ी को देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियां समझनी चाहिए। महापुरुषों की प्रतिमाएं बच्चों और युवाओं में अपने इतिहास को जानने की रुचि पैदा करती हैं। यह बातें रविवार को गोविंद नगर भाजपा विधायक सुरेंद्र मैथानी ने मसवानपुर स्थित मामा तालाब पर सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य की प्रतिमा के अनावरण के दौरान कहीं।

विधायक मैथानी ने मामा तालाब परिसर में स्थापित प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने बताया कि प्रतिमा के निर्माण और स्थापना पर करीब 10 लाख रुपये खर्च किए गए हैं। इसका उद्देश्य क्षेत्र के सौंदर्यीकरण के साथ लोगों को देश के गौरवशाली इतिहास और महापुरुषों के योगदान से परिचित कराना है।

उन्होंने कहा कि सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य ने भारत को एकजुट कर सशक्त राष्ट्र की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के हित में काम करने का संकल्प लेना चाहिए। महापुरुषों के बारे में पढ़ने से जीवन को सही दिशा मिलती है और अपने इतिहास को समझने का अवसर मिलता है। प्रतिमा को देखकर बच्चों और आने वाली पीढ़ियों में भी अपने पूर्वजों के योगदान को जानने और उन पर गर्व करने की भावना विकसित होगी।

विधायक ने बताया कि मामा तालाब क्षेत्र को सुंदर और स्वच्छ सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को बेहतर वातावरण मिल सके और वे इस ऐतिहासिक स्थल से जुड़ाव महसूस कर सकें।

फ्रेंच सीख रहे राजस्थान पुलिस के टूरिस्ट असिस्टेंस फोर्स के जवानों ने फ्रांसीसी संगीत कार्यक्रम "ले वोयाज दे रेजे" में की सहभागिता



जयपुर 18 अक्टूबर। राजस्थान पुलिस की टूरिस्ट असिस्टेंस फोर्स (टीएएफ) के 9 कर्मियों ने फ्रांस-भारत नवाचार वर्ष 2026 के तहत राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी), जयपुर में आयोजित फ्रांसीसी संगीत कार्यक्रम "ले वोयाज दे रेजे" (Le Voyage de Reze) में भाग लिया। ये कर्मी उस टीम का हिस्सा हैं, जिसे अलायंस फ्रांसेज जयपुर फ्रेंच भाषा का प्रशिक्षण दे रहा है। उद्देश्य फ्रेंच और फ्रैंकोफोन कलाकारों से संवाद करना और बहुभाषी संस्कृति के अनुभव का आनंद लेना था।

22 पुलिसकर्मियों को मिल रहा फ्रेंच भाषा का प्रशिक्षण–

उल्लेखनीय है कि अलायंस फ्रांसेज जयपुर, टीएएफ के कुल 22 कर्मियों को फ्रेंच भाषा का प्रशिक्षण दे रहा है, ताकि वे राजस्थान आने वाले फ्रेंच और फ्रैंकोफोन पर्यटकों की बेहतर सहायता कर सकें।

"फ्रांस लाइव" श्रृंखला के तहत आयोजन–

कार्यक्रम का आयोजन भारत में फ्रांस के दूतावास, फ्रेंच इंस्टीट्यूट इन इंडिया और अलायंस फ्रांसेज डी जयपुर ने किया। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर और राजस्थान पत्रिका सांस्कृतिक सहयोगी तथा कुलिश स्कूल कार्यशाला सहयोगी रहा।

संगीत, कविता और लाइव चित्रकला का संगम–

करीब 70 मिनट की इस प्रस्तुति में चार कलाकारों ने संगीत, कविता, चित्रकला और दृश्य माध्यमों का अनूठा समन्वय पेश किया। कलाकारों ने परिचित, विस्मृत और स्वयं रची गई धुनों के जरिए दर्शकों को संगीतमय यात्रा कराई।

रेजे ने गायन व गिटार, सोइफ्रां ने ताल वाद्य, एम्दे ने मंच पर लाइव चित्रांकन और क्रिस्तू ने चित्रों के रियल-टाइम प्रक्षेपण की जिम्मेदारी निभाई। प्रस्तुति फ्रेंच और अंग्रेजी में थी और 10 वर्ष व उससे अधिक आयु के दर्शकों के लिए अनुशंसित थी।

भारतीय कलाकारों के साथ जुगलबंदी–

जामिंग सत्र में नीरजा मोदी स्कूल की सियाना, जो हुला-हूप नृत्य की सबसे कम उम्र की कलाकारों में शामिल हैं, और युवा मोरचंग व खड़ताल वादक ममता सापरा ने भी फ्रांसीसी कलाकारों के साथ प्रस्तुति दी। इसने सांस्कृतिक आदान-प्रदान और संगीत की सार्वभौमिक भाषा का सुंदर उदाहरण पेश किया।

सांस्कृतिक संबंधों को मिलती नई मजबूती–

भारत में फ्रेंच इंस्टीट्यूट के निदेशक ग्रेगोर ट्रूमेल ने कहा कि यह कार्यक्रम संगीत प्रस्तुति को ऐसे सामूहिक अनुभव में बदल देता है, जिसे कलाकार और दर्शक मिलकर रचते हैं। यही भावना फ्रांस-भारत नवाचार वर्ष का मूल उद्देश्य है।

प्राकृतिक चिकित्सा और योग से बेहतर जीवनशैली को मिलेगा बढ़ावा : डॉ. एसएन पांडेय

कानपुर, प्राकृतिक चिकित्सा, योग और आयुर्वेद के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक करना जरूरी है। मानसिक संतुलन, नियमित दिनचर्या और प्रकृति के साथ जुड़ाव बेहतर जीवन जीने में सहायक हो सकते हैं। यह बातें रविवार को बिठूर स्थित आरोहम् हैप्पीनेस होम में रविवार को आरोहम्-वेलनेस सेंटर के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि डॉ. एसएन पांडेय ने यह बातें कहीं।

वेलनेस सेंटर का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस दौरान चिकित्सा, योग और आयुर्वेद से जुड़े विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य संवर्धन, मानसिक शांति और प्राकृतिक जीवनशैली के महत्व पर विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए नियमित योगाभ्यास, संतुलित खानपान और अनुशासित दिनचर्या को बढ़ावा देना जरूरी है।

नीमा उत्तर प्रदेश वीमेंस फोरम की अध्यक्ष और वरिष्ठ आयुवेर्दाचार्य डॉ. वंदना पाठक ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण में सकारात्मक जीवनशैली और स्वास्थ्य के प्रति सजगता की अहम भूमिका है। वरिष्ठ प्राकृतिक चिकित्सक डॉ. एसएन पाठक ने प्राकृतिक चिकित्सा, योग और आयुर्वेद को शरीर और मन के स्वास्थ्य से जुड़ा बताते हुए नियमित अभ्यास पर जोर दिया।

इंटरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गनाइजेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनंत बिरादार ने कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा और योग को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग के समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव और इंडियन नेचुरोपैथी एंड योग ग्रेजुएट्स मेडिकल एसोसिएशन के कार्यकारी निदेशक डॉ. राजेश कुमार सिंह ने भी योग और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की बात कही।

आरोहम्-हैप्पीनेस होम के संस्थापक डॉ. उमेश पालीवाल ने बताया कि संस्थान का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान और स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है।

वेलनेस सेंटर इसी सोच का विस्तार है, जहां स्वास्थ्य और मानसिक शांति को प्राथमिकता दी जाएगी। परिसर में देश के विभिन्न शहरों से आए वरिष्ठ नागरिक रहते हैं। गंगा के निकट हरियाली और शांत वातावरण इसकी विशेषता है।

संस्थापक मुकेश पालीवाल ने बताया कि केंद्र में प्राकृतिक चिकित्सा, योग, पंचकर्म, होम्योपैथी और आयुर्वेद सहित विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से किफायती दरों पर उपचार

100 सीसीटीवी कैमरों की मदद से पकड़ा गया शातिर बाइक चोर, नशे की लत पूरी करने के लिए करता था चोरी

जयपुर: जयपुर (विशेष संवाददाता):

जयपुर ईस्ट की जवाहर नगर थाना पुलिस ने वाहन चोरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक शातिर बाइक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। आरोपी की पहचान 28 वर्षीय हनुमान मीणा, निवासी चितौड़ी (थाना बस्सी, जयपुर) के रूप में हुई है।



100 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले

?पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व, श्रीमती रंजीता शर्मा (IPS) ने बताया कि जवाहर नगर इलाके में हो रही वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए थानाधिकारी सरला यादव के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। पुलिस टीम ने लगभग 20 किलोमीटर के दायरे में लगे करीब 100 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और गुप्त सूचनाओं के आधार पर आरोपी को धर दबोचा।

पार्क के बाहर रेकी कर चुराता था बाइक

जांच में सामने आया कि आरोपी हनुमान स्मैक व नशे के इंजेक्शन लेने का आदी है। वह पार्कों और मंदिरों के बाहर खड़ी गाड़ियों की पहले रेकी करता था और मौका मिलते ही बाइक चुराकर फरार हो जाता था।

इस मामले में हुई गिरफ्तारी

गत 12 सितंबर 2026 को जवाहर नगर सेक्टर 2 (अशोक वाटिका) के पास से धौलपुर निवासी देवीसिंह कुशवाह की काले रंग की मोटरसाइकिल (फख-11 रड 6157) चोरी हो गई थी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पूर्व में भी दर्ज हैं आपराधिक मामले

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी हनुमान मीणा के खिलाफ पहले से भी बस्सी और कानोता थानों में आबकारी अधिनियम व अन्य धाराओं के तहत आपराधिक मामले दर्ज हैं।

इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में थानाधिकारी सरला यादव, हेड कांस्टेबल रामकल्याण, कांस्टेबल

माणकचौक पुलिस और DST की बड़ी सफलता: ई-रिक्शा में सफर के दौरान हुई 2 करोड़ से अधिक के जेमस्टोन चोरी का खुलासा, गुजरात की शातिर महिला चोर बापर्दा गिरफ्तार

जयपुर (देश का दर्पण)।

जयपुर की माणकचौक थाना पुलिस और उत्तर ज़िला ऊळ (डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस स्पेशल टीम) ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए ई-रिक्शा में यात्रा के दौरान हुई करोड़ों रुपये के कीमती जेमस्टोन चोरी की वारदात का पदार्फाश किया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए गुजरात मूल की एक शातिर महिला आरोपी को बापर्दा गिरफ्तार किया है और उसकी निशानदेही पर 2 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का शत-प्रतिशत चोरी गया माल (जेमस्टोन पैकेट) बरामद कर लिया है।



क्या था पूरा मामला

पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) करण शर्मा (IPS) के अनुसार, 15 अक्टूबर 2026 को फरियादी (जेमस्टोन कारोबारी/दलाल) ने माणकचौक थाने में मामला दर्ज कराया था।

शिकायत में बताया गया कि वह विभिन्न व्यापारियों के मूल्यवान रत्नों और जेमस्टोन का परिवहन करता है। 15 अक्टूबर को दोपहर लगभग 2:21 बजे वह गोपालजी के रास्ते से सांगानेरी गेट की ओर ई-रिक्शा में जा रहा था। उसके पास एमरल्ड (पन्ना) मणियों और पैकेजों के कुल 13 पैकेट थे (जिसमें कुल 942.52 कैरेट एमरल्ड पैकेट तथा 11.52 कैरेट के दो पीस व 144.60 कैरेट की 4 मणियां शामिल थीं)। यात्रा के दौरान किसी अज्ञात चोर ने नजर बचाकर यह सारा माल पार कर दिया।

200 से अधिक CCTV कैमरों को खंगाला, ऐसे पहुंची पुलिस

मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल एवं सहायक पुलिस आयुक्त (माणकचौक) पीयूष कविया (RPS) के निर्देशन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। माणकचौक थानाधिकारी राकेश ख्यालिया और डीएसटी प्रभारी दिलीप सोनी के नेतृत्व में टीम ने पारंपरिक पुलिसिंग, तकनीकी अनुसंधान (Technical Intelligence) और मुखबिर तंत्र (Human Intelligence) का इस्तेमाल शुरू किया।

पर्यटकों के साथ अनाचार करने वाला आरोपी गिरफ्तार, जयपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

जयपुर।

जयपुर उत्तर पुलिस ने देशी व विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पर्यटकों के साथ अनाचार करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) करण शर्मा (IPS) ने बताया कि 18 अक्टूबर 2026 को देशी पर्यटकों के साथ अनाचार किए जाने के संबंध में एक शिकायत प्राप्त हुई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत पर्यटकों की सुरक्षा और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए गए।

इस प्रकार हुई कार्रवाई



अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर प्रथम) आलोक सिंघल के सुपरविजन तथा सहायक पुलिस आयुक्त (माणक चौक) पीयूष कविया के निर्देशन में पुलिस थाना पर्यटक की एक विशेष टीम का गठन किया गया।

थानाधिकारी शशिकला (पुलिस निरीक्षक) के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिर तंत्र, ऑटो चालकों, राहगीरों एवं स्थानीय दुकानदारों से जानकारी जुटाकर आरोपी की पहचान की। पुलिस टीम ने संदिग्ध ठिकानों पर दबिश देकर आरोपी को दस्तयाब किया।

आरोपी का कृत्य अनुचित पाए जाने पर उसे अविलंब गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला (प्रकरण संख्या 103/2026) पंजीकृत किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी का विवरण:

नाम व पिता का नाम: जाउदीन कुरैशी (उम्र 37 वर्ष), पिता- अजीजुदीन कुरैशी

निवासी: मकान नंबर 12, आयशा नगर, अजीजीजिया मस्जिद के सामने, रामगढ़ रोड, नाई की थड़ी, लालवास (सी.आर.पी.एफ. के पास), थाना जयसिंहपुरा खोर, जयपुर उत्तर।

पुलिस टीम और विशेष भूमिका

इस पूरी कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में थानाधिकारी शशिकला, हैड कांस्टेबल हरिनारायण (नं. 356), हैड कांस्टेबल विनोद सिंह (नं. 1848), कांस्टेबल रामकिशन (नं. 11130), कांस्टेबल मूलचंद (नं. 10925) तथा महिला कांस्टेबल आंची (नं. 6213) शामिल रहे। आरोपी की धरपकड़ और पहचान में कांस्टेबल मूलचंद (नं. 10925) की विशेष भूमिका रही।

नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में सीएसजेएमयू को मिली चार स्टार रेटिंग : प्रो. विनय पाठक

कानपुर, नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता को बढ़ावा देना उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विद्यार्थियों को नए विचारों पर काम करने, समस्याओं के व्यावहारिक समाधान खोजने और स्टार्टअप के लिए प्रेरित करने की दिशा में विश्वविद्यालय लगातार प्रयास कर रहा है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयासों से मिली उपलब्धि भविष्य में भी बेहतर काम करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। यह बातें रविवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने विश्वविद्यालय को चार स्टार रेटिंग मिलने पर कही।

विश्वविद्यालय को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए पांच में से चार स्टार रेटिंग प्रदान की है। मूल्यांकन में विश्वविद्यालय ने 100 में से 79.38 अंक हासिल किए।

इससे नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में संस्थान के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है।

विश्वविद्यालय की प्रदर्शन रिपोर्ट के अनुसार, सत्र के दौरान कुल 93 गतिविधियां प्रस्तुत की गई थीं, जिनमें से 90 को स्वीकृति मिली। मूल्यांकन में गतिविधियों के प्रदर्शन को 80 प्रतिशत और सहभागिता को 20 प्रतिशत भार दिया गया था। गतिविधि प्रदर्शन में 74.67 अंक और सहभागिता में 4.71 अंक मिले। दोनों को मिलाकर विश्वविद्यालय का कुल स्कोर 79.38 रहा।

शिक्षा मंत्रालय का इनोवेशन सेल उच्च शिक्षण संस्थानों में संचालित इंस्टीट्यूशन्स इनोवेशन काउंसिल की गतिविधियों का आकलन करता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों में रचनात्मक सोच, उद्यमशीलता, स्टार्टअप संस्कृति और व्यावहारिक समस्याओं का समाधान खोजने की क्षमता विकसित करना है।

कोलकाता पंडाल हादसा : आयोजकों पर गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज, नवमी तक इलाके में धारा 163 लागू



कोलकाता, कोलकाता के चोरबगान पूजा पंडाल में मची भगदड़ में 19 लोगों की मौत के बाद कोलकाता पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने इस लापरवाही के लिए पूजा आयोजकों के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर ली है। इसके साथ ही, सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने और शांति बनाए रखने के उद्देश्य से चोरबगान से सटे कुछ विशिष्ट इलाकों में मंगलवार (नवमी) तक के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू की है।

कोलकाता के पुलिस आयुक्त अजय नंद द्वारा रविवार सुबह जारी इस आदेश के तहत इन क्षेत्रों में पांच या उससे अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया गया है। पुलिस के अनुसार, आयोजकों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या), धारा 110 (गैर-इरादतन हत्या का प्रयास) और धारा 3(5) (समान इरादे से समूह द्वारा अपराध) के तहत मामला दर्ज किया गया है। घटना की तह तक जाने के लिए पुलिस ने अब तक 14 लोगों को हिरासत में लिया है, जिनसे सघन पूछताछ की जा रही है। सात लोगों को गिरफ़्तार कर लिया गया है।

पुलिस आयुक्त की अधिसूचना के मुताबिक, निषेधाज्ञा मुख्य रूप से बऊबाजार थाना क्षेत्र के उन हिस्सों में लागू रहेगी जो चोरबगान पूजा पंडाल के करीब हैं। इनमें कॉलेज स्ट्रीट का कोलूटोला स्ट्रीट से ईडन अस्पताल रोड तक का हिस्सा, चित्तरंजन एवेन्यू (सीआर एवेन्यू) का कोलूटोला स्ट्रीट से ईडन अस्पताल रोड तक का हिस्सा, कोलूटोला स्ट्रीट का कॉलेज स्ट्रीट से सीआर एवेन्यू तक का हिस्सा और ईडन अस्पताल रोड का सीआर एवेन्यू से कॉलेज स्ट्रीट तक का इलाका शामिल है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि इन इलाकों में लाठी या कोई भी हथियार लेकर चलने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, यह पाबंदी पूरे बऊबाजार थाना क्षेत्र के लिए नहीं है।

राज्यपाल ने लिया स्थिति का जायजाः इस बीच, रविवार सुबह पुलिस आयुक्त अजय नंद और राज्य के राज्यपाल आर.एन. रवि ने स्थिति का जायजा लेने के लिए कोलकाता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने वहां भर्ती घायलों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली।

इससे पहले शनिवार रात मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने घटना की निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाते हुए कहा था कि एसटीएफ, सीआईडी और दमकल विभाग की टीमें घटनास्थल से आवश्यक नमूने और साक्ष्य एकत्र करेंगी। मुख्यमंत्री ने थीम आधारित पूजा के बढ़ते चलन पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भविष्य में थीम पूजा को लेकर प्रशासन को नई सिरे से विचार करना होगा, क्योंकि लोगों का जीवन किसी भी थीम से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है और इस दुखद घटना से मिले सबक को भविष्य की व्यवस्थाओं में लागू किया जाएगा।

कोलकाता में दुगार्पूजा पंडाल हादसे के बाद सुरक्षा इंतजामों की पड़ताल के लिए विशेष टीम गठित



कोलकाता, उत्तर कोलकाता के चोरबागान में दुगार्पूजा मंडप में हुए भीषण हादसे के बाद राज्य प्रशासन ने शहर के अन्य बड़े पूजा पंडालों की सुरक्षा को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार रात ही कोलकाता के प्रमुख दुगार्पूजा पंडालों की व्यवस्थाओं की जांच के लिए एक विशेष टीम गठित की। टीम की रिपोर्ट के आधार पर संबंधित पूजा समितियों को आवश्यक कदम उठाने होंगे। इसके साथ ही हादसे की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की भी घोषणा की है। इसमें एसटीएफ, सीआईडी सहित विभिन्न एजेंसियों के अधिकारी शामिल होंगे।

निरीक्षण दल में राज्य के आपदा प्रबंधन विभाग के सचिव राजेश सिंह, अग्निशमन विभाग के महानिदेशक अनुज शर्मा और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के अतिरिक्त महानिदेशक जावेद शमीम शामिल होंगे। कोलकाता पुलिस इस टीम को आवश्यक सहयोग देगी, जबकि राज्य के पुलिस महानिदेशक निरीक्षण कार्य का मार्गदर्शन करेंगे। पंडालों का निरीक्षण करने के बाद टीम अपनी रिपोर्ट राज्य की गृह सचिव संघमित्रा घोष को सौंपेगी।

मुख्यमंत्री ने पूजा समितियों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि निरीक्षण दल की सिफारिशों का पालन करना अनिवार्य होगा। कहा कि यदि किसी पंडाल की संरचना कमजोर है और उसमें बदलाव करने से उसके क्षतिग्रस्त होने या गिरने का खतरा है, तो वहां केवल पुरोहितों के जरिए पूजा और संकल्प कराया जा सकता है। श्रद्धालुओं के लिए बाहर एलईडी स्क्रीन लगाकर पंडाल के भीतर के कार्यक्रमों का प्रसारण किया जा सकता है।

शनिवार रात हादसे की सूचना के बाद मुख्यमंत्री कोलकाता मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचे, जहां घायलों को भर्ती कराया गया था। उन्होंने अस्पताल प्रशासन संग आपात बैठक कर घायलों के उपचार की व्यवस्था की समीक्षा की।

इसके बाद देर रात वह चोरबागान स्थित घटनास्थल पर भी पहुंचे और वहां की स्थिति का जायजा लिया।

पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि गठित टीम शहर के प्रमुख पूजा पंडालों का निरीक्षण करेगी। पूजा समितियों को सुरक्षा संबंधी निदेर्शों का पालन करना होगा और जरूरत पड़ने पर पूजा के आयोजन को सीमित करना होगा।

मुख्यमंत्री ने चोरबागान हादसे की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने की भी घोषणा की है। इसमें एसटीएफ, सीआईडी सहित विभिन्न एजेंसियों के अधिकारी शामिल होंगे। जांच दल का नेतृत्व एक न्यायाधीश करेंगे। इसके लिए मुख्यमंत्री कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रविंद्र घुगे को पत्र लिखेंगे। प्रस्तावित जांच दल प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज करने के साथ हादसे से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच करेगा, ताकि दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा सके।

इस बीच कोलकाता में मौजूद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार सुबह अस्पताल पहुंच कर घायलों से मुलाकात की। उन्होंने प्रभावित परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। हादसे के मद्देनजर गृह मंत्री ने पहले ही अपने सारे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम रद्द करने की घोषणा कर दी थी। उधर राज्यपाल आरएन रवि ने भी अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल-चाल पूछा।

चोरबागान भगदड़ के घायलों से मिलने अस्पताल पहुंचे अमित शाह, पूजा परिक्रमा कार्यक्रम रद्द



कोलकाता, उत्तर कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुगार्पूजा मंडप में भगदड़ की घटना में घायल लोगों से मिलने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को अस्पताल पहुंचे। कोलकाता पहुंचने के बाद उन्होंने सबसे पहले कालीघाट मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने अपनी पूर्व निर्धारित पूजा परिक्रमा के कई कार्यक्रम रद्द कर दिए और सीधे अस्पताल पहुंचे।

अस्पताल में इलाज करा रहे घायलों से मुलाकात कर शाह ने उनकी शारीरिक स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने घायलों के परिजनों से भी बातचीत की और घटना पर दुख व्यक्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि कोलकाता पुलिस ने घटना के संबंध में स्वतः संज्ञान लेते हुए गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है।

इससे पहले अमित शाह ने घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की थी। उन्होंने हादसे को बेहद दुखद बताते हुए कहा था कि स्थिति की जानकारी लेने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से बातचीत की है।

इस बीच, कोलकाता पुलिस ने शहर में संभावित प्रदर्शनों, रैलियों और सभाओं के मद्देनजर निषेधाज्ञा लागू की है। आदेश के तहत पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने, लाठी या अन्य घातक एवं खतरनाक हथियार लेकर चलने तथा शांति भंग करने या सार्वजनिक व्यवस्था को प्रभावित करने वाली गतिविधियों पर रोक लगाई गई है।

मेदिनीपुर में आरएसएस ने लगाया साहित्य भंडार पुस्तक स्टॉल

मेदिनीपुर, दुगार्पूजा के अवसर पर मेदिनीपुर शहर के विभिन्न पूजा पंडालों और क्षेत्रों में पुस्तक स्टॉल लगाए जा रहे हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से भी साहित्य भंडार नाम से एक पुस्तक स्टॉल लगाया गया है। संघ के स्वयंसेवकों की पहल पर मेदिनीपुर नगर के नौ नंबर बस्ती क्षेत्र में यह स्टॉल लगाया गया है। कर्णलगोला स्थित चिराठी क्लब के दुगार्पूजा परिसर में लगाए गए इस स्टॉल पर राष्ट्रीय विचारधारा, भारतीय संस्कृति, इतिहास, महापुरुषों की जीवनगाथाओं और सामाजिक विषयों से संबंधित विभिन्न पुस्तकें उपलब्ध हैं। पूजा के दौरान यहां आने वाले लोगों को पुस्तकों से परिचित कराना और उन्हें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है।

इस पुस्तक स्टॉल का उद्घाटन संघ के एक वरिष्ठ स्वयंसेवक ने किया। इस अवसर पर आरएसएस के मेदिनीपुर नगर के नौ नंबर बस्ती प्रमुख शुभाशीष पात्र सहित संघ के अन्य स्वयंसेवक उपस्थित थे।

एआई की तस्वीर से मिट्टी की दुर्गा प्रतिमा गढ़कर दादू-पोते ने खींचा सबका ध्यान



बांकुड़ा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक और दादू-पोते के कुशल हाथों के मेल से गढ़े दुर्गा प्रतिमाओं ने इस वर्ष शारदीय उत्सव में लोगों का ध्यान आकर्षित किया है।

पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के गंगाजलघाटी के दुबेड़ांगा के बुजुर्ग मूर्तिकार चंडी सूत्रधर और उनके पोते रूपम दास की संयुक्त कला को इस वर्ष दुगार्पूजा में काफी सराहना मिल रही है। पूजा समितियों के प्रतिनिधि मोबाइल स्क्रीन पर एआई की मदद से तैयार दुर्गा प्रतिमाओं की तस्वीरें लेकर आ रहे थे। इन तस्वीरों के आधार पर दोनों कलाकारों ने मिट्टी की प्रतिमाओं को उसी स्वरूप में तैयार किया। उनकी बनाई प्रतिमाएं विभिन्न पूजा मंडपों की शोभा बढ़ा रही हैं।

इस वर्ष इस जोड़ी की बनाई एक अनोखी दुर्गा प्रतिमा मेजिया के तिवारीडांगा स्थित पूजा मंडप में पहुंची है, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस प्रतिमा में लाल साड़ी पहने नृत्य करती दस भुजाओं वाली मां दुर्गा को दशार्या गया है। उनके पीछे नीलकंठ भगवान शिव का तांडव रूप है, जबकि नीचे गणेश और कार्तिकेय को आधुनिक स्वरूप में दिखाया गया है। इसके अलावा बांकुड़ा के बेलडांगा, जंगपुर, राधामाधवपुर, बड़ा लालपुर और नंदनपुर समेत विभिन्न क्षेत्रों के पूजा मंडपों में भी इन दोनों कलाकारों की बनाई प्रतिमाएं समय पर पहुंचा दी गई हैं। पारिवारिक परंपरा को आगे बढ़ा रहे 62 वर्षीय मूर्तिकार चंडी सूत्रधर ने बताया कि वह 16-17 वर्ष की उम्र से ही प्रतिमाएं बना रहे हैं। अपने दादा और पिता के रास्ते पर चलते हुए उन्होंने इस पेशे को अपनाया। इस वर्ष उनके जिम्मे कुल 15 प्रतिमाएं बनाने की जिम्मेदारी थी। इनमें से आठ प्रतिमाएं उन्होंने अपनी कार्यशाला में बनाईं, जबकि बाकी सात प्रतिमाओं को तैयार करने के लिए उन्हें बाहर जाकर काम करना पड़ा। बारिश के कारण मिट्टी मिलने में परेशानी हुई। इसके चलते उन्हें देर रात तक काम करना पड़ा।

चोरबागान भगदड़ में आरामबाग के तीन लोगों की मौत

बर्दवान, कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुगार्पूजा मंडप में मची भगदड़ में हुगली जिले के आरामबाग के एक ही परिवार के तीन सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में पियाली प्रामाणिक, उनकी ननद टगर बेज और टगर का नाबालिग बेटा संदीप बेज शामिल हैं। इस हृदयविदारक घटना के बाद आरामबाग के मलयपुर-1 ग्राम पंचायत अंतर्गत बालिया गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

परिवार के सूत्रों के अनुसार, दुगार्पूजा के दौरान विभिन्न पूजा मंडपों के दर्शन करने के उद्देश्य से परिवार के सदस्य दो दिन पहले कोलकाता गए थे। शनिवार यानी सप्तमी की शाम वे उत्तर कोलकाता स्थित चोरबागान सार्वजनिक दुगार्पूजा मंडप में मां दुर्गा की प्रतिमा और आकर्षक थीम देखने पहुंचे थे। उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि पूजा दर्शन की यह यात्रा परिवार के लिए कभी न भूलने वाला दुख बन जाएगी।

बताया गया है कि मंडप में दर्शनार्थियों की भारी भीड़ थी। इसी बीच अचानक बारिश शुरू हो गई। इसके बाद पूजा आयोजकों की ओर से माइक से घोषणा कर लोगों को जल्द और सुरक्षित तरीके से मंडप खाली करने के लिए कहा गया। घोषणा के बाद बाहर निकलने की जल्दबाजी में भीड़ के बीच अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हुई और लोगों की भीड़ के दबाव में पियाली, टगर और संदीप जमीन पर गिर पड़े। तीनों भीड़ की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना के बाद बचाव दल ने तीनों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

इस घटना की खबर बालिया गांव पहुंचते ही पूरे इलाके में मातम छा गया। जिन घरों में दुगार्पूजा की खुशियां मनाई जा रही थीं, वहां अब केवल आंसू और सन्नाटा है। मृतकों के रिश्तेदारों और परिचितों को सांत्वना देने के लिए ग्रामीण पहुंच रहे हैं, लेकिन इस अपूरणीय क्षति के सामने हर कोई खुद को असहाय महसूस कर रहा है।

चोरबागान की इस दर्दनाक घटना ने बड़े पूजा मंडपों में भीड़ नियंत्रण, सुरक्षित निकास मार्ग और आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों को व्यवस्थित तरीके से बाहर निकालने की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जामुड़िया के श्याम सेल कारखाने में बड़ा हादसा, निमार्णाधीन चिमनी ढहने से चार मजदूरों की मौत

पश्चिम बर्दवान,

पश्चिम बर्दवान जिले के जामुड़िया स्थित इकड़ा औद्योगिक क्षेत्र में श्याम सेल कारखाने में रविवार को एक भीषण हादसा हो गया। कारखाने के तीसरे गेट के पास निमार्णाधीन चिमनी का एक हिस्सा अचानक ढह गया। इस हादसे में मलबे के नीचे दबकर चार मजदूरों की मौत होने की खबर है, जबकि एक अन्य मजदूर के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, चिमनी के निर्माण कार्य के दौरान अचानक उसका एक हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा। उस समय वहां मजदूर काम कर रहे थे, जो इसकी चपेट में आ गए। चिमनी का हिस्सा गिरते ही कारखाना परिसर में अफरा-तफरी मच गई। मलबे में मजदूरों के दबे होने की खबर मिलते ही राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस, अग्निशमन विभाग और कारखाना प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचाव दल ने मलबा हटाकर उसके नीचे दबे मजदूरों को निकालने का प्रयास किया। गंभीर रूप से घायल एक मजदूर को बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराए जाने की जानकारी मिली है।

हादसे की खबर फैलते ही इलाके में लोगों की भीड़ जुटने लगी। जामुड़िया के विधायक बिजन मुखर्जी भी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया। उन्होंने घायल मजदूर के समुचित इलाज पर जोर दिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए घटनास्थल पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों और कॉम्बैट फोर्स को तैनात किया गया। इस बीच, घटनास्थल पर समाचार संकलन करने पहुंचे मीडिया कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की किए जाने का आरोप भी सामने आया है। हालांकि, इस मामले में विस्तृत जानकारी और आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा है।

श्याम सेल कारखाने में निमार्णाधीन चिमनी का हिस्सा ढहने की घटना ने औद्योगिक प्रतिष्ठानों में निर्माण कार्य के दौरान श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर चिमनी का हिस्सा किस वजह से ढहा क्या निर्माण कार्य के दौरान निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था क्या निर्माण की गुणवत्ता और कार्यस्थल की सुरक्षा की नियमित जांच हो रही थी? इन सवालों के जवाब जांच के बाद ही सामने आ सकेंगे।

फिलहाल, हादसे के कारणों और जिम्मेदारी तय करने के लिए विस्तृत जांच आवश्यक है। साथ ही मृत मजदूरों की पहचान, उनके परिजनों को मिलने वाली सहायता तथा घायल मजदूर की स्थिति के संबंध में आधिकारिक जानकारी सामने आने का इंतजार है।

पूर्व मेदिनीपुर की 12 पूजा समितियों को मिलेगा देवी दुर्गा सम्मान



तमलुक, पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले की 12 दुगार्पूजा समितियों को देवी दुर्गा सम्मान 2026 के लिए चुना गया है। जिला प्रशासन ने चार श्रेणियों में तीन-तीन पूजा समितियों का चयन किया है। शुक्रवार को निमतौड़ी स्थित जिला प्रशासनिक भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में जिलाधिकारी निरंजन कुमार ने चयनित समितियों के नामों की घोषणा की।

जिलाधिकारी ने बताया कि अनुमंडल स्तर की समितियों से कुल 46 दुगार्पूजा समितियों के नामों की सिफारिश की गई थी। इनमें से जिला स्तरीय समिति ने चार श्रेणियों में कुल 12 समितियों का चयन किया। इन श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ पूजा, सर्वश्रेष्ठ मंडप, सर्वश्रेष्ठ प्रतिमा और सर्वश्रेष्ठ सामाजिक जागरूकता शामिल हैं।

सर्वश्रेष्ठ पूजा श्रेणी में पटाशपुर-दो के टिकरापाड़ा रेनबो एथलेटिक क्लब, कांथी नगरपालिका के नान्दनिक क्लब और मयना की पश्चिम मयना सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति को चुना गया है।

सर्वश्रेष्ठ मंडप श्रेणी में एगरा-दो के बालिघाई विवेकानंद व्यायामागार, रामनगर बाजार व्यवसायी समिति और महिषादल के संडे क्लब को स्थान मिला है।

सर्वश्रेष्ठ प्रतिमा श्रेणी में एगरा फ्रेंड्स रिक्रिएशन क्लब, नंदीग्राम के गोकुलनगर छह नंबर अंचल युवा संघ और पांशकुड़ा के मेछेग्राम समाज शिक्षा केंद्र का चयन किया गया है।

वहीं, सर्वश्रेष्ठ सामाजिक जागरूकता श्रेणी में कांथी-एक प्रखंड के बादलपुर विवेकानंद कल्याण संघ, चैतन्यपुर के नवतारा और नंदकुमार स्पोर्ट्स एंड कल्चरल सेंटर को चुना गया है।

पत्रकार वार्ता में अतिरिक्त जिलाधिकारी तानिया परवीन और जिला सूचना एवं संस्कृति विभाग के अधिकारी वरुण मंडल भी उपस्थित थे।

इस दौरान जिलाधिकारी ने जिला प्रशासनिक भवन को प्लास्टिक मुक्त घोषित करने और सरकारी कार्यालयों में प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद करने की पहल की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि प्रशासनिक भवन में प्लास्टिक की बोतलों के स्थान पर कांच की बोतलों और गिलासों का उपयोग शुरू किया गया है। अब अनुमंडल, प्रखंड और पंचायत स्तर के कार्यालयों में भी इस व्यवस्था को लागू करने का प्रयास किया जा रहा है।

कोलकाता पूजा पंडाल हादसा: 18 की मौत, 12 हिरासत में; हाई कोर्ट के जज की निगरानी में एसटीएफ जांच की मांग

कोलकाता, महासप्तमी की शाम कोलकाता के चोरबगान सार्वजनीन पूजा पंडाल में मची भगदड़ ने भीषण त्रासदी का रूप ले लिया । इस हादसे में रविवार सुबह तक 18 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 25 अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। राज्य सरकार ने घटना पर सख्त रुख अपनाते हुए कड़े कदम उठाए हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा में लापरवाही के संदेह में पूजा समिति के आयोजकों और स्वयंसेवकों समेत 12 लोगों को हिरासत में लिया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने स्वास्थ्य मंत्री शारद्वत मुखोपाध्याय के साथ कोलकाता मेडिकल कॉलेज पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पुलिस और आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार, सप्तमी की शाम अचानक तेज बारिश शुरू होने और बाहर भारी ट्रैफिक जाम के कारण सैकड़ों दर्शनार्थियों ने एक साथ पंडाल के अंदर घुसने का प्रयास किया। इसी दौरान अंदर भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। सूचना मिलते ही दमकल, कोलकाता पुलिस और डिजास्टर मैनेजमेंट ग्रुप ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को कोलकाता मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान मृतकों का आंकड़ा 18 तक पहुंच गया।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर एक वर्तमान न्यायाधीश के नेतृत्व में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के गठन की अपील करने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि रविवार को उच्च न्यायालय से इस त्रासदी की न्यायिक जांच का औपचारिक अनुरोध किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने मृतकों के परिजनों को 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और परिवार के एक सदस्य को ग्रुप-डी की सरकारी नौकरी देने का ऐलान किया है। घायलों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी और राज्य सरकार उनके चुने हुए किसी भी निजी अस्पताल में मुफ्त इलाज का पूरा खर्च वहन करेगी। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी है कि सीसीटीवी फुटेज की सघन जांच की जा रही है और लापरवाही बरतने वाले किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

इस त्रासदी के बीच सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की स्थिति भी सवालों के घेरे में आ गई है। कोलकाता मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान जूनियर डॉक्टरों के एक वर्ग ने बुनियादी सुविधाओं के अभाव को लेकर जमकर क्षोभ व्यक्त किया। जूनियर डॉक्टरों का आरोप है कि इतने बड़े और प्रमुख मेडिकल कॉलेज में कोई आपातकालीन ट्रोमा केयर सेंटर ही नहीं है और न्यूरो सर्जरी विभाग की हालत भी बेहद खराब है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री के उस कदम पर भी कड़ी आपत्ति जताई जिसमें 7-8 गंभीर मरीजों को आनन-फानन में निजी अस्पतालों में रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों ने अंदेशा जताया है कि ज्यादातर मौतें भीड़ के दबाव में दम घुटने के कारण हुई हैं।

इस हृदयविदारक घटना पर पूरे देश में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

चोरबागान हादसे के बाद मुख्यमंत्री की बैठक, पूजा मंडपों की सुरक्षा के निर्देश

कोलकाता, उत्तर कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुगार्पूजा मंडप में भगदड़ की दर्दनाक घटना के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया है।

रविवार को राज्य पुलिस मुख्यालय भवानी भवन में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों के साथ आपात बैठक की। बैठक में राज्य के मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में दुगार्पूजा के बाकी दिनों में राज्य के सभी बड़े और मध्यम आकार के पूजा मंडपों में भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उपायों पर विस्तार से चर्चा हुई।

मंडपों में श्रद्धालुओं के प्रवेश और निकास के रास्ते पूरी तरह बाधारहित रखने, आपातकालीन निकास मार्गों को चालू रखने तथा भीड़ के दबाव को संभालने के लिए पुलिस और निजी सुरक्षाकर्मियों के बीच लगातार समन्वय बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी मंडप में निर्धारित क्षमता से अधिक भीड़ जमा नहीं होने दी जाए।

उन्होंने पुलिस और प्रशासन को हर समय सतर्क रहने को कहा। साथ ही, निदेर्शों का उल्लंघन करने वाली पूजा समितियों या संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई।

युवाओं, महिलाओं, किसानों और गरीब परिवारों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है नायब सरकार : जिला महामंत्री जंगीर सिसला



कैथल (कृष्ण प्रजापति): हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर भाजपा जिला महामंत्री जंगीर सिसला ने सरकार के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार जनसेवा, सुशासन और विकास के संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक वर्ग का उत्थान करना और हरियाणा को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना है।

जंगीर सिसला ने कहा कि युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाना, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना, किसानों के हितों की रक्षा करना और गरीब परिवारों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त करना प्रदेश के विकास के लिए बेहद जरूरी है। भाजपा सरकार इन सभी क्षेत्रों में लगातार प्रयास कर रही है। जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से पात्र लोगों तक सुविधाएं पहुंचाने और आमजन के जीवन को बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की प्राथमिकता विकास कार्यों को गति देना, प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाना और आम नागरिक की समस्याओं का समाधान करना है। गांवों से लेकर शहरों तक बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना तथा विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सरकार की कार्यशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

विकसित हरियाणा के संकल्प को मिलेगी नई गति

भाजपा जिला महामंत्री ने कहा कि हरियाणा के विकास में प्रदेश की जनता की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। सरकार और संगठन मिलकर जनहित के कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। भाजपा कार्यकर्ता भी जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनने, उनका समाधान करवाने के प्रयास करने और सरकार की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के दो वर्ष प्रदेश के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण रहे हैं। सरकार का लक्ष्य हरियाणा को मजबूत, समृद्ध, आत्मनिर्भर और विकसित प्रदेश बनाना है। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है, ताकि समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रगति के समान अवसर मिल सकें।

जनसेवा और विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

जंगीर सिसला ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि प्रदेश सरकार आने वाले समय में भी जनसेवा और विकास के संकल्प के साथ आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की राजनीति का मूल उद्देश्य सत्ता नहीं, बल्कि सेवा और जनकल्याण है।

टोंक में लाइव प्रसारण: 'कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स शुभारंभ एवं सशक्तिकरण समारोह' में एएसपी भार्गव की मौजूदगी में महिला पुलिसकर्मियों ने सुना मुख्यमंत्री का संबोधन



टोंक। जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय में रविवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतन लाल भार्गव की मौजूदगी में पुलिस अधिकारियों और महिला पुलिसकर्मियों ने जयपुर में आयोजित "कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स शुभारंभ एवं सशक्तिकरण समारोह" का सीधा प्रसारण देखा। एएसपी भार्गव की अगुवाई में टोंक पुलिस प्रशासन व कालिका पेट्रोलिंग टीम ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विशेष संबोधन सुना। इस सशक्तिकरण समारोह में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में 100 नवीन कालिका पेट्रोलिंग यूनिट्स को हरी झंडी दिखाने के साथ ही एक बड़ी घोषणा की, जिसके तहत अब इन विशेष यूनिट्स में तैनात महिला पुलिसकर्मियों को भी थानों की तर्ज पर हर महीने निश्चित यात्रा भत्ता दिया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा समारोह में दी गई इस बड़ी सौगात पर टोंक में मौजूद एएसपी रतन लाल भार्गव सहित पुलिस अधिकारियों ने प्रसन्नता जताई, वहीं मुख्यमंत्री की इस घोषणा से स्थानीय कालिका पेट्रोलिंग टीम और महिला प्रहरियों में भारी उत्साह की लहर दौड़ गई।

नवरात्रा महोत्सव;सिद्धि विनायक मंदिर जेतारण चौकी पर विभिन्न प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रतिदिन विभिन्न भजनों,नृत्य कार्यक्रम आयोजित



मेड़ता सिटी(लक्ष्मीनारायण वैष्णव)/ शहर के जेतारण चौकी पर स्थित सिद्धि विनायक मंदिर में नवरात्रा महोत्सव को लेकर नवरात्रा नवयुवक मंडल के तत्वाधान में प्रतिदिन विभिन्न प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रतिदिन विभिन्न भजनों,नृत्य किया जा रहा है साथ ही झांकियां सजाई जा रही। इन कार्यकमों को देखने बड़ी संख्या में महिलाएं पुरुष व बच्चे पहुंच रहे जो देर रात्रि एक दो बजे तक इस भक्तिमय कार्यकम का लुप्त उठाते है। शनिवार रात्रि के दीपक त्रिपुरारी एंड ग्रुप द्वारा शिव,माताजी,राम,हनुमान,बाबा रामदेव,काली माता की वेश बनाकर एक से बढ़ कर एक कार्यक्रम किए,साथ ही आकर्षक झांकियां सजाई गई।

मुख्य कलाकार दीपक त्रिपुरारी सहयोगी कलाकार धर्मेंद्र सिंह,गौरव,दीपक सेंडी,किट्टू रंगीली,कार्तिक,कमल आदि ने कार्यक्रम पेश किए। अर्जुन गहलोत सहित पुरी टीम द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु दिन रात जुटे हुए है।

श्री रगतमल भैरव दरबार में शनिवार रात्रि विशाल भजन संध्या हुआ का आयोजन



मेड़ता सिटी(लक्ष्मीनारायण वैष्णव)/ श्री रगतमल भैरव दरबार में शनिवार रात्रि विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें सानिध्य श्री ओम गिरी जी महाराज भावी व मेड़ता छतरी धाम के मंहत श्री हरि नारायण जी का रहा जोधपुर के मुख्य कलाकार जुगल परिहार दीपक कुमार पंवार मेड़ता सिटी से ललित लहरिया ने अपने भजनो से भक्तों को भाव विभोर कर दिया। प्रातः काल दरबार में पूजा अर्चना आरती की गई। गौ माता के लिए 251 किलो के लापसी बनाई गई। 108 कन्याओं को प्रसादी करवाई गई। वह सभी भक्तो के लिए महाप्रसादी का आयोजन किया गया इस अवसर पर मुख्य पुजारी शिवरतन आशीवाल ओम प्रकाश मुकेश आसीवाल विजयनगर से राजेंद्र भागचंद सा कुशल चंद सा अंकित अनिकेत धर्मेंद्र एवं समस्त भैरू मंडली के सदस्य जिसमें शांतिलाल मथुरिया चंद्र प्रकाश बिरला कैलाश कंदोई नोरतमल बोराणा गंगाराम भाटी बस्तीमल खाबिया हंसराज मेहता गिरिराज दीनदयाल पारीक बबलू भाटी इंद्र भाटी मनोज मठवानी नरेंद्र भाटी विनोद मथुरिया राम अवतार सोनी रमेश वैष्णव जसनगर सुशील सेन जितेंद्र तातेड़ राहुल शर्मा मेहुल नमन अक्षय हटीला हेमंत मेहता शशि कुमार सुशील हटिला सोनू अग्रवाल दिनेश बोराणा मुकेश सोनी रमेश वैष्णव सूरज आशीवाल सभी भक्तजन इस कार्यक्रम में शामिल थे। सैकड़ो की संख्या में मातृशक्ति भी इस कार्यक्रम में शामिल थी।

मुंबई के जुहू में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग की घटना - प्रमुख अपडेट



मुंबई के जुहू इलाके में बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर अज्ञात हमलावरों द्वारा गोलीबारी की एक बड़ी घटना सामने आई है। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें गोलीबारी के बाद मौके पर भगदड़ और अफरा-तफरी का माहौल देखा जा सकता है।

इस संबंध में मुख्य विवरण इस प्रकार हैं:

टाइगर श्रॉफ सुरक्षितः मुंबई पुलिस और अभिनेता के परिवार के अनुसार, टाइगर श्रॉफ पूरी तरह सुरक्षित हैं और उन्हें किसी भी प्रकार की गोली या चोट नहीं लगी है।

घायलः इस गोलीबारी की घटना में टाइगर श्रॉफ के ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति (राहगीर) को चोटें आई हैं, जिन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस और प्रशासनिक कार्रवाईः मुंबई पुलिस ने जुहू पुलिस स्टेशन के अंतर्गत हुई इस घटना की जांच के लिए कई विशेष टीमों का गठन किया है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी इस घटना का संज्ञान लेते हुए पुलिस कमिश्नर से पूरी जानकारी ली है और सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

गैंग का दावा (अपुष्ट): मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ सोशल मीडिया पोस्ट में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े नामों द्वारा इस हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया है, हालांकि पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां इन दावों की सत्यता की जांच कर रही हैं।

इस मामले में पुलिस की विस्तृत जांच अभी जारी है।

गांव कोटड़ा की दो बेटियों शिवांगी और ईशा ने एचसीएस में चयनित होकर बढ़ाया गांव का मान

समाजसेवी मनोज चहल कोटड़ा ने दी बधाई, कहा : बेटियों की सफलता पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात



कैथल (कृष्ण प्रजापति): हरियाणा सिविल सेवा (एचसीएस) में गांव कोटड़ा की दो होनहार बेटियों शिवांगी और ईशा का चयन होने पर पूरे गांव में खुशी और गर्व का माहौल है। दोनों बेटियों ने अपनी मेहनत, लगन, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के दम पर यह उपलब्धि हासिल कर न केवल अपने परिवार का, बल्कि गांव कोटड़ा और कैथल जिले का नाम भी रोशन किया है। उनकी इस शानदार सफलता पर समाजसेवी मनोज चहल कोटड़ा ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समाजसेवी मनोज चहल कोटड़ा ने कहा कि गांव की बेटियों का प्रदेश की प्रतिष्ठित प्रशासनिक सेवा में चयन होना पूरे समाज के लिए गर्व का विषय है। यह उपलब्धि साबित करती है कि यदि बेटियों को उचित अवसर, परिवार का सहयोग और आगे बढ़ने के लिए सकारात्मक माहौल मिले, तो वे अपनी प्रतिभा के दम पर किसी भी मुकाम को हासिल कर सकती हैं। शिवांगी और ईशा की सफलता ग्रामीण क्षेत्र के उन युवाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत है, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर अपने भविष्य को संवारने का सपना देख रहे हैं।

उन्होंने विशेष रूप से शिवांगी की शैक्षणिक यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि शिवांगी ने दसवीं कक्षा गांव के सरकारी स्कूल से उत्तीर्ण की थी। यह बात सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए एक सकारात्मक संदेश है। सफलता हासिल करने के लिए केवल बड़े शहरों या महंगे शिक्षण संस्थानों में पढ़ना ही जरूरी नहीं है, बल्कि मेहनत, आत्मविश्वास, सही दिशा और निरंतर प्रयास भी सफलता की मजबूत नींव बनते हैं।

बेटियों की उपलब्धि से युवाओं को मिलेगी नई प्रेरणा

मनोज चहल कोटड़ा ने कहा कि आज बेटियां शिक्षा, प्रशासन, खेल, विज्ञान और अन्य क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। शिवांगी और ईशा की उपलब्धि भी इसी बदलाव का उदाहरण है। ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों का प्रशासनिक सेवाओं तक पहुंचना समाज में शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता और बेटियों की क्षमता पर बढ़ते विश्वास को दशार्ता है।

उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं से आह्वान किया कि वे अपने लक्ष्य निर्धारित करें और पूरी ईमानदारी, अनुशासन तथा मेहनत के साथ तैयारी करें। सफलता प्राप्त करने के लिए धैर्य बनाए रखना और असफलताओं से सीख लेकर आगे बढ़ना जरूरी है। युवाओं को चाहिए कि वे शिवांगी और ईशा की सफलता से प्रेरणा लेते हुए अपने सपनों को साकार करने के लिए निरंतर प्रयास करें।

मनोज चहल ने कहा कि बेटियां किसी एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे गांव और समाज की शान होती हैं। उनकी उपलब्धियों का सम्मान करना और दूसरी बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शिवांगी और ईशा भविष्य में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए समाज और प्रदेश की सेवा करेंगी तथा अपनी कार्यशैली से दूसरों के लिए मिसाल कायम करेंगी।

विजय आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय में गरबा नृत्य का हुआ भव्य आयोजन



अकरम खान,सोजत। नौ दिवसीय शारदीय नवरात्रि महोत्सव के तहत विजय आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत माता रानी की भक्ति से सराबोर गरबा नृत्य का भव्य आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के छात्र छात्राएं अध्यापक और अभिभावकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रस्तुति दी।

जिससे पूरा विद्यालय प्रांगण भक्तिमय माहौल में सराबोर नजर आया।

कार्यक्रम के अंत में प्रथम स्थान पर अध्यापक दुर्गेश व्यास द्वितीय स्थान पर अभिभावक किरण प्रजापत और तृतीय स्थान पर रहने वाली कक्षा नवम की छात्रा दिक्षीता राठौड़ के साथ पार्टिसिपेंट करने वालों को विद्यालय व्यवस्थापक दिनेश सोलंकी द्वारा पारितोषिक वितरण किया गया। निर्णायक की भूमिका निभाने वालों में शारीरिक शिक्षक संघ पाली जिला संरक्षक सत्तुसिंह भाटी, वरिष्ठ शायर कवि पत्रकार अब्दुल समद राही, व्यवस्थापक दिनेश सोलंकी रहे।

इस अवसर पर शाहबाज खान गजेंद्र सिंह माफावत, पुनम भटनागर विजयलक्ष्मी दवे , श्रीमती आशा माली,कौशल्या देवी पिंटू देवी, पायल, प्रियंका, मोहम्मद नासिर अंसारी, नवीन सोलंकी, सुमन प्रजापत, सरस्वती प्रजापत, कुमकुम, मेघना हरीश, मयंक, खुशवंत, लक्षिता, कुंनाल, खुशहाल, अयान, मोहम्मद उमैर सहित कई गणमान्य जन, छात्र-छात्राएं और अभिभावक उपस्थित थे।

सोजत में दुगार्वाहिनी मातृशक्ति ने निकाला भव्य शक्ति संचलन



अकरम खान, सोजत। विश्व हिन्दू परिषद् मातृशक्ति दुगार्वाहिनी, जिला सोजत एवं प्रखंड सोजत-बगड़ी के तत्वावधान में श्रद्धेय अशोकजी सिंघल जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को ह्यशक्ति संचलनह्ण2026ह्व का भव्य आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

शक्ति संचलन का शुभारंभ मोतीचंद सेठिया आदर्श विद्या मंदिर से हुआ। दुगार्वाहिनी की मातृशक्ति अनुशासित वेशभूषा में हाथों में दंड लेकर संचलन में शामिल हुई। संचलन चांदपोल, दिल्ली दरवाजा, जैतारणिया गेट, मुख्य बाजार, महावीर सर्कल, काका चौयराया एवं सिंघाड़िया बास होते हुए पुनः मोतीचंद सेठिया स्कूल पहुंचा।

इस दौरान शहर के प्रमुख मार्गों पर मातृशक्ति के अनुशासन, एकजुटता और उत्साह ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। जगह-जगह नागरिकों ने पुष्पवर्षा कर शक्ति संचलन का स्वागत किया।

कार्यक्रम में विश्व हिन्दू परिषद् मातृशक्ति क्षेत्र संयोजिका राजस्थान अभिलाषा यादव ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं का जागरूक, आत्मनिर्भर एवं संगठित होना आवश्यक है। नारी शक्ति ही राष्ट्र शक्ति का आधार है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती कमलाजी टांक (डी.डी.), विशिष्ट अतिथि डॉ. अनुसूया हर्ष एवं अध्यक्ष कल्पना जी अग्रवाल सहित विभिन्न पदाधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

संत नामदेव की शिक्षाएं मानवता, समानता और श्रम के सम्मान का संदेश देती हैं : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी



कैथल (कृष्ण प्रजापति): हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि संत शिरोमणि नामदेव महाराज की शिक्षाएं आज भी समाज को आपसी भाईचारे, प्रेम, समानता, मानवता और श्रम के सम्मान का संदेश देती हैं। संत-महापुरुष किसी एक जाति या वर्ग के नहीं होते, बल्कि वे पूरे समाज का मार्गदर्शन करते हैं। उनकी शिक्षाओं को जीवन में अपनाकर ही अच्छे समाज और मजबूत राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री रविवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-21 स्थित नामदेव भवन में संत नामदेव महाराज के 756वें प्रकाशोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने नामदेव भवन के लिए 21 लाख रुपये देने की घोषणा की और हरियाणा नामदेव सभा के प्रदेशाध्यक्ष एवं पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष सतबीर वर्मा द्वारा समाज की मांगों को लेकर सौंपे गए मांग-पत्र पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया।

संत-महापुरुषों की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत नामदेव ने अपनी वाणी और जीवन से भक्ति, मानव सेवा और मेहनत करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के सम्मान का संदेश दिया। गुरु ग्रंथ साहिब में भी उनकी वाणी शामिल है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। हरियाणा सरकार भी अंत्योदय की भावना के साथ सभी वर्गों के कल्याण और सुशासन के लिए काम कर रही है।

दुर्गा अष्टमी पर विश्व हिंदू परिषद की दुर्गा वाहिनी व मातृशक्ति ने निकाला शक्ति पथ संचलन



मेड़ता सिटी(लक्ष्मीनारायण वैष्णव)/विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक सिंहल के जन्म शताब्दी वर्ष के नवरात्रि में दुर्गा अष्टमी के अवसर पर आज कृष्ण भक्त मीरां की नगरी मेड़ता में शक्ति स्वरुपा नारी शक्ति का पथ संचलन कार्यक्रम संपन्न हुआ ।

जिसमें नारी शक्ति के साहस, शौर्य और अनुशासन में एकजुटता का दृश्य देख कर शहरवासी गदगद् हो गये ।

विश्व हिन्दू परिषद के मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी मेड़ता की ओर से निकाले गए शक्ति पथ संचलन में निर्धारित गणवेश धारण किये बहनों ने तथा मातृशक्ति ने अनुशासित कदम ताल के साथ , घोष की धुन पर शक्ति और सामर्थ्य का परिचय दिया ।

हाथों में दंड लिए उत्साहपूर्वक आगे बढ़ती शक्ति स्वरुपा मातृशक्ति ,

और स्वागत में गगनभेदी जयघोष ने पूरे मीरां नगरी में जोश भर दिया । शक्ति पथ संचलन का नगरवासियों ने जगह जगह पर पुष्प वर्षा कर अभिनंदन किया ।

संचलन के अंत में देवी दुर्गा का चित्र बहनों को आशीर्वाद एवं अन्याय का संहार करने की प्रेरणा दे रहा था ।

शक्ति संचलन प्रारंभ होने से पूर्व तीन बजे से घांची समाज पंचायत भवन में दुर्गा वाहिनी बहनें तथा मातृशक्ति एकत्रित हुई , जहां पर शस्त्र पूजन कार्यक्रम हुआ । कार्यक्रम में सरिता व्यास ने अध्यक्षता की , बबिता बेनिवाल , अनिता , लता पांडे दुर्गा वाहिनी क्षेत्रीय संयोजिका ने उद्बोधन में कहा कि विश्व हिन्दू परिषद हिंदुओं की चिंता करने वाला संगठन है ।

नवरात्रि के पावन अवसर पर भुना रामनगर में मां भगवती का जागरण आयोजित



कैथल (कृष्ण प्रजापति): नवरात्रि के पावन अवसर पर दुख निवारण शिव शक्ति पौणाहारी बाबा बालकनाथ जी सेवा समिति (रजि. 01258), भुना रामनगर की ओर से रविवार को मंदिर परिसर में भव्य जागरण एवं धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और मां भगवती तथा बाबा बालकनाथ जी के चरणों में शीश नवाकर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

कार्यक्रम की शुरूआत सुबह बाबा बालकनाथ जी की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद मां भगवती के जागरण का शुभारंभ किया गया। धार्मिक वातावरण में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ महामाई का गुणगान किया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद और भोजन की व्यवस्था भी की गई।

समिति की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चाय-पानी, भोजन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गईं। मंदिर परिसर में कार्यक्रम को व्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए समिति के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। पूरे आयोजन में श्रद्धा, सेवा और आपसी सहयोग की भावना देखने को मिली।

सेवा और श्रद्धा के साथ मनाया नवरात्रि पर्व

समिति के प्रधान सेवक बाबा ओमप्रकाश के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में अनेक श्रद्धालुओं और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने धार्मिक आयोजन में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में माई बलविंद्र कौर, बाबा दलशेर सिंह, ध्यान सिंह, रंगीला एवं पार्टी, प्रवीण सिंह, नरेंद्र कुमार, कोमल, गगन, पोला राम, जोगेंद्र भुना, मिश्रा, कली राम, सुमित्रा देवी, रानी देवी, संजीव कुमार, अमरजीत दास, गुलजार सिंह यादवेंद्र सिंह अंगोंध, कविता, अमृत, रिंकू, अजमेर दास, नरेश कुमार जेई, गेजी लाल, रमेश पाई, करण, रिंकू पंचकूला, दिलप्रीत कौर, राधिका नाभा, सतनाम नूरपुरिया एंड पार्टी, सोमपाल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। दूर-दराज से पहुंचे भक्तों ने भी महामाई का आशीर्वाद प्राप्त किया।

जिलाधिकारी ने जिले के पर्यटन स्थलों पर उपलब्ध सुविधाओं का किया अवलोकन और विकास की रणनीति पर मंथन



सीवान संवाददाता मसरूर अहमद

सिवान में आज दिनांक 18.10.2026 को जिले के विभिन्न प्रखंडों में स्थित पर्यटन स्थलों का अवलोकन श्री विजय प्रकाश मीणा, भा.प्र.से. जिलाधिकारी, सिवान ने किया।

इस अवलोकन का उद्देश्य जिले के पर्यटन स्थलों की स्थिति का आकलन और वहां के सुविधाओं में बढ़ोतरी की संभावनाओं तथा विकास के लिए रणनीति पर विचार मंथन करना रहा। इस दौरान जिले के वरीय पदाधिकारीगण सहित संबंधित प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा अंचलाधिकारी भी मौजूद रहे। अवलोकन के क्रम में जिले के पर्यटन स्थलों के प्रबंधकों ,प्रबंधकारिणी सदस्यों से जिलाधिकारी ने विस्तृत संवाद भी किया।

ज़िलाधिकारी ने सभी पर्यटन स्थलों पर पर्यटन स्थल का महत्व, उसका ऐतिहासिक महत्व, अभिलेखीय साक्ष्य, वहां उपलब्ध सुविधाओं तथा विकास की आवश्यकताओं, भूमि का विवरण, धार्मिक न्यास परिषद से मान्यता, कोई सरकारी योजना क्या पर्यटन स्थल पर संचालित है। लगभग कितने पर्यटक आते हैं पर्यटन स्थल के विकास की संभावना एवं अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों के साथ आकलन किया गया।

महाराजगंज के इंदौली गांव स्थित जरती माई मंदिर पर जिलाधिकारी जिले के पर्यटन स्थलों के अवलोकन के क्रम मे दूसरे दिन पहुंचे। जरती माई मंदिर वर्षों से आस्था का प्रबल केंद्र रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक तकरीबन 150 वर्ष पूर्व असम में यहां के एक प्रवासी झपसी भगत काम करते थे उनको मां कामाख्या देवी के प्रति विशेष आस्था थी। वे जब गांव आए तो उन्होंने यहां माता की पूजा को शुरू किया। 1996 में उसी स्थान पर मंदिर का निर्माण कराया गया।चैत्र और शारदीय नवरात्र के समय यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। यहां विविध मांगलिक आयोजन होते रहते हैं। जिलाधिकारी को अनुमंडल पदाधिकारी, महाराजगंज सहित अन्य प्रखंडस्तरीय पदाधिकारी तथा मंदिर समिति के सदस्यों ने मंदिर के व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी दिया और विकास की आवश्यकताओं के बारे में ध्यान आकृष्ट कराया।

जिलाधिकारी ने महाराजगंज अनुमंडल के बलिया पोखरा स्थित मां गढ़देवी मंदिर की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। मां गढ़देवी मंदिर वर्षों से जन आस्था का केंद्र रही है। स्थानीय लोग बताते है कि 1600 ईस्वी में दो राजाओं को माता के प्रति अगाध आस्था थी ।कुछ वर्षों पूर्व यहां नई मंदिर स्थापित किया गया लेकिन गढ़ देवी की पूजा यहां वर्षों से होती रही है। 2024 से इसे राजकीय महोत्सव का दर्जा मिलने के बाद इस मंदिर और मेले के आयोजन पर प्रशासन का विशेष ध्यान रहता है। स्थानीय प्रखंड के प्रशासनिक अधिकारियों और मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के सदस्यों से जिलाधिकारी ने मंदिर विकास की रणनीति पर विचार मंथन किया।

इसी क्रम मे बड़हरिया प्रखंड के कोइरी गांवा स्थित यमुनगढ़ भवानी मंदिर पहुंच , जिलाधिकारी ने वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। स्थानीय मान्यताओं के मुताबिक यह मंदिर हजारों वर्ष पुरानी है। इसका निर्माण कभी हथुआ के राजा ने करवाया था। यहां मकर संक्रांति के अवसर पर एक भव्य मेला लगता है। इस मंदिर के आस पास स्थित तालाब इसके प्राकृतिक सौंदर्य में जबरदस्त इजाफा करते हैं। स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी और मंदिर प्रबंधकारिणी सदस्यों से मंदिर एवं उसके आस पास के विकास की आवश्यकताओं और संभावनाओं पर जिलाधिकारी ने विस्तार से विचार विमर्श किया।

जिले के पर्यटन स्थलों के भ्रमण के दौरान उनके साथ जिला पंचायती राज पदाधिकारी सह विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय शाखा सिवान श्री बालेंदु नारायण पांडेय, प्रभारी जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री उपेंद्र कुमार यादव,वरीय उप समाहर्ता सह प्रभारी पदाधिकारी पर्यटन शाखा, श्रीमति नीलम कुमारी, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा कोषांग मिन्हाजुद्दीन, महाराजगंज अनुमंडल पदाधिकारी श्रीमति अनीता सिन्हा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी महाराजगंज,संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी, भवन निर्माण विभाग के अभियंता सहित अन्य संबंधित पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

विशाल मेला लगाने और निराश्रित गोवंश के समाधान जैसे मुद्दों पर पालिका की पहली बैठक आयोजित

प्रभु राम चौधरी बिजोवा

गंगापुर नगर पालिका में नवनिर्वाचित बोर्ड की साधारण सभा की पहली बैठक पालिका सभागार में आयोजित की गई बैठक प्रीति लखन काकानी की अध्यक्षता एवं विधायक लादु लाल पितलिया के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई बैठक में नव निर्वाचित पार्षदों का नगर पालिका स्टाफ द्वारा ऊपरना ओढ़ाकर स्वागत सम्मान किया गया बैठक में गंगापुर शहर से संबंधित कई प्रमुख बिंदुओं पर विचार विमर्श एवं निर्णय किया गया पालिका अध्यक्ष प्रीति काकानी ने सभी पार्षदों को विश्वास दिलाया कि बिना भेदभाव के सभी वार्डों में विकास कराया जाएगा काकानी ने कहा कि हम चुनाव जीत कर आए हैं जनता के प्रतिनिधि हैं कोई भी राजनीतिक तर्क - वितर्क यहां नहीं किया जायेगा केवल गंगापुर की जन समस्याओं के समाधान और विकास के मुद्दे पर ही बात की जाएगी

नगर पालिका द्वारा परंपरागत रूप से आयोजित किए जाने वाला विशाल मेला बैठक का मुख्य बिंदु रहा पार्षद राम प्रसाद माली ने कहा कि जन भावनाओं को देखते हुए विशाल मेला लगाया जाना अति आवश्यक है मेले में हजारों लोग



व्यापार करते हैं आम जन आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी करते हैं और मनोरंजन की दृष्टि से भी मेला लगाए जाना अति महत्वपूर्ण है गंगापुर में ग्वालियर समय से ही मेला लगाया जाता रहा है सभी पार्षदों ने माली द्वारा मेला लगाए जाने के मुद्दे पर सर्वसम्मति से समर्थन किया विधायक ने भी अधिशासी अधिकारी भानु प्रताप को मेले में अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित करते हुए मेला लगाने के निर्देश दिए पार्षद कृष्ण गोपाल जिनगर ने पट्टों की पेंडेंसी समाप्त करने की बात कही सरकार द्वारा लगाए गए सेतु शिविर की प्रगति रिपोर्ट भी मांगी गई

विधायक ने सरकारी जमीनों पर अवैध रूप से कब्जा करने वाले भूमाफियाओ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए पार्षद सुमेर सिंह ने रायपुर रोड को जल्द बनाने की बात कही नगर पालिका उपाध्यक्ष रश्मि चौहान ने शहर में बालक - बालिकाओं की शिक्षा पर जोर देते हुए ई लाइब्रेरी बनाने का सुझाव दिया

शहर में अत्यधिक मात्रा में बढ़ती निराश्रित गोवंश की समस्या के विषय पर पार्षद राम प्रसाद माली ने कहा कि अभियान चलाकर समस्त गोवंश को पालिका द्वारा संचालित गौशाला एवं अन्य गौशालाओं में शिफ्ट किया जाना चाहिए पालिका अध्यक्ष काकानी ने कहा कि शहर के सभी गोपालको को पाबंद करें कि अपने-अपने गोवंश अपने निजी स्थान में रखें और जो गोपालक अपने गोवंश को शहर की सड़कों पर छोड़ता है उससे जुमार्ना वसूला जाए शहर में अनेक बार गोवंश की वजह से कई दुर्घटनाएं हो चुकी है

सरगम सोसाइटी ने चंडीगढ़ संगीत नाटक अकादमी के सहयोग से संगीत कार्यक्रम "महफिल-ए-म्यूजिक" का आयोजन किया



चंडीगढ़ (अमरपाल नूरपुरी): पवित्र नवरात्रों के अवसर पर कार्यक्रम की शुरूआत माता रानी के दो भक्ति गीतों "मेरे कंठ बसो महारानी" और "जगदीश्वरी सर्वेश्वरी" से हुई, जिन्हें सुप्रसिद्ध गायिका डॉ. कोमल चुघ ने बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत किया। इसके बाद, सुशील नागपाल ने जगजीत सिंह का एकल गीत "कौन आएगा यहाँ" गाया। उन्होंने प्रियंका के साथ मिलकर दो युगल गीत "गम का खजाना तेरा भी है मेरा भी" और "पहले तो अपने दिल की लगी जान जाइये" गाकर उनके साथ पूरा न्याय किया। प्रियंका ने चित्रा सिंह का एकल गीत "कभी तो खुल के बरस" भी बड़ी खूबसूरती से गाया।

चंडीगढ़ संगीत नाटक अकादमी, चंडीगढ़ (CSNA), प्रसिद्ध पंजाबी लोक गायिका और अकादमी की अध्यक्ष डॉ. सुखमिंदर कौर बराड़ (जिन्हें 'सुखी बराड़' के नाम से जाना जाता है) के नेतृत्व में युवा गायन प्रतिभाओं को तराशने का काम कर रही है। इसी क्रम में अकादमी द्वारा प्रशिक्षित गायिका सुखमनी ने "मंजिल ना दे चिराग ना दे हौसला तो दे" गाकर अपनी प्रस्तुति दी। इसके बाद एक और प्रतिभाशाली गायिका जसरीत ने "वो कागज की कश्ती, वो बारिश का पानी" गाया। अकादमी की ही प्रशिक्षित गायिका ममता गैरी चावला ने "तुम को देखा तो ये ख्याल आया" गाकर अपनी गायन कला का प्रदर्शन किया।

बहुत ही कम समय में संगीत प्रेमियों का ध्यान अपनी ओर खींचने वाली किशोर गायिका नैन्सी ने लता मंगेशकर की प्रसिद्ध गजल "रस्म-ए-उल्फत को निभाएं तो निभाएं कैसे" गाकर सभी को बेहद प्रभावित किया।

आयोजकों की इस पहल की सराहना करते हुए, मुख्य अतिथि सुरिंदर वर्मा, अध्यक्ष, सिटीजन अवेयरनेस ग्रुप, ने कहा, संगीत एक ऐसा शाश्वत पुल है जो दिलों, भावनाओं और पीढ़ियों को आपस में जोड़ता है। लता मंगेशकर जी की मधुर धुनें और जगजीत सिंह जी की रूह को छू लेने वाली गजलें भारत की संगीत विरासत का एक अमूल्य हिस्सा हैं। ऐसी संगीतमय शामें न केवल इन महान कलाकारों को श्रद्धांजलि देती हैं, बल्कि उनकी कभी न भूलने वाली विरासत को युवा पीढ़ियों के लिए भी जीवित रखती हैं। 'महफिल-ए-म्यूजिक' भारतीय संगीत की समृद्धि और इसे अमर बनाने वाली भावनाओं का उत्सव मनाने की एक बेहद खूबसूरत पहल है।

पंचायत राज चुनाव 2026: प्रत्याशी चयन को लेकर टोंक जिला कांग्रेस कमेटी की अहम बैठक आज

अजय राज

टोंक` आगामी पंचायत राज चुनाव 2026 में जिला परिषद व पंचायत समिति प्रत्याशियों के चयन को लेकर सोमवार दोपहर 12 बजे जिला कांग्रेस कार्यालय टोंक पर एक महत्वपूर्ण बैठक होगी। इसमें मुख्य रूप से झुंझुनू सांसद व जिला चुनाव पर्यवेक्षक बृजेन्द्र सिंह ओला, आमेर विधायक व जिला संगठन प्रभारी प्रशांत शर्मा तथा सह-प्रभारी डॉ. सुमित गर्ग मौजूद रहकर चुनावी रणनीति तैयार करेंगे और स्थानीय नेताओं की नब्ज टटोलेंगे। बैठक में जिले के समस्त सांसद, विधायक, विधायक प्रत्याशी, पीसीसी सदस्य, जिला पदाधिकारी, ब्लॉक व मंडल अध्यक्ष, अग्रिम संगठनों, प्रकोष्ठों व विभागों के जिला अध्यक्ष तथा विधानसभा प्रभारी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे। जिला कांग्रेस कमेटी के अनुसार चुनाव से ठीक पहले हो रही इस बैठक में आपसी तालमेल बिठाकर एकजुटता के साथ मैदान में उतरने का रोडमैप तैयार किया जाएगा

ब्राह्मण से दलित तक सभी भारतीयों के पूर्वज एक...

BHU के जीन वैज्ञानिक प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे ने DNA शोध के आधार पर किया दावा

डॉ उदय शंकर भगत



वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय इलव के प्रख्यात जीन वैज्ञानिक प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे ने भारतीयों की आनुवंशिक उत्पत्ति और आर्य-द्रविड़ विभाजन से जुड़े प्रचलित सिद्धांतों पर सवाल उठाए हैं उन्होंने दावा किया कि भारत के विभिन्न जातीय और सामाजिक समुदायों के बीच गहरे आनुवंशिक संबंध हैं ब्राह्मण से लेकर दलित और जनजातीय समुदायों तक भारतीय आबादी का इतिहास साझा पूर्वजों से जुड़ा हुआ है प्रो. चौबे शुक्रवार को बीएचयू के महिला महाविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की ओर से आयोजित भारतीय उपमहाद्वीप की सदियों पुरानी थ्योरीज को डीएनए रिसर्च कैसे बदल रहा है विषयक व्याख्यान में बोल रहे थे व्याख्यान के दौरान प्रो. चौबे ने हार्वर्ड के शोधकताओं से जुड़े एएनआई आनेस्ट्राल नार्थ इंडियन और एएसआई आनेस्ट्राल साउथ इंडियन आनुवंशिक मॉडल की आलोचना की।

माँ कालरात्रि से नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति की गुहार

डॉ उदय शंकर भगत



वाराणसी ' शारदीय नवरात्रि के सातवें दिन शनिवार को काशी के प्राचीन मां कालरात्रि मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी विश्वनाथ मंदिर के पीछे कालका गली में स्थित मंदिर में भोर से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया भक्तों ने मां के चरणों में गुड़हल के फूल लाल चुनरी नारियल फल मिष्ठान सिंदूर और रोली अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की मान्यता है कि मां कालरात्रि की आराधना से भय संकट और नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति मिलती है मंदिर के प्रधान महंत पं. सुरेंद्र तिवारी ने बताया कि मां कालरात्रि काशी की अधिष्ठात्री देवियों में से एक हैं और उनका उल्लेख काशी खंड में मिलता है मान्यता है कि भगवान शिव से रुष्ट होकर माता पार्वती ने यहां आकर सैकड़ों वर्षों तक कठोर तपस्या की थी उन्होंने कहा कि सच्ची श्रद्धा से मां की आराधना करने वाले भक्तों को उनके रौद्र और ममतामयी दोनों स्वरूपों का अनुभव होता है।

कुंदन इंटरनेशनल स्कूल ने ह्यके आई एस कलर्स 2026' के साथ मनाया 20वां स्थापना दिवस



चंडीगढ़ (अमरपाल नूरपुरी): कुंदन इंटरनेशनल स्कूल, सेक्टर-46, चंडीगढ़ ने अपना 20वां स्थापना दिवस के आई एस कलर्स 2026 के साथ उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर रचनात्मकता, सांस्कृतिक विरासत, विद्यार्थियों की उपलब्धियों और समग्र शिक्षा की भावना का सुंदर संगम देखने को मिला। ह्यबचपन के रंगह्ल विषय पर आधारित समारोह में हर बच्चे की विशिष्ट पहचान, भावनाओं, आकांक्षाओं और प्रतिभा को दशार्या गया।

समारोह में हरियाणा क्षेत्र के मुख्य आयकर आयुक्त जसप्रीत सिंह मिन्हास (आईआरएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर श्री कुंदन लाल ट्रस्ट के ट्रस्टी, गणमान्य व्यक्ति, अभिभावक और पूर्व विद्यार्थी भी मौजूद रहे। ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल बेंगलुरु से ऑनलाइन समारोह में शामिल हुए।

स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं श्री कुंदन लाल ट्रस्ट के ट्रस्टी राजेश टुटेजा और प्रिंसिपल योगेश जाडली ने अतिथियों का स्वागत किया। वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रिंसिपल ने स्कूल की शैक्षणिक उपलब्धियों, महत्वपूर्ण पड़ावों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि जसप्रीत सिंह मिन्हास ने समारोह की विषयवस्तु और कबीर के जीवन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति की सराहना की।

सेक्टर 46 में होगा भव्य दशहरा आयोजन- राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया होंगे मुख्य अतिथि



चंडीगढ़ (अमरपाल नूरपुरी) : श्री सनातन धर्म दशहरा कमेटी, सेक्टर-46, चंडीगढ़ की ओर से हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा पर्व धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। सेक्टर 46 स्थित सब्जी मंडी वाले ग्राउंड में 20 अक्टूबर को आयोजित होने वाले 29वें दशहरा महोत्सव में 106 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया जाएगा। रथ पर सवार रावण की घूमती गर्दन और चेहरा, नाभि से निकलने वाली अमृत कुंड की धारा तथा आंखों से निकलने वाले आग के अंगारे इस बार के आयोजन के मुख्य आकर्षण होंगे। इसके अलावा सोने की लंका का दहन भी दर्शकों के लिए खास आकर्षण रहेगा।

इस भव्य आयोजन को लेकर रविवार को श्री सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-46 में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान कमेटी के मुख्य संरक्षक एवं चेयरमैन जतिंदर भाटिया, प्रधान नरिंदर कुमार भाटिया, महासचिव सुशील सोवत तथा कमेटी के अन्य सदस्यों ने आयोजन की तैयारियों और कार्यक्रमों की जानकारी दी।

नशामुक्त चंडीगढ़ का संदेश देगा दशहरा महोत्सव -

कमेटी के मुख्य संरक्षक एवं चेयरमैन जतिंदर भाटिया ने बताया कि चंडीगढ़ के प्रशासक की ओर से 'नशामुक्त चंडीगढ़' को लेकर चलाई जा रही मुहिम के तहत लोगों, विशेषकर युवा पीढ़ी को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

इसके लिए प्रतीकात्मक रूप से नशे के पुतले का दहन किया जाएगा, ताकि समाज को नशे जैसी बुराई से दूर रहने का संदेश दिया जा सके। उन्होंने कहा कि श्री सनातन धर्म दशहरा कमेटी की ओर से तैयार किए जाने वाले रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले हर वर्ष चंडीगढ़, पंचकूला और मोहाली सहित पूरे ट्राइसिटी के लोगों के आकर्षण का केंद्र रहते हैं।

चेन्नई के शतरंजी वर्चस्व को मात सनबीम लहरतारा ने रचा राष्ट्रीय इतिहास

डॉ उदय शंकर भगत



वाराणसी। ज्ञान संस्कृति और परंपरा की नगरी काशी ने अब शतरंज की राष्ट्रीय बिसात पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहरा दिया है सनबीम लहरतारा के अंडर-17 बालक वर्ग ने सीबीएसई राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप 2026 में चैंपियन बनकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है पंजाब के जालंधर स्थित ला ब्लॉसम्स स्कूल में 14 से 18 अक्टूबर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में मिली यह शानदार जीत इसलिए भी विशेष है क्योंकि इसने वर्षों से राष्ट्रीय शतरंज में अपना दबदबा बनाए रखने वाले चेन्नई के विद्यालयों विशेषकर वेलाम्मल स्कूलों की वर्चस्वशाली परंपरा को चुनौती देते हुए नया इतिहास रचा है चेन्नई लंबे समय से भारत को अनेक ग्रैंडमास्टर और विश्वस्तरीय शतरंज प्रतिभाएँ देने के लिए जाना जाता रहा है ऐसे प्रतिस्पर्धात्मक परिदृश्य में सनबीम लहरतारा के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय चैंपियन बनना केवल एक खेल उपलब्धि नहीं बल्कि वाराणसी की उभरती खेल प्रतिभा अनुशासन रणनीतिक कौशल और दृढ़ संकल्प का सशक्त प्रमाण है

अंडर-17 राष्ट्रीय चैंपियन टीम के सदस्य हैं प्रखर त्रिपाठी कक्षा -उ अर्णव अग्रवाल कक्षा -उ माज इकबाल कक्षा -उ अजय पार्वथा रेड्डी कक्षा -ऊ और श्रेयांश सिंह कक्षा क-ऋ श्रेयांश सिंह ने बोर्ड विनर का सम्मान प्राप्त कर इस उपलब्धि को और गौरवपूर्ण बनाया इसी प्रतियोगिता में सनबीम लहरतारा की अंडर-11 बालक टीम ने भी सराहनीय प्रदर्शन करते हुए द्वितीय उपविजेता सेकंड रनर्स-अप का स्थान प्राप्त किया। इस टीम में हर्ष खेतान कक्षा श्क्क-अ रुद्र प्रताप श्रीवास्तव कक्षा श्क्क-इ अद्विक केशरी कक्षा श्क्क-उ पार्थ टिकमानी कक्षा VI-A और धैर्य सिंघल कक्षा VI-A शामिल रहे प्रतियोगिता में विद्यालय की टीम के प्रबंधक संजय सिंह ने खिलाड़ियों के साथ समन्वय और प्रतियोगिता संबंधी व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई यह विजय सनबीम लहरतारा की खेल संस्कृति विद्यार्थियों की निरंतर साधना प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन और विद्यालय के खेल-केंद्रित दृष्टिकोण का परिणाम है। राष्ट्रीय स्तर पर चेन्नई के स्थापित शतरंज केंद्रों के बीच अपनी पहचान बनाना वाराणसी के लिए विशेष गर्व का विषय है। यह उपलब्धि पूर्वांचल के युवा खिलाड़ियों को भी संदेश देती है कि इच्छाशक्ति सही मार्गदर्शन और निरंतर अभ्यास से राष्ट्रीय मंच पर सर्वोच्च स्थान हासिल किया जा सकता है सनबीम लहरतारा की यह ऐतिहासिक जीत काशी के गौरव में एक नया अध्याय जोड़ती है अब शतरंज की बिसात पर भी वाराणसी अपनी निर्णायक चाल चल रहा है।

बालिकाओं की प्रतिभा और आत्मविश्वास को मिला मंच कबड्डी व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दिया सशक्तिकरण का संदेश



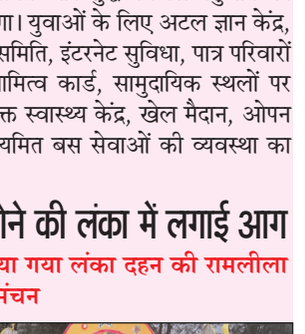
डॉ उदय शंकर भगत

वाराणसी बच्छाव ' अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर आज सृजन सेवा ट्रस्ट लठियां बच्छाव वाराणसी एवं महिला किशोरी संगठन के संयुक्त तत्वावधान में बच्छाव पंचायत भवन पर महिला-किशोरी अभिमुखीकरण सह अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं किशोरियों में शिक्षा समानता आत्मविश्वास नेतृत्व क्षमता और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना तथा बालिकाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करना था

कार्यक्रम के दौरान किशोरियों ने कबड्डी प्रतियोगिता नुक्कड़ नाटक भाषण एवं समूह नृत्य जैसी विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भागीदारी की इन प्रस्तुतियों के माध्यम से किशोरियों ने अपनी खेल प्रतिभा रचनात्मकता और अभिव्यक्ति कौशल का प्रदर्शन किया नुक्कड़ नाटक एवं भाषण के माध्यम से बालिका शिक्षा लैंगिक समानता बालिकाओं के अधिकार और समाज में उनकी भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता का संदेश दिया गया कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य काशी विद्यापीठ ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि प्रवेश पटेल बच्छाव ग्राम प्रधान रामचरित्र पटेल बेटाबर ग्राम प्रधान हरिश्चंद्र कुरुहुवा ग्राम प्रधान रमेश पटेल सहित राधेश्याम यादव ललिता सुनीता रजनी समेत सैकड़ों महिला किशोरियों की भागीदारी रही कार्यक्रम में विश्व ज्योति संचार से शमीर्ला वाराणसी प्रोविन्स ऑफ आई एम एस से रचना सौहार्द से ऊदल यूनिटी फाउंडेशन से कन्हैया लाल सृजन सेवा ट्रस्ट से प्रियंका बिंदु कुमारी नेहा की की सहभागिता कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि बालिकाओं को समान अवसर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुरक्षित वातावरण और निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्रदान करके ही एक सशक्त एवं समतामूलक समाज का निर्माण किया जा सकता है किशोरियों की सक्रिय भागीदारी ने यह स्पष्ट किया कि उचित अवसर और प्रोत्साहन है ।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कार्यकताओं को दिया जीत का मंत्र

निकाय चुनाव में मिली प्रचंड जीत की ऊर्जा के साथ पंचायत चुनाव में जुटें कार्यकर्ता



बांसवाड़ा, मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को बांसवाड़ा में भाजपा कार्यकताओं के साथ संवाद किया और निकाय चुनावों में मिली प्रचंड जीत की ऊर्जा के साथ पंचायत चुनावों में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अब पंचायत चुनाव के जरिए ग्रामीण राजस्थान में सुशासन, विकास और अंत्योदय के संकल्प को और मजबूत करना है। उन्होंने कार्यकताओं से ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक जनसंपर्क करने, आमजन की आकांक्षाओं को समझने तथा पात्र व्यक्तियों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा केवल चुनाव के समय सक्रिय रहने वाली पार्टी नहीं है, बल्कि यह वर्षभर जनता के बीच रहकर उनके सुख-दुख में साथ निभाने वाले कार्यकताओं का संगठन है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश को समृद्ध और सशक्त बनाने के संकल्प के अनुरूप राज्य सरकार राजस्थान के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश में भाजपा ने 204 निकायों में बोर्ड बनाकर ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। जयपुर सहित प्रदेश के 10 बड़े नगर निगमों में से 9 में भाजपा के महापौर बने हैं। वहीं, बांसवाड़ा के 3 में से 2 निकायों में भाजपा का बोर्ड बना है, जबकि डूंगरपुर के दोनों निकायों में भाजपा ने जीत दर्ज की है।

उन्होंने ग्राम विकास संकल्प पत्र-2026 का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार गांवों को सुविधा सम्पन्न और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। आगामी 5 वर्षों में प्रत्येक ग्राम पंचायत में औसतन 5 करोड़ रुपये के विकास कार्य कराने, 19 हजार किलोमीटर मिसिंग-लिंक सड़कों के निर्माण के लिए 9 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च करने तथा ग्रामीण परिवारों तक नियमित और शुद्ध पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य ग्रामीण विकास को नई दिशा देगा। युवाओं के लिए अटल ज्ञान केंद्र, किसानों के लिए ग्राम सेवा सहकारी समिति, इंटरनेट सुविधा, पात्र परिवारों को पक्के आवास, नए पट्टे एवं स्वामित्व कार्ड, सामुदायिक स्थलों पर सोलर लाइट, आपातकालीन सेवा युक्त स्वास्थ्य केंद्र, खेल मैदान, ओपन जिम और जिला मुख्यालयों तक नियमित बस सेवाओं की व्यवस्था का लक्ष्य रखा गया है।

हनुमान जी ने रावण की सोने की लंका में लगाई आग

श्री इंद्रकुटी हनुमान मंदिर पर किया गया लंका दहन की रामलीला का मंचन



जुरहरा, जिला डीग रेखचंद्र भारद्वाजः ऐतिहासिक नगरी डीग जिले में मेलों की नगरी कस्बा जुरहरा में चल रहे 18 दिवसीय रामलीला महोत्सव के दौरान कस्बे के इंद्रकुटी हनुमान मंदिर पर रविवार की देर शाम को लंका दहन की रामलीला का मंचन किया गया जहां हनुमान जी कर द्वारा रावण की सोने की लंका में आग लगा देने की लीला का मंचन किया गया।

रविवार की शाम को जुरहरा कस्बे के पुराने रामलीला मैदान से हनुमान जी की झांकी निकाली गई जो कि फालतू चौक, गंगा मंदिर, कलाकार मौहल्ला, पुरानी सब्जी मंडी, बस स्टैंड होते हुए कस्बे के श्री इंद्रकुटी हनुमान मंदिर पहुंची जहां पर लंका दहन की लीला का मंचन किया गया। रामलीला के दौरान माता सीता का पता लगाने के लिए समुंद्र लांघकर हनुमान जी लंका पहुंचते है और रास्ते में सुरसा नाम की राक्षसी उनका रास्ता रोकती है।

उसे यमपुरी पहुंचा कर हनुमान जी आगे लंका में प्रवेश करते है जहां पर उनकी भेंट रावण के छोटे भाई विभीषण से होती है जो उनके द्वारा उनके माता सीता के अशोक वाटिका में होने का समाचार दिया जाता है ।

उसके बाद हनुमान जी अशोक वाटिका में पहुंच कर माता सीता से मिलते है और भूख लगने के कारण फल खाने की इच्छा प्रगट करते है और हनुमान जी द्वारा रावण की अशोक वाटिका को उजाड़ देने का दृश्य दिखाया गया जिस पर क्रोधित होकर रावण में द्वारा मेघनाथ को भेजता है।

और मेघनाथ द्वारा हनुमान जी को बंदी बनाया जाता है रावण हनुमान जी को मृत्यु दंड देना चाहता था लेकिन विभीषण के समझाने पर हनुमान जी की पूंछ में आग गला दी जाती है जिसके बाद हनुमान जी द्वारा रावण की सोने की लंका में आग लगा दी जाती है रामलीला मंचन के दौरान सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

तीन जगद्गुरुओं संग संतों ने शंकराचार्य जी का दर्शन कर किया विमर्श

डॉ उदय शंकर भगत



वाराणसी ' वर्तमान समय में काशी में विराजे परमाराध्य परमधमार्धीश उत्तराम्नाय ज्योतिषपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामीश्रीः अविमुक्तेश्वरानंदः सरस्वती जी महाराज का परमपूज्य जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री श्री 1008 स्वामी श्री योगेश्वराचार्य जी पीठाधीश्वर अतुलेश्वर धाम इंद्रप्रस्थ जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री श्री 1008 स्वामी श्री अवधेशानंद जी महाराज पीठाधीश्वर ओम शांति धाम नई दिल्ली जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री श्री 1008 स्वामी सारंगधराचार्य पीठाधीश्वर सारंग मंदिर प्रयाग परम श्री वैष्णव स्वामी चंद्रप्रकाशाचार्य वैष्णव आश्रम मुंबई धमार्चार्य ओम प्रकाश पांडे एवं अनिरुद्ध रामानुज दास पंडित दिनेश शर्मा आदि संतों ने दर्शनभेंट कर शंकराचार्य से आध्यात्मिक विषयों पर विमर्श कर उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया एवं संतों ने इस पावन अवसर पर पूज्य शंकराचार्य को अंगवस्त्रमभगवान जगन्नाथ जी का महाप्रसाद तथा डॉ अंकिता द्वारा रचित सनातन शाश्वत नामक पुस्तक भेंट कर उनको सम्मानित कियासाथ ही श्रीविद्यामठ में उपस्थित सैकड़ो बटुको,विद्वानों तथा संतो को अंगवस्त्रम एवं भगवान जगन्नाथ जी का महाप्रसाद प्रदान किया गया ।

तत्पश्चात समस्त संतों ने एक स्वर से ज्योतिष्पीठाधीश्वर शंकराचार्य जी महाराज द्वारा धर्म एवं गौरक्षार्थ किए जा रहे संघर्षों का भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि धर्म सम्राट स्वामी करपात्री के पश्चात आपने धर्म एवं गौमाता के रक्षा हेतु विपरीत परिस्थितियों में सत्ता एवं अधर्मियों के धर्मविरुद्ध नीतियों के विरुद्ध परिणाम का परवाह किए बिना संघर्ष कर सनातनियों में जो अलख जगाई है वह वन्दनीय है।समस्त संत समाज आपके हर कदम पर आपके साथ है और आपके आह्वान करने पर हमलोग किसी भी तरह का बलिदान देने हेतु तत्पर हैं इस अवसर पर पूज्य शंकराचार्य ने संतों भक्तों को अपना आशीर्वचन प्रदान करते हुए कहा कि हम पद की शोभा बढ़ाने हेतु नही बल्कि धर्म की रक्षा हेतु शंकराचार्य बने हैं हमारे धर्म की मूल गौमाता की हत्या होती रहे धर्म की हानि होती रहे और मैं चुप रहूं तो हमारे रहने का तात्पर्य क्या रह जाएगा ?गौमाता एवं धर्म की रक्षा हेतु मैं हर संभव प्रयास करूंगा और इसके निमित्त जो भी बलिदान देना पड़े मै तैयार हूं हमारे जीवन में देवताओं एवं गुरुओं का बहुत महत्व है लेकिन फिर भी हमारे घर में पहली रोटी गौमाता हेतु निकाला जाता है।

संपादकीय

आम आदमी की थाली पर महंगाई का सर्जिकल स्ट्राइक 2026 !

वैश्विक स्तरपर महंगाई जब केवल आर्थिक आंकड़ों तक सीमित रहती है,थाली महंगी,बचत पर संकट और मध्यमवर्ग की बढ़ती बेचैनी,तब उसका प्रभाव बाजार की रिपोर्टों और सरकारी दस्तावेजों में दिखाई देता है,लेकिन जब वही महंगाई रसोई की चौखट पार करके आम आदमी की थाली, परिवार के मासिक बजट, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य खर्च और भविष्य की बचत पर चोट करने लगती है,तब वह केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक चुनौती बन जाती है। भारत में14 अक्टूबर को सामने आए थोक मूल्य सूचकांक(डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर के 11.39 प्रतिशत तक पहुंचने के दावे, सितंबर 2026 की महंगाई से जुड़े आंकड़ों ने इसी गंभीर परिस्थिति की ओर संकेत किया है। इसके पूर्व 13 अक्टूबर को जारी खुदरा महंगाई के आंकड़ों में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई दर बढ़कर 5.54 प्रतिशत पहुंचने और अभी थोक मूल्य सूचकांक ने आर्थिक बहस को तेज कर दिया है। यदि इन आंकड़ों की पुष्टि आधिकारिक मूल विज्ञप्तियों से होती है, तो यह स्थिति सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), उद्योग जगत और करोड़ों घरेलू उपभोक्ताओं के लिए गंभीर चिंता का विषय होगी।सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब रसोई का खर्च लगातार बढ़ने लगे, तो आम परिवार अपनी जरूरतों, इच्छाओं और बचत के बीच संतुलन आखिर कैसे बनाए?

साथियों बात अगर हम रसोई के बजट पर महंगाई का सीधा हमलाः इसको समझने की करें तो,शक्कर दालों से लेकर व प्याज से लेकर नींबू तक बढ़ती परेशानी भारतीय परिवारों के लिए रसोई केवल भोजन तैयार करने की जगह नहीं,बल्कि घरेलू अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। दाल, चावल, आटा, प्याज, आलू, लहसुन,अदरक, नींबू और खाद्य तेल जैसी वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का असर लगभग हर आय वर्ग पर पड़ता है।विशेष रूप से निम्न आय वर्ग और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए खाद्य पदार्थों की महंगाई अधिक कष्टकारी होती है, क्योंकि उनकी आय का बड़ा हिस्सा रोजमर्रा की जरूरतों पर खर्च होता है। प्याज की कीमतों में असामान्य वृद्धि की खबरें, लहसुन और अदरक के महंगे होते भाव तथा नींबू जैसी सामान्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतें घरेलू बजट को असंतुलित कर सकती हैं। शक्कर का खुदरा मूल्य 65 रुपये प्रति किलोग्राम बताए जाने का दावा भीउपभोक्ताओं की चिंता बढ़ाता है, हालांकि वास्तविक बाजार भाव शहर, गुणवत्ता और बिक्री केंद्र के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं।महंगाई का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यह है कि परिवारों को समान आय में पहले की तुलना में कम वस्तुएं खरीदनी पड़ती हैं। कोई परिवार फल खरीदना कम करता है,कोई दूध और पौष्टिक खाद्य पदार्थों की मात्रा घटाता है, तो कोई मनोरंजन, कपड़े और अन्य जरूरी खर्चों में कटौती करता है। इस प्रकार महंगाई केवल जेब खाली नहीं करती, बल्कि जीवन की गुणवत्ता और परिवार की आर्थिक सुरक्षा को भी सटीकता से प्रभावित करती है।

साथियों बात अगर हम खुदरा महंगाई 5.54 प्रतिशत , थोक महंगाई 11.39 प्रतिशतः अर्थव्यवस्था के लिए खतरे की घंटी? इसको समझने की करें तो, महंगाई के इन दोनों आंकड़ों को समझना आवश्यक है। खुदरा महंगाई बताती है कि उपभोक्ताओं द्वारा खरीदी जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में कितनी बदली हैं। दूसरी ओर, थोक महंगाई उत्पादकों और थोक बाजार में वस्तुओं की कीमतों में होने वाले बदलाव का संकेत देती है।सरकारीआंकड़ों के अनुसार,सितंबर 2026 में खुदरा महंगाई बढ़कर 5.54 प्रतिशत और थोक महंगाई बढ़कर 11.39 प्रतिशत हो गई, जबकि अगस्त में ये क्रमशः4.83 प्रतिशत और 9.92 प्रतिशत थीं। खुदरा महंगाई के आधिकारिक आंकड़े 12 अक्टूबर को जारी हुए और थोक महंगाई के आंकड़े 14 अक्टूबर को सामने आए। यहां एक महत्वपूर्ण बात समझनी होगी कि 11.39 प्रतिशत थोक महंगाई का अर्थ यह नहीं है कि बाजार की प्रत्येक वस्तु 11.39 प्रतिशत महंगी हो गई है। इसका अर्थ है कि थोक मूल्य सूचकांक में शामिल वस्तुओं के समग्र मूल्य स्तर में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में इतनी वृद्धि दर्ज हुई है। फिर भी, थोक महंगाई का लगातार ऊंचा रहना चिंता बढ़ाता है, क्योंकि इससे कंपनियों की उत्पादन लागत, परिवहन खर्च और व्यापारिक गतिविधियों पर दबाव पड़ सकता है। यदि कंपनियां इस अतिरिक्त लागत को उपभोक्ताओं तक पहुंचाती हैं, तो आने वाले महीनों में खुदरा बाजार में भी महंगाई का दबाव बढ़ सकता है।

गरीबी से मुक्ति और 2047 का विकसित भारत

आचार्य सी ए.,प्रा.,डॉ. शंकर घनशामदास अंदानी

वर्ष 2047 में भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा। विकसित भारत का सपना तभी सार्थक होगा, जब देश के प्रत्येक नागरिक को सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सस्ती स्वास्थ्य सेवाएँ और आजीविका के पर्याप्त अवसर मिलेंगे। गरीबी से मुक्ति केवल सरकारी सहायता देने का विषय नहीं, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर बनाने और विकास में भागीदार बनाने की प्रक्रिया है।

गरीबी में कमी : उपलब्धियाँ और वास्तविकता

नीति आयोग की जनवरी 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बहुआयामी गरीबी का अनुमानित अनुपात 2013-14 के 29.17 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 11.28 प्रतिशत हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि में लगभग 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए।

यह अनुमान स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन-स्तर से जुड़े संकेतकों पर आधारित है। इसे केवल आय के आधार पर मापी जाने वाली गरीबी के समान नहीं समझना चाहिए। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने अलग-अलग क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवारों तक सहायता और बुनियादी सुविधाएँ पहुँचाने का प्रयास किया है। इन पहलों का स्थायी प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि सुविधाएँ नियमित रूप से मिलें और उनकी गुणवत्ता बनी रहे।

रोजगार और आय है गरीबी उन्मूलन की कुंजी

गरीबी को स्थायी रूप से कम करने के लिए मुफ्त सुविधाओं के साथ नियमित रोजगार और पर्याप्त आय भी जरूरी हैं। कृषि क्षेत्र में सिंचाई, आधुनिक तकनीक, भंडारण और खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर किसानों की आय के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे उद्योग, डेयरी, हस्तशिल्प और स्वयं सहायता समूह रोजगार के नए रास्ते खोल सकते हैं।

शहरी क्षेत्रों में विनिर्माण, निर्माण, परिवहन, पर्यटन और डिजिटल सेवाओं में गुणवत्तापूर्ण रोजगार बढ़ाने की आवश्यकता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को आसान ऋण, तकनीकी प्रशिक्षण तथा बाजार उपलब्ध कराना भी महत्त्वपूर्ण है। युवाओं और महिलाओं को कौशल विकास तथा उद्यमिता से जोड़ने पर परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

2047 तक किन चुनौतियों पर ध्यान देना होगा?

महँगाई, अनियमित रोजगार, महँगा इलाज, शिक्षा का खर्च और सामाजिक असमानता अनेक परिवारों को आर्थिक संकट में डाल सकते हैं।

न्याय की चौखट पर सियासत और संवैधानिक मर्यादा का संकट

अशोक भाटिया



भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में 12 अक्टूबर 2026 की तारीख एक ऐसी असाधारण और चिंताजनक घटना के रूप में दर्ज हो चुकी है, जिसने संवैधानिक संस्थाओं के बीच पारस्परिक सम्मान की सीमाओं को पूरी तरह से धुंधला कर दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे ह्यस्पेशल इनटेंसिव रिवीजनह्ल की प्रक्रिया के खिलाफ विपक्ष के नेता राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन के तमाम शीर्ष नेताओं द्वारा सुप्रीम कोर्ट परिसर तक निकाला गया विरोध मार्च सिर्फ एक राजनीतिक प्रदर्शन नहीं था, बल्कि वह न्याय की सर्वोच्च देहरी पर जन-दबाव बनाने का एक ऐसा अभूतपूर्व प्रयास था, जिसकी अनुमति हमारा संवैधानिक ढांचा कभी नहीं देता। 15 अक्टूबर 2026 को इस संवेदनशील मामले पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने जो बेहद सख्त रुख अपनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि लोकतंत्र की आत्मा उसकी संस्थाओं की गरिमा और उनकी स्वतंत्रता में बसती है, न कि सड़कों पर उमड़ने वाली राजनीतिक भीड़ के कोलाहल में।

अदालत का सुनवाई के दौरान यह कहना कि ह्लहम आइवरी टावर (हाथीदांत के मीनारों) में नहीं बैठे हैं, हमें सब पता है कि बाहर क्या बयान दिए जा रहे हैं और कोर्ट के भीतर क्या कहा जा रहा हैह्व, देश के पूरे राजनीतिक नेतृत्व के लिए एक गंभीर और ऐतिहासिक चेतावनी है। जब देश का विपक्ष का नेता, जिसके पास कैबिनेट मंत्री का दर्जा होता है और जो संसद के भीतर देश की जनता की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है, स्वयं समर्थकों की भारी भीड़, नारेबाजी और हंगामे के बीच देश की सर्वोच्च अदालत की रजिस्ट्री में याचिका दाखिल करने पहुंचता है, तो यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या अब न्यायिक प्रक्रियाओं का फैसला भी सड़कों के संख्याबल से तय होगा? यह संपादकीय इसी गहरे और गंभीर संवैधानिक संकट का निष्पक्ष विश्लेषण करने का प्रयास है कि आखिर विपक्ष के इस कदम के पीछे की राजनीति क्या है, न्यायपालिका की चिंताएं कितनी जायज हैं और भारतीय लोकतंत्र को इस अभूतपूर्व संस्थागत टकराव से बचाने के लिए किस तरह के संतुलन की आवश्यकता है।

इस पूरे विवाद की जड़ें किसी न्यायिक फैसले या अदालती आदेश में नहीं, बल्कि देश की चुनावी प्रक्रिया की शुचिता से जुड़ी हैं। चुनाव आयोग द्वारा हाल ही में शुरू की गई ह्यस्पेशल इनटेंसिव रिवीजनह्ल की कवायद को लेकर गठबंधन और एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने गंभीर सवाल उठाए हैं। विपक्ष का मुख्य आरोप है कि इस विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के नाम पर देश भर में करीब 13 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए हैं। विपक्ष इसे ह्यवोटों की चोरीह्ल और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने की एक सोची-समझी राजनीतिक साजिश करार दे रहा है। इसी के विरोध में पिछले सप्ताह दिल्ली की सड़कों पर विपक्षी कार्यकर्ताओं द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए गए थे, जहां पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज ने आग में घी का काम किया था।

राजनीतिक रूप से चुनाव आयोग के फैसलों का विरोध करना और उस पर सवाल उठाना विपक्ष का न सिर्फ लोकतांत्रिक अधिकार है, बल्कि उसका कर्तव्य भी है। भारतीय चुनावी राजनीति में ईवीएम से लेकर मतदाता सूचियों में विसंगतियों के दावों तक, विपक्ष हमेशा से मुखर रहा है। इसी सिलसिले में जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव सहित 13 विपक्षी दलों के नेताओं ने एक संयुक्त रिट याचिका के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने का फैसला किया, तो देश को लगा कि यह लड़ाई अब पूरी तरह से कानूनी और संवैधानिक दायरे में लड़ी जाएगी। लेकिन, कानूनी याचिका दायर करने की सामान्य प्रक्रिया को जिस तरह से एक विशाल ह्यराजनीतिक जुलूसह्ल में तब्दील कर दिया गया, उसने इस कानूनी लड़ाई के वास्तविक उद्देश्य पर ही बड़े सवालिया निशान खड़े कर दिए।

12 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली के लुटियंस जोन में जो दृश्य दिखाई दिए, वे देश के न्यायिक इतिहास में बेहद दुर्लभ और विचलित करने वाले थे। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, विपक्षी दलों के सांसद, छात्र संगठन और समर्थक संसद मार्ग से होते हुए सुप्रीम कोर्ट परिसर की ओर बढ़े। हालांकि सुरक्षा कारणों से पुलिस ने भीड़ को रोकने की कोशिश की, लेकिन विपक्षी नेताओं का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल और समर्थकों की एक अनियंत्रित भीड़ सुप्रीम कोर्ट के भीतर स्थित ह्यफाइलिंग काउंटरह्ल तक पहुंच गई।एक ऐसे समय में जब कोर्ट की रजिस्ट्री अपने दैनिक कार्य को समेट रही थी, परिसर के भीतर अचानक पैदा हुए इस राजनीतिक कोलाहल, नारेबाजी और समर्थकों के हुजूम ने सुप्रीम कोर्ट के प्रशासनिक तंत्र को कुछ समय के लिए ठप कर दिया। इसके साथ ही, एक तकनीकी और कानूनी पहलू यह भी सामने आया कि इस संयुक्त याचिका में सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने 14 प्रक्रियात्मक खामियां पाई थीं। इनमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पहचान पत्र का धुंधला होना, जरूरी प्राधिकरण दस्तावेजों का गायब होना और यहां तक कि कोर्ट फीस में ?220 की कमी होना शामिल था। इन मामूली प्रक्रियात्मक त्रुटियों को दूर करने के बजाय, जिस तरह से नेताओं और कार्यकताओं की फौज ने रजिस्ट्री पर दबाव बनाने की कोशिश की, उसने देश के जागरूक वकीलों और नागरिकों को हैरान कर दिया। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन से जुड़े करीब 200 वकीलों ने तत्काल इस घटना का संज्ञान लिया और पत्र लिखकर इस बात पर गहरी चिंता जताई कि देश की सर्वोच्च अदालत को राजनीतिक शक्ति-प्रदर्शन का अखाड़ा बनाया जा रहा है।

जब यह पूरा मामला 15 अक्टूबर को सुनवाई के लिए आया, तो मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ का रुख बेहद कड़ा और मुखर था। कोर्ट ने दो अलग-अलग याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई की—पहली याचिका विपक्ष की वह मूल याचिका थी जिसमें चुनाव आयोग की रकफ प्रक्रिया को चुनौती दी गई थी; और दूसरी याचिका उन वकीलों की थी जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट परिसर के भीतर राजनीतिक रैलियों, नारेबाजी, और राजनीतिक प्रेस कॉन्फ्रेंस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की मांग की थी।अदालत ने दोनों मामलों को बेहद संतुलित लेकिन सख्त तरीके से संभाला। उखक सूर्यकांत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ह्लकोई भी बाहरी दबाव या भीड़ लाकर हमारी न्यायपालिका को डरा-धमका नहीं सकता।ह्व कोर्ट ने सीधे तौर पर याचिकाकर्ता राहुल गांधी के आचरण और उनके इरादों पर सवाल उठाए। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि विपक्ष की मुख्य याचिका पर विचार करना पूरी तरह से ह्यअनंतिमह्ल है, और राहुल गांधी को सबसे पहले 12 अक्टूबर को कोर्ट परिसर के भीतर और आसपास पैदा हुई अराजकता, भीड़ के प्रवेश और अव्यवस्था पर अपने आचरण की लिखित सफाई देनी होगी। इसके अलावा, कोर्ट ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों को आदेश दिया कि वे उस दिन की सभी सीसीटीवी और डिजिटल फुटेज को सुरक्षित रखें, ताकि यह जांचा जा सके कि इस राजनीतिक जुलूस के दौरान कोर्ट की सुरक्षा से क्या खिलवाड़ हुआ था

यह कानूनी टकराव अब एक ऐसे मुकाम पर पहुंच गया है जहां अदालत ने चुनाव आयोग , मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों (सुखबीर सिंह संधू व विवेक जोशी) को नोटिस जारी कर जवाब तो मांग लिया है—जो कि विपक्ष के लिए एक बड़ी वैधानिक राहत हो सकती थी—लेकिन जजों ने तुरंत स्पष्ट किया कि नोटिस जारी करने का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि अदालत ने नेताओं के इस आचरण या व्यवहार को स्वीकार या नजरअंदाज कर दिया है।

तो क्या अमित शाह के सवालों से बैकफुट पर है कांग्रेस

विवेक शुक्ला



मुख्य चुनाव आयुक्त को एसआईआर के बहाने हटाने की मुहिम कांग्रेस समेत कई विपक्षी पार्टियां लगातार चला रही हैं। खासकर राहुल गांधी काफी आक्रामक तेवर बनाए हुए हैं। वह अपने हर बयान में यह दावा कर रहे हैं कि बीजेपी को जनता नहीं चुनाव आयोग जितवा रहा है। वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त अपने पद का दुरुपयोग पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और संघ प्रमुख मोहन भागवत के लिए कर रहे हैं, हालांकि संघ का किसी भी चुनाव से कोई लेना देना नहीं होता, क्योंकि वह कोई राजनीतिक पार्टी नहीं है।

बीजेपी भी राहुल और उनकी पार्टी नेताओं के बयानों और तर्कों का लगातार जवाब दे रही है। लेकिन जब गृह मंत्री अमित शाह ने बीजेपी की ओर से मोर्चा संभाला और पुराने चुनावों का हवाला देते हुए कांग्रेस से पूछ लिया कि जब कई राज्यों में दशकों से कांग्रेस की सरकारें नहीं बनी है, तो मौजूदा एसआईआर और चुनाव आयोग पर उसका ठीकरा फोड़ने का क्या औचित्य है। शाह की बात कांग्रेस के नेताओं को चुभ गईऔर एक सुर से सभी बड़े कांग्रेसी अजब गजब तर्क देने लगे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने अमित शाह से यह आंकड़ा मांग लिया कि कितने घुसपैठियों की पहचान की गई है, उन्हें मतदाता सूची से हटाया गया है, या देश से बाहर निकाला गया है। पवन खेड़ा ने जंतर-मंतर पर भारी पुलिस बल की तैनाती पर सवाल खड़ा कर दिया। के सी वेणुगोपाल ने अमित शाह के बयान पर यह प्रतिक्रिया दी कि गृह मंत्री अभी से ही अगले चुनाव का परिणाम बता रहे हैं, जिससे साबित होता है कि बीजेपी चुनाव को प्रभावित करती है। पर किसी भी कांग्रेस के नेता ने अमित शाह के मूल सवालों का जवाब नहीं दिया। शाह ने सीधे आरोप लगाया कि राहुल गांधी घुसपैठियों को बचाने के लिए एसआईआर को खत्म करने की मांग कर रहे हैं।

बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने राहुल गांधी की हुड़दंग नीति की आलोचना करते हुए यह सलाह दी कि विरोध से पहले एक बार आत्मनिरीक्षण कर ले, कि कांग्रेस कब से चुनाव हार रही है। यदि काँग्रेस ईमानदार विश्लेषण करने की हिम्मत करे तो उसे समझ आ जाएगा कि उसकी लगातार पराजय का मूल कारण उसकी नीतियों और कार्यपद्धति में है ना कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में।

कांग्रेस को आम चुनाव में पूर्ण बहुमत मिले 42 साल हो गए। 1984 के आम चुनाव में काँग्रेस को 533 सीटों पर हुए चुनाव में 415 सीटें मिलीं थीं। तब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के कुछ समय बाद ही चुनाव हुआ था। उसके बाद से हुए सभी लोकसभा चुनाव में काँग्रेस बहुमत क्या उसके आस पास भी नहीं पहुँच सकी। 1984 के बाद 1991 तक राजीव गांधी के नेतृत्व में कॉंग्रेस ने लोकसभा के दो चुनाव लड़े, तब भी उसे बहुमत प्राप्त नहीं हुआ। 1999 के लोकसभा के चुनाव के आते-आते सोनिया गांधी ने कांग्रेस का नेतृत्व अपने हाथों में लिया और उस साल का चुनाव परिणाम काँग्रेस के लिए सबसे खराब रहा। 545 सीटों पर हुए चुनाव में काँग्रेस को केवल 114 सीटें मिलीं। केंद्र में अटल विहारी वाजपेयी की तब सरकार बनी थी। 2014 में भी सोनिया गांधी ही कॉंग्रेस का नेतृत्व कर रही थी और तब उस चुनाव का परिणाम कॉंग्रेस के लिए शर्मनाक था, लोक सभा में केवल 44 कॉंग्रेसी सांसद सदन में जीत कर आए थे। 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी काँग्रेस के सर्वोच्च नेता रहे, तब भी तो काँग्रेस का प्रदर्शन नहीं सुधरा। 2019 में 49 और 2024 के लोकसभा चुनाव में काँग्रेस के 99 उम्मीदवार ही सदन में पहुँच सके। जाहिर है कॉंग्रेस की इस दयनीय स्थिति के लिए एसआईआर को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि प्रक्रिया 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद ही शुरू हुई है।

अमित शाह का संदेश साफ था। वह काँग्रेस के नेता को यह बताना चाहते थे कि घमंड और परिवरवाद को भारतीय मतदाता पसंद नहीं कर सकते।

यह सच है कि कभी पूरे देश पर राज करने वाली कॉंग्रेस दो तिहाई हिस्से से गायब है। कुछ राज्यों में तो सत्ता से कॉंग्रेस को बाहर हुए कई दशक बीत गए। तमिलनाडु में कॉंग्रेस का मुख्यमंत्री बने 60 साल हो गए। पश्चिम बंगाल में 1970 के बाद फिर कभी कॉंग्रेस सत्ता में नहीं आई। उत्तरप्रदेश में भी अपने दम पर सरकार बनाए हुए कॉंग्रेस को लगभग 40 साल होने वाले हैं। गुजरात और उड़ीसा भी कॉंग्रेस का मुख्यमंत्री बने तीन दशक हो चुके। पूर्वोत्तर के राज्यों, दिल्ली और बिहार- झारखंड में भी कॉंग्रेस नेतृत्व देने में विफल रही है। कॉंग्रेस अपना ही चेहरा वास्तविकता के आईने में देखने के लिए तैयार नहीं हैं।

इसलिए जब गृह मंत्री अमित शाह ने जब कहा कि दिल्ली में कुछ हजार की भीड़ इकट्ठा करने से चुनाव नहीं जीता जा सकता, तो कॉंग्रेसी आग बबूले हो गए। गांवों, खेतों, कस्बों और दूर-दराज के इलाकों में लोगों तक पहुंचकर जनता की सेवा करने की शाह की सीख भी राहुल गांधी को पसंद नहीं आई। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी के उपचुनावों में कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई, इसका भी मलाल कॉंग्रेस नेतृत्व को नहीं हुआ। किसी ने भी अपने ऊपर हार की जिम्मेदारी नहीं ली। राहुल गांधी ने भी कोई जवाब नहीं दिया। लेकिन जनता का भरोसा जीतने के बजाए राहुल गांधी झूठ के शोर से सच्चाई पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें लगातार बीजेपी की जीत और अपनी हार नजर ही नहीं आ रही हैं। अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि कई महीनों से चुनाव आयोग और बीजेपी के खिलाफ बनावटी मुहिम का जनता ने ही जवाब दे दिया है। हाल के दिनों में हुए कई स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा ने फिर से जनता का आशीर्वाद प्राप्त किया है। गुजरात. राजस्थान और त्रिपुरा में निकाय और ग्राम समिति चुनावों में भाजपा के उम्मीदवार सफल रहे। तो बहुत साफ है कि कांग्रेस को फिलहाल अपनी गिरेबान में कायदे से देखने की जरूरत है।

लोकतांत्रिक विरोध और जनजीवन की दुश्वारियाँ

महेन्द्र तिवारी

दिल्ली का कनॉट प्लेस केवल एक बाजार नहीं है, बल्कि राजधानी की पहचान, आर्थिक गतिविधियों और सार्वजनिक जीवन का एक प्रमुख केंद्र भी है। यहाँ प्रतिदिन हजारों लोग खरीदारी करने, रोजगार के लिए, पर्यटन के उद्देश्य से और अपने दैनिक कार्यों के सिलसिले में आते हैं। इसकी दुकानों, भोजनालयों, छोटे प्रतिष्ठानों और रेहड़ी-पटरी पर सामान बेचने वाले लोगों की आजीविका काफी हद तक ग्राहकों की नियमित आवाजाही पर निर्भर करती है। ऐसे में जब इस क्षेत्र में बड़े विरोध प्रदर्शन होते हैं, सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाती है और आवागमन पर प्रतिबंध लगाए जाते हैं, तो उसका प्रभाव केवल यातायात तक सीमित नहीं रहता। वह कारोबार, रोजगार और सामान्य जनजीवन को भी प्रभावित करता है। अक्टूबर 2026 में कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में प्रस्तावित तिरंगा मार्च को लेकर उठा विवाद इसी व्यापक प्रश्न को सामने लाता है कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार और नागरिकों की आजीविका के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए।

16 अक्टूबर को कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के आह्वान पर कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में तिरंगा मार्च आयोजित करने की योजना थी। यह आयोजन पार्टी के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी के विरोध में बुलाया गया था। आयोजकों ने राष्ट्रीय ध्वज के साथ एकत्र होने का आह्वान किया था। इस घटनाक्रम के बीच नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने सेंट्रल पार्क को 16 और 17 अक्टूबर के लिए बंद रखने की सूचना जारी की। पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई और भीड़ तथा यातायात को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए। इस घटनाक्रम ने प्रशासन, प्रदर्शनकारियों और व्यापारिक संगठनों के बीच असहमति को सामने ला दिया।

कनॉट प्लेस में प्रदर्शन को लेकर व्यापारियों की चिंता का प्रमुख कारण त्योहारों का मौसम था। इस अवधि में बाजारों में ग्राहकों की संख्या बढ़ती है और अनेक दुकानदार पूरे वर्ष की कमाई का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा इसी समय अर्जित करते हैं। नई दिल्ली व्यापारी संघ ने राजनीतिक दलों और प्रदर्शन करने वाले समूहों से कनॉट प्लेस के बजाय अन्य स्थानों पर आयोजन करने की अपील की। व्यापारियों का कहना था कि लगातार प्रदर्शनों, मार्गों पर अवरोधों और भारी सुरक्षा व्यवस्था से ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित होती है। दुकानों के खुले रहने के बावजूद यदि लोग बाजार तक पहुँचने से बचें, तो दुकानदारों की बिक्री घट सकती है। इसका असर केवल दुकान के मालिक पर नहीं पड़ता, बल्कि वहाँ काम करने वाले कर्मचारियों, भोजन परोसने वालों, वाहन चालकों और छोटे विक्रेताओं की दैनिक आय पर भी पड़ता है।

व्यापारी संगठनों की ओर से न्यायालय में यह दावा किया गया कि प्रदर्शनों और संबंधित प्रतिबंधों के कारण प्रतिदिन 200 से 250 करोड़ रुपये तक के कारोबार पर असर पड़ सकता है। इस राशि को वास्तविक और स्वतंत्र रूप से सत्यापित नुकसान का आँकड़ा मानना उचित नहीं होगा, क्योंकि यह याचिकाकताओं की ओर से प्रस्तुत अनुमान था।

दोहरे मापदंड वाले संयुक्त राष्ट्र संघ को आईना दिखाता भारत

संजय सक्सेना

संयुक्त राष्ट्र की गिरती विश्वसनीयता और उसके दोहरे मापदंड आज वैश्विक राजनीति की सबसे तीखी बहसों में गिने जाते हैं। आलोचकों का कहना है कि यह संस्था ताकतवर देशों के दबाव में फैसले लेती है और कमजोर पड़ोसी के सवालों पर चुप हो जाती है। भारत के लिए यह शिकायत नई नहीं है। नई दिल्ली का मानना है कि जब भी देश के आंतरिक मामलों की बात आती है, यूएन के कुछ निकाय पूरी तस्वीर देखे बिना टिप्पणी करने में देर नहीं लगाते। ताजा विवाद विशेष प्रतिवेदक जीना रोमेरो की रिपोर्ट को लेकर है, जिस पर भारत ने बेहद सख्त जवाब दिया है।रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारत में मानसिक स्वास्थ्य और लैंगिक न्याय जैसे मुद्दों पर बोलने वाले युवाओं को प्रताड़ना और सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति के 81वें सत्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव अनुज स्वरूप ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उनके मुताबिक ये आरोप गुमनाम और अपुष्ट सूचनाओं पर टिके हैं। भारत का तर्क सीधा है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले देश के बारे में व्यापक और नकारात्मक निष्कर्ष केवल अज्ञात स्रोतों के भरोसे नहीं निकाले जा सकते। सवाल पद्धति का



है: जिस रिपोर्ट के स्रोत ही सार्वजनिक न हों, उसकी जांच कैसे होगी और उस पर भरोसा कैसे किया जाए? भारत सरकार की नजर में यह कोई अकेली घटना नहीं है। उसका कहना है कि बीते वर्षों में कई मौकों पर यूएन से जुड़े निकायों ने भारत के संप्रभु और संवैधानिक मामलों में दखल दिया। सबसे बड़ा उदाहरण नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का है। कानून पारित होने के बाद संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने सुप्रीम कोर्ट में हस्तक्षेप याचिका दायर की। भारत के विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा कि सीएए आंतरिक मामला है और संसद के संप्रभु अधिकार क्षेत्र में आता है। किसी विदेशी निकाय का इस पर कोई अधिकार नहीं बनता। किसी भी देश की न्यायपालिका और विधायिका के कामकाज में बाहरी संस्था का इस तरह उतरना कूटनीतिक मयार्दा के लिहाज से असामान्य माना गया।तीन कृषि कानूनों के खिलाफ चले किसान आंदोलन के दौरान भी यही सिलसिला दिखा। कई विशेष प्रतिवेदकों ने आंदोलनकारियों के पक्ष में बयान दिए और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की सरकारी कोशिशों पर सवाल उठाए। भारत का जवाब था कि उसके पास जीवंत लोकतंत्र है, जहां विवाद सुलझाने के लिए संसदीय, न्यायिक और संवाद के पर्याप्त रास्ते खुले हैं। इसलिए बाहरी संस्थाओं को उपदेश देने की जरूरत नहीं है। सरकार का यह भी कहना रहा कि हिंसा और देश-विरोधी गतिविधियों से निपटने के लिए कानून-सम्मत कदम उठाना हर लोकतांत्रिक सरकार का अधिकार और दायित्व है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने के बाद टकराव और तीखा हुआ।

अमेरिका में भारतीय निवेश 330 अरब डॉलर पार

एस्सार का 15 अरब डॉलर का इस्पात संयंत्र भी सूचीबद्ध

वाशिंगटन ।

व्हाइट हाउस ने अमेरिका में खरबों डॉलर के विदेशी निवेश की सूची जारी की है, जिसमें भारत 330 अरब डॉलर से अधिक के महत्वपूर्ण निवेश के साथ शीर्ष निवेशकों में शामिल हो गया है। इस सूची में भारत की दो प्रमुख प्रविष्टियां दर्शाई गई हैं, जो अमेरिका की अर्थव्यवस्था में उसके बढ़ते विश्वास को रेखांकित करती हैं। व्हाइट हाउस के यूट्यूब चैनल पर लगातार प्रदर्शित हो रही इस सूची में भारत का कुल निवेश 330 अरब डॉलर से अधिक दर्ज किया गया है, जिसमें 310 अरब डॉलर और 20.5 अरब डॉलर की दो अलग-अलग प्रविष्टियां शामिल हैं। इस सूची में आयोवा में एस्सार समूह के मेसाबी मेटालिक्स द्वारा घोषित 15 अरब डॉलर के इस्पात संयंत्र को भी प्रमुखता से दर्शाया गया है। व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर खरबों डॉलर के सुखद प्रवाह का स्वागत किया है। उल्लेखनीय है कि मार्च में रिलायंस इंडस्ट्रीज द्वारा टेक्सास में एक तेल रिफाइनरी स्थापित करने के लिए 300 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की गई थी, जिसे इस सूची में शामिल किया गया है। मई में, सिलेक्टयूएसए इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान भी भारतीय उद्योग जगत ने अमेरिका में 20.5 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई थी।

हल्दी की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल, सूखे और अल नीनो का असर

पिछले एक साल में 80 फीसदी की रिकॉर्ड बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

भारतीय रसोई का अहम हिस्सा, हल्दी की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। पिछले एक साल में 80 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी के साथ, हाजिर बाजार में यह 23,000 रुपए प्रति क्विंटल के पार बिक रही है, जबकि वायदा बाजार में यह 24,500 रुपए तक पहुंच गई है। इस अभूतपूर्व तेजी का मुख्य कारण मांग में तेजी और अल नीनो के कारण घटती आपूर्ति है। पिछले एक महीने में हल्दी के दाम 18 फीसदी से अधिक बढ़े हैं। किसान और स्टॉकिस्ट बेहतर दाम की उम्मीद में माल रोक रहे हैं, साथ ही पिछले सीजन के मुकाबले कैरी-फॉरवर्ड स्टॉक में 5 लाख बोरे की कमी भी एक कारण है। अल नीनो के प्रभाव से सूखे की स्थिति और फसल पर इसके प्रतिकूल असर की आशंका ने कीमतों को और भड़का दिया है। कर्नाटक में लगभग 13,446 हेक्टेयर हल्दी की फसल को नुकसान पहुंचा है, जिसकी कीमत 188.24 करोड़ रुपए आंकी गई है। महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु जैसे प्रमुख हल्दी उत्पादक क्षेत्रों में सूखे के कारण बुवाई का रकबा 20-30 फीसदी घट गया है, जिससे अगले साल उत्पादन में भारी गिरावट की आशंका है। वैश्विक बाजार में बढ़ती मांग के बावजूद, आपूर्ति की कमी से जुलाई 2026 में निर्यात 10 फीसदी घटा है, जो मौजूदा संकट को और गहरा रहा है। यह स्थिति उपभोक्ताओं और निर्यातकों दोनों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

एचडीएफसी ने पेश किया नया भारत इक्विटी ईटीएफ

एक निवेश में मिलेगी बाजार की डाइवर्सिटी

नई दिल्ली ।

एचडीएफसी म्युचुअल फंड ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर अपना नया एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ), एचडीएफसी एफटीएसई इंडिया इक्विटी ईटीएफ सूचीबद्ध कर दिया है। यह नया फंड निवेशकों को एक ही निवेश के माध्यम से भारतीय शेयर बाजार की कई प्रमुख कंपनियों में विविधीकृत एक्सपोजर हासिल करने का एक आसान तरीका प्रदान करेगा, जिससे उन्हें अलग-अलग शेयरों में निवेश की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। यह ईटीएफ एफटीएसई इंडिया इक्विटी इंडेक्स को ट्रैक करेगा, जो एफटीएसई इंडिया ऑल कैप इंडेक्स के कुल बाजार मूल्य का लगभग 90 फीसदी कवर करता है। इसका अर्थ है कि निवेशक विभिन्न आकार की भारतीय कंपनियों में अपना पैसा लगा सकेंगे, जिससे उनके पोर्टफोलियो में विविधता आएगी। एक ओपन-एंडेड ईटीएफ होने के नाते, इसका प्राथमिक उद्देश्य इंडेक्स के प्रदर्शन के करीब रिटर्न देना है, जिसमें शेयरों का चुनाव इंडेक्स के नियमों के आधार पर होगा।

एचडीएफसी के एक अे धिकारी ने इस अवसर पर कहा कि यह ईटीएफ ऐसे निवेशकों की जरूरत पूरी करेगा जो भारतीय शेयर बाजार की वृद्धि का लाभ आसान और पारदर्शी तरीके से उठाना चाहते हैं। इस लिस्टिंग के साथ, एचडीएफसी म्युचुअल फंड ने अपने पैसिव निवेश उत्पादों की श्रृंखला का विस्तार किया है।

शेयर बाजार शुरुआती गिरावट के बाद जोरदार तेजी से हुआ बंद

वैश्विक चिंताओं और महंगाई ने बढ़ाई निवेशकों की बेचैनी

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को खासा उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वैश्विक चिंताओं, विदेशी निवेश की निकासी और बढ़ती महंगाई के शुरुआती दबाव के बावजूद, बाजार ने मजबूत वापसी करते हुए सप्ताह का समापन बढ़त के साथ किया। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों सूचकांकों ने सप्ताह के अंत तक महत्वपूर्ण उछाल दर्ज की, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को भारी गिरावट के साथ हुई। वैश्विक चिंताओं, विदेशी निवेश की निकासी और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण सेंसेक्स 547 अंक से अधिक गिरकर 71,924 पर और निफ्टी 157 अंक फिसलकर 22,363 पर बंद हुआ। कमजोर निवेशक धारणा और मुद्रास्फीति की चिंताओं ने बाजार को और नीचे खींचा। हालांकि, मंगलवार को बाजार में जोरदार वापसी हुई। शुरुआती गिरावट के बावजूद सेंसेक्स 1,109 अंक उछलकर 73,033 पर और निफ्टी 358 अंक बढ़कर 22,721 पर बंद हुआ। रुपया भी डॉलर के मुकाबले मजबूत हुआ। बुधवार को एक बार फिर उतार-चढ़ाव का दौर देखा गया और सेंसेक्स 251 अंक गिरकर 72,781 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 22,688 पर रहा। इस दिन कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और विदेशी निवेश की लगातार निकासी ने बाजार पर दबाव बनाए रखा। सप्ताह के अंतिम दो दिनों में भारतीय शेयर बाजार ने ज़बरदस्त तेजी दर्ज की।

गुरुवार को बैंक, आईटी और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे प्रमुख शेयरों में भारी खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के चलते सेंसेक्स 1,533 अंक की विशाल बढ़त के साथ 74,315 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 374 अंक बढ़कर 22,997 पर बंद हुआ। यह तीन हफ्ते का उच्च स्तर था। शुक्रवार को भी यह तेजी जारी रही। आईटी शेयरों में जोरदार खरीदारी और मजबूत वैश्विक रुझानों के दम पर सेंसेक्स 413 अंक और निफ्टी 148 अंक की बढ़त के साथ क्रमशः 74,729 और 23,146 पर सप्ताह का समापन किया।

विदेशी मुद्रा भंडार में रिकॉर्ड गिरावट

- रुपए को बचाने के लिए आरबीआई की कवायद जारी

नई दिल्ली ।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार पांचवें हफ्ते बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 9 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.6 अरब डॉलर घटकर 726 अरब डॉलर रह गया। यह गिरावट मुख्य रूप से रुपये को डॉलर के मुकाबले अत्यधिक गिरने से बचाने के लिए आरबीआई द्वारा बाजार में लगातार डॉलर बेचने के कारण हुई है। गौरतलब है कि 4 सितंबर को 785.71 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने के बाद से पिछले पांच हफ्तों में विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 59.7 अरब डॉलर की भारी कमी आई है। विदेशी मुद्रा भंडार में इस बड़ी गिरावट की सबसे बड़ी वजह रुपये पर बना दबाव है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार ऊंची बनी हुई हैं, साथ ही विदेशी निवेशकों की बिकवाली और डॉलर की बढ़ती वैश्विक मांग के कारण रुपये पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की एक अर्थशास्त्री ने बताया कि आरबीआई ने इस सप्ताह के दौरान लगभग 9.8 अरब डॉलर बेचे, हालांकि विदेशी मुद्रा के मूल्य में बदलाव से कुछ हद तक कुल गिरावट कम रही। विदेशी मुद्रा भंडार के विभिन्न घटकों पर नजर डालें तो, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां 7.14 अरब डॉलर घटकर 597.61 अरब डॉलर रह गईं, जो कुल भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा है। इसके अलावा, सोने का भंडार भी 1.32 अरब डॉलर घटकर 105.09 अरब डॉलर पर आ गया।

हरियाणा में 4000 करोड़ का निवेश, स्वीडन यात्रा ने खोले नए द्वार

सीएम सैनी की पहल से व्यापार, रोजगार के अवसर सृजित

चंडीगढ़ ।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की हालिया स्वीडन यात्रा राज्य के लिए 4,000 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण निवेश प्रस्ताव लेकर आई है। हाल ही में जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, स्वीडिश कंपनियों के साथ आशय पत्रों (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए गए, जो हरियाणा और स्वीडन के बीच व्यापार, निवेश और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा देंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को चार दिवसीय यात्रा पर स्वीडन पहुंचा था। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य हरियाणा में विदेशी निवेश आकर्षित करना, वैश्विक औद्योगिक साझेदारियों को मजबूत करना और प्रौद्योगिकी तथा टिकाऊ विकास में सहयोग को बढ़ावा देना था। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यह यात्रा वैश्विक निवेश मानचित्र पर हरियाणा की स्थिति को और मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। यात्रा के दौरान गुरुग्राम और स्टॉकहोम के बीच एक ऐतिहासिक शहर-से-शहर सहयोग समझौता भी हुआ। इस समझौते के तहत दोनों शहर तकनीकी नवोन्मेष, स्मार्ट सिटी समाधान, टिकाऊ शहरी विकास, ज्ञान के आदान-प्रदान और निवेश प्रोत्साहन पर मिलकर काम करेंगे, जिससे दीर्घकालिक साझेदारी को बल मिलेगा। इसके अतिरिक्त, बयान में यह भी कहा गया कि खुदरा और भंडारण क्षेत्रों में 1,000 करोड़ रुपये के आशय पत्रों पर भी सहमति बनी है, जो राज्य में इन क्षेत्रों के विकास को गति प्रदान करेगा। यह पहल हरियाणा को वैश्विक मंच पर एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करती है।

लेंसकार्ट की चमक बरकरार, शेयर 43 फीसदी चढ़ा,निवेशकों ने की बंपर खरीदारी

म्युचुअल फंडों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सॉफ्टबैंक के सभी शेयर हाथों-हाथ खरीदे

नई दिल्ली ।

जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक द्वारा अपनी हिस्सेदारी कम करने के बावजूद, आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस पर निवेशकों का भरोसा अटूट बना हुआ है। मई 2026 में लॉक-इन अवधि समाप्त होने के बाद सॉफ्टबैंक और अन्य विदेशी प्राइवेट इक्विटी निवेशकों द्वारा बेचे गए सभी शेयरों को म्युचुअल फंडों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने हाथों-हाथ खरीद लिया है, जो कंपनी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और भविष्य की विकास संभावनाओं में गहरे विश्वास को दर्शाता है। आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट ने एक बार फिर निवेशकों का दिल जीत लिया है, जब जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक और अन्य विदेशी प्राइवेट इक्विटी निवेशकों ने अपनी हिस्सेदारी घटाई।

इन बड़े निवेशकों के बाहर निकलने के बावजूद, घरेलू म्युचुअल फंडों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने उनके बेचे गए सभी शेयरों को हाथों-हाथ खरीद लिया, जो कंपनी की मजबूत बुनियाद और आकर्षक भविष्य के प्रति उनके भरोसे को उजागर करता है।

सितंबर 2026 के आंकड़ों के अनुसार, एसबीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड लेंसकार्ट में सबसे बड़ा फंड निवेशक बनकर उभरा है, जिसके पास कंपनी की 3 फीसदी हिस्सेदारी है।

इसके बाद कोटक टेक्नॉलजी फंड (1.76 फीसदी) और एचएसबीसी मल्टी कैप फंड (1.34 फीसदी) का स्थान आता है।

निवेशकों के इस मजबूत भरोसे का असर शेयर बाजार में भी देखने को मिला है। शुक्रवार को लेंसकार्ट का शेयर 0.59 फीसदी की बढ़त के साथ 646.5 रुपये पर बंद हुआ। पिछले एक साल में कंपनी के शेयर में 43.4 फीसदी की शानदार तेजी आई है, जबकि इसी अवधि में निफ्टी 50 में 11.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

विश्लेषकों का मानना है कि लेंसकार्ट के शेयर की यह तेजी केवल बाजार के अत्यधिक उत्साह का परिणाम नहीं है, बल्कि यह कंपनी की कमाई में ठोस वृद्धि और भविष्य की मजबूत संभावनाओं को दर्शाती है। एक रिपोर्ट बताती है कि दिसंबर 2025 के बाद से शेयर का दो साल आगे का पीई मल्टीपल केवल 8 फीसदी बढ़ा है, जबकि वित्त वर्ष 2027-28 के लिए मुनाफे के अनुमानों को 27-30 फीसदी तक बढ़ा दिया गया है। कंपनी के नवीनतम वित्तीय परिणाम भी इस बात की पुष्टि करते हैं; जून तिमाही में लेंसकार्ट का राजस्व सालाना आधार पर 34 फीसदी बढ़कर 2,710 करोड़ रुपये हो गया।

इस प्रकार, सॉफ्टबैंक जैसे शुरुआती निवेशकों के बाहर निकलने के बावजूद, लेंसकार्ट अपने दमदार वित्तीय प्रदर्शन और आकर्षक विकास संभावनाओं के दम पर नए संस्थागत निवेशकों को लगातार आकर्षित कर रही है।

यह निवेशकों के बीच कंपनी की दीर्घकालिक क्षमता और बाजार में बढ़ती पकड़ में गहरे विश्वास को दर्शाता है, जिससे यह आने वाले समय में भी एक मजबूत और टिकाऊ खिलाड़ी बनी रहेगी।

कच्चे तेल में फिर भारी उछाल, ब्रेंट क्रूड 110 डॉलर के पार

हूती हमले और रूस-यूक्रेन युद्ध से वैश्विक आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेज उछाल दर्ज किया गया है। मई के बाद पहली बार ब्रेंट क्रूड का भाव 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया, जबकि अमेरिकी क्रूड में भी लगभग 4 फीसदी की तेजी आई है। वैश्विक आपूर्ति में जल्द सुधार की उम्मीदें कमजोर पड़ने और विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने ऊर्जा बाजार की चिंता बढ़ा दी है। तेल की बढ़ती कीमतों के पीछे कई कारण हैं। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के सऊदी अरब के तेल ठिकानों पर हमले और रूस-यूक्रेन युद्ध में ऊर्जा संयंत्रों व रिफाइनरियों को लगातार निशाना बनाए जाने से वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होने का खतरा मंडरा रहा



है। रूस की रियाजान तेल रिफाइनरी पर हमले के बाद परिचालन रोकना पड़ा, जिससे रूसी डीजल आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। काला सागर क्षेत्र में तनाव भी वैश्विक तेल एवं ईंधन आपूर्ति पर दबाव बनाए हुए है।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस का मुनाफा दूसरी तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली ।



बजाज हाउसिंग फाइनेंस का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़कर 757 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 643 करोड़ रुपये था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में उसकी कुल आय 18.3 प्रतिशत बढ़कर 3,251 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 2,748 करोड़ रुपये थी।बजाज हाउसिंग फाइनेंस की शुद्ध ब्याज आय सितंबर तिमाही में 10 प्रतिशत बढ़कर 1,055 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में 956 करोड़ रुपये थी। कंपनी की प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति (एयूएम) 30 सितंबर, 2026 तक 25 प्रतिशत बढ़कर 1.58 लाख करोड़ रुपये हो गई। पिछले साल इसी तारीख को यह 1.27 लाख करोड़ रुपये थी।

ट्रंप का यू-टर्न-रूसी तेल खरीदारों पर लगाए शुल्क तुरंत माफ

वाशिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर नए अमेरिकी कानून के तहत लगाए गए शुल्कों को तुरंत माफ कर दिया है, जिससे भारत और चीन जैसे प्रमुख आयातकों को बड़ी राहत मिली। यह फैसला 100 फीसदी शुल्क लागू होने से ठीक एक दिन पहले आया और अमेरिकी विदेश मंत्री की भारत यात्रा के मद्देनजर महत्वपूर्ण है। ट्रंप ने हाल ही में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिसमें लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शन्स रशिया एंड ईरान एक्ट 2026 को लागू किया गया था। इस कानून में रूसी तेल और गैस के शीर्ष पांच खरीदारों से आने वाले सामानों पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का प्रावधान था, जो 18 अक्टूबर को समाप्त हो रही समय-सीमा के बाद नई खरीद पर लागू होना था। यह कानून रूसी उत्पादों पर 500 फीसदी तक शुल्क का भी प्रावधान करता था। हालांकि, उसी आदेश की धारा 4 का उपयोग करते हुए ट्रंप ने इन सभी शुल्कों को तुरंत निलंबित कर दिया। उन्होंने लिखा, मैं ग्राहम एक्ट की धारा 112 और 113, या इस आदेश में बताए गए किसी भी शुल्क को लागू करने से छूट देता हूं (माफ करता हूं)। यह छूट तब तक प्रभावी रहेगी जब तक राष्ट्रपति या संबंधित मंत्री आगे कोई और कदम उठाने का निर्णय नहीं लेते। इस आदेश में किसी



देश का नाम नहीं लिया गया है, लेकिन इसका सीधा फायदा रूसी तेल के बड़े खरीदारों को मिला है।

यस बैंक एटी-1 बॉन्ड मामला- सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दो एमएफ ने निवेश रोका

कोटक और निप्पॉन लाइफ ने कुछ डेट फंडों में नए निवेश पर लगाई अस्थायी रोक

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा यस बैंक के अतिरिक्त टियर-1 (एटी-1) बॉन्ड को बहाल करने के फैसले के बाद, कोटक महिंद्रा एएमसी और निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट ने अपने कुछ डेट म्युचुअल फंड योजनाओं में नए निवेश पर अस्थायी रोक लगा दी है। यह कदम निवेशकों के हितों की सुरक्षा और पुरानी एनएवी में अचानक संभावित बढ़ोतरी के मद्देनजर उठाया गया है, ताकि नए निवेशकों के प्रवेश से पुराने निवेशकों के लाभ में कमी न आए। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के उस आदेश को बरकरार रखा है, जिसमें यस बैंक के इन बॉन्डों को बट्टे खाते में डालने के फैसले को रद्द किया गया था। इस फैसले से उन म्युचुअल फंड योजनाओं के नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) में बढ़ोतरी की उम्मीद है, जिनके पास ये बॉन्ड थे और जिनका मूल्य अभी तक शून्य माना गया था। कोटक महिंद्रा एएमसी ने कोटक मीडियम टर्म फंड और कोटक क्रेडिट रिस्क फंड में नए निवेश पर रोक लगाई है, जिनकी कुल परिसंपत्तियां 2,680 करोड़ रुपये हैं। इसी तरह, निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट ने भी अपने इंडिया रिटायरमेंट फंड की वेल्थ क्रिएशन और इनकम जेनरेशन योजनाओं में नया निवेश लेना बंद कर दिया है। फंड हाउसों ने यह एहतियाती कदम इसलिए उठाया है ताकि नए निवेशक, जो बढ़ी हुई एनएवी का लाभ उठा सकते हैं, उनके प्रवेश से पुराने निवेशकों को मिलने वाले संभावित लाभ में कमी न आए। फिलहाल, दोनों फंड हाउस सुप्रीम कोर्ट के फैसले की समीक्षा कर रहे हैं और बॉन्ड के सटीक मूल्यांकन को लेकर स्पष्टता का इंतजार है। मार्च 2020 में यस बैंक के पुनर्गठन के दौरान 8,415 करोड़ रुपये के इन एटी-1 बॉन्ड को बट्टे खाते में डाल दिया गया था, जिसे जनवरी 2023 में बॉम्बे हाई कोर्ट ने रद्द कर दिया था।

महंगाई ने फीकी की त्योहारों की मिठास, मिठाइयां 15 फीसदी तक महंगी

चीनी, दूध, मेवे और रसोई गैस महंगी; ग्राहक और दुकानदार दोनों परेशान

नई दिल्ली ।

इस त्योहारी मौसम में मिठाइयों की मिठास पर महंगाई का साया गहरा गया है। चीनी, दूध, मेवे और रसोई गैस सहित प्रमुख सामग्रियों की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण देश भर में मिठाइयों के दाम पिछले साल के मुकाबले औसतन 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं, जिससे ग्राहकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। त्योहारों का उत्साह जहां एक ओर बाजारों में रौनक ला रहा है, वहीं दूसरी ओर मिठाइयों की बढ़ती कीमतें उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा रही हैं। चीनी, दूध, मेवे और वाणिज्यिक एलपीजी सिलिंडर जैसे प्रमुख घटकों की लागत में अप्रत्याशित उछाल के कारण देश भर में मिठाइयों की कीमतें 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। उत्तर भारत की मावे वाली बर्फी से लेकर दक्षिण के लड्डू और कोलकाता के संदेश तक, हर लोकप्रिय मिठाई महंगी हुई है। मिठाई बनाने में सबसे अहम चीनी की कीमतें 3-4 महीने पहले के 44 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर अब 60 रुपये के पार पहुंच गई हैं। इसी तरह, गाय का दूध पिछले साल की तुलना में करीब 30 प्रतिशत महंगा होकर 42 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि असमान मॉनसूनी बारिश और पशु आहार की बढ़ती कीमतों के कारण दूध उत्पादन प्रभावित हुआ है, जिससे इसकी कीमतें ऊंची बनी रहेंगी।

मेवे, काजू और मक्खन जैसी सामग्री भी औसतन 15 प्रतिशत तक महंगी हुई हैं, जिसका एक कारण पश्चिम एशिया में युद्ध और बढ़ते कंटेनर भाड़े को बताया जा रहा है। इस बढ़ती लागत का असर मिठाई विक्रेताओं पर भी पड़ रहा है। उत्तरी कोलकाता में कुछ प्रतिष्ठान जैसे गिरीश चंद्र दे ऐंड नकुर चंद्र नंदी अभी भी लागत का बोझ खुद उठा रहे हैं, जबकि ओडिशा में मिठाइयों की खुदरा कीमतों में 25 से 30 रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि दर्ज की गई है।

सप्ताह भर में सोना 4,500, चांदी 13,500 सस्ती हुई

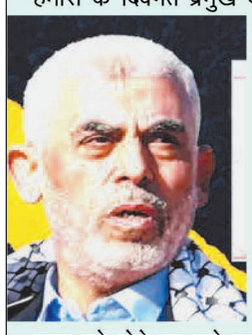
विशेषज्ञ बोले- सीमित दायरे में रहेगा कारोबार, कच्चे तेल पर रहेगी नजर

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सोना और चांदी के भाव स्थिर रहे, जिससे उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह के बाद निवेशकों को हल्की राहत मिली। हालांकि, भारतीय रुपए की लगातार मजबूती ने बहुमूल्य धातुओं में किसी बड़े सुधार की गुंजाइश को सीमित कर दिया, जहां 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,49,900 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2.15 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर टिकी रही। यह स्थिरता ऐसे समय में आई है जब सप्ताह भर में सोने की कीमतों में 4,500 रुपए (तीन प्रतिशत) की बड़ी गिरावट देखी गई, जबकि चांदी 13,500 रुपए (छह प्रतिशत) तक सस्ती हुई। बाजार विश्लेषकों के मुताे बिक धातुओं ने निचले स्तर से नुकसान की भरपाई करने का प्रयास किया, लेकिन रुपए की लगातार मजबूती ने इस सुधार को रोक दिया। रिजर्व बैंक के समर्थन से रुपया लगातार छठे कारोबारी सत्र में मजबूत हुआ, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे चढ़कर 94.92 पर बंद हुआ, जिसका सीधा असर बहुमूल्य धातुओं पर दिखा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 0.30 प्रतिशत बढ़कर 4,183.34 डॉलर प्रति औंस पर पहुंचा, जबकि चांदी लगभग एक प्रतिशत की बढ़त के साथ 57.80 रुपए प्रति औंस पर थी, जो घरेलू बाजार की स्थिरता से अलग रुझान दर्शाती है। अनुमान के मुताे बिक व्यापारियों के कच्चे तेल की कीमतों पर नजर रखे जाने के बीच सोने में हल्के तेजी के रुख के साथ एक सीमित दायरे में कारोबार की उम्मीद है। यह स्थिति निवेशकों को सतर्कता बरतने का संकेत दे रही है।

संक्षिप्त समाचार

यहूदियों को गोली मारना चाहता हूं, हमास के पूर्व चीफ के 10 साल के बेटे की चिट्ठी आई सामने

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल डिफेंस फोर्ब्स ने हमास के दिवंगत प्रमुख याह्या सिनवार के 10 साल के बेटे इब्राहिम का एक कथित लेटर साझा किया है, जिसने सनसनी फैला दी है। यह पत्र गाजा पट्टी में 2024 के दौरान इजरायली सैनिकों की तरफ से बरामद किया गया था। याह्या सिनवार के खात्मे के दो साल पूरे होने पर इसे सबूत के तौर पर जारी किया गया है। बता दें कि यह पत्र बच्चे ने अपने पिता याह्या सिनवार को युद्ध की शुरुआत में लिखा था। इसमें एक तरफ जहां पिता के लिए प्यार और जुदाई का दर्द झलकता है, वहीं दूसरी तरफ हिंसा और नफरत की बातें भी साफ नजर आती हैं। गौर करने वाली बात यह है कि लेटर में 10 साल के बच्चे ने लिखा है कि वह लगातार कागज और गत्ते से पिस्तौल, टैंक और राइफल बना रहा है। उसने लिखा है कि वह एक एके-47 कलाश्निकोव राइफल उठाकर यहूदियों पर गोली चलाना चाहता है। पत्र के अंत में बच्चे ने लिखा है, हे मेरे भगवान, मैं कामना करता हूं कि युद्ध समाप्त हो जाए और मैं आपको सुरक्षित देख सकूं। अल्लाह आपकी रक्षा करे, पिता जी। मैं चाहता हूं कि आप मेरे लिए दुआ करें। इसके साथ ही उसने पिता के गले मिलने और साथ सोने की इच्छा भी जताई है।



पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर भारत की दो टूक, यूएन में कहा- तुरंत रुकें जहाजों पर हमले

संयुक्त राष्ट्र , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा के दौरान भारत ने अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। भारत ने इस क्षेत्र में बढ़ते सैन्य तनाव को बेहद चिंताजनक करार देते हुए नागरिक बुनियादी ढांचों, कमर्शियल शिपिंग और खासकर भारतीय नाविकों पर हो रहे लगातार हमलों की कड़ी निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पार्वथानेनी हरीश ने गुरुवार को सुरक्षा परिषद की बहस में साफ कहा कि पश्चिम एशिया की सुरक्षा और स्थिरता भारत के लिए बेहद मायने रखती है। बहस के दौरान भारत का पक्ष रख रहे पार्वथानेनी ने रियाद और अन्य जगहों पर सऊदी अरब के नागरिक बुनियादी ढांचे और एयरपोर्ट्स पर हुए हमलों की निंदा की। उन्होंने कहा कि ये हालात बहुत चिंताजनक हैं, नागरिक बुनियादी ढांचे और जहाजों पर हमले तुरंत रुकने चाहिए। इन हमलों में एक भारतीय नागरिक मोहम्मद युसुफ अली की जान चली गई थी। भारत ने सऊदी अरब की संप्रभुता और उसकी सुरक्षा के प्रति पूर्ण एकजुटता व्यक्त की है।



रूस के कामचटका में लगे भूकंप के तेज झटके, जमीन से 152 किमी नीचे रहा केंद्र

मॉस्को, एजेंसी। रूस के सुदूर पूर्व में स्थित कामचाटका प्रायद्वीप इलाके में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 7 मापी गई। इस भूकंप का केंद्र जमीन से काफी नीचे यानी 152 किलोमीटर लगभग 94 मील की गहराई पर स्थित था। बता दें कि इतनी अधिक गहराई पर भूकंप आने के कारण अक्सर धरती की सतह पर होने वाले नुकसान का खतरा थोड़ा कम हो जाता है, फिर भी इतने बड़े झटकों से इलाके में हड़कंप मच गया। राहत की बात यह है कि अमेरिकी राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी, सलाह या खतरा नहीं है। यह भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 9:05 बजे आया। इसका केंद्र धरती से लगभग 152 किलोमीटर की गहराई में उत्तरी अक्षांश 52.068ए और पूर्वी देशांतर 157.164ए पर स्थित था। अलग-अलग एजेंसियों के अलग-अलग आंकड़े बता दें कि अलग-अलग वैश्विक निगरानी एजेंसियों के आंकड़ों में गहराई और तीव्रता में हल्का अंतर देखा गया।

सऊदी अरब में उड़ानों पर संकट; भारत ने उमरा यात्रियों की मदद के लिए मक्का में भी खोला कंट्रोल रूम, कहा-स्थिति जांचे बिना एयरपोर्ट न जाएं

दुबई, एजेंसी। भारत और सऊदी अरब के बीच उड़ानें प्रभावित होने के कारण वहां फंसे भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से उमरा यात्रियों की मदद के लिए भारत ने मक्का में एक अतिरिक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। जेद्दा स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने यह जानकारी दी। यमन के हूती विद्रोहियों की ओर से सऊदी अरब में असैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए कई घातक ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है, जिससे देशभर में उड़ानें प्रभावित हुई हैं। वाणिज्य दूतावास ने बुधवार को बताया कि नया नियंत्रण कक्ष मक्का स्थित भारतीय हज यात्री कार्यालय में स्थापित किया गया है और जेद्दा में पहले से मौजूद चौबीसों घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष भी अपनी सेवाएं जारी रखेगा।

इससे पहले मंगलवार को वाणिज्य दूतावास ने भारतीय नागरिकों, विशेष रूप से जेद्दा और मदीना आने-जाने वाले उमरा यात्रियों को सलाह दी थी कि वे अपनी विमानन कंपनियों के नियमित संपर्क में रहें और हवाई अड्डे के लिए रवाना होने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जरूर पता कर लें। उमरा इस्लाम की एक धार्मिक परंपरा है, जिसे साल में किसी भी समय किया जा सकता है, जबकि हज यात्रा साल में एक निश्चित समय पर होती है। उमरा के लिए श्रद्धालु सऊदी अरब के मक्का जाते हैं, जो इस्लाम का सबसे पवित्र शहर है। वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि मदद की जरूरत



होने पर भारतीय नागरिक मक्का स्थित नियंत्रण कक्ष से फोन के जरिए संपर्क कर सकते हैं। यात्रियों को उड़ानें रद्द होने, उनके समय में बदलाव, यात्रा के वैकल्पिक इंतजाम और जरूरत पड़ने पर ठहरने की व्यवस्था के लिए ट्रैवल एजेंट, टूर ऑपरेटर और उमरा सेवाएं देने वाली एजेंसियों के संपर्क में रहने की भी सलाह दी गई है।

वाणिज्य दूतावास ने बताया कि वह प्रभावित भारतीय नागरिकों की मदद के लिए विमानन कंपनियों और स्थानीय अधिकारियों के नियमित संपर्क में है। उड़ानों के संचालन से जुड़ी नयी जानकारी दूतावास के आधिकारिक सोशल मीडिया माध्यमों पर साझा की जाएगी। वाणिज्य दूतावास ने प्रभावित यात्रियों की मदद के लिए जेद्दा में भी चौबीसों घंटे काम करने वाला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया है। रियाद स्थित भारतीय दूतावास ने सऊदी अरब में रह रहे भारतीय नागरिकों को स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने, हवाई हमला होने की स्थिति में घरों के अंदर रहने और मौजूदा घटनाक्रम से जुड़े वीडियो या खबरें प्रसारित करने से बचने की बुधवार को सलाह दी। दूतावास ने बुधवार को बताया कि रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानों का संचालन बंद है, जबकि दम्माम, जेद्दा और मदीना से उड़ानें कुछ बाधाओं के साथ जारी हैं। दूतावास के अनुसार, भारतीय विमानन कंपनियों एअर इंडिया, एअर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एअर और इंडिगो ने 17 अक्टूबर तक सऊदी अरब से आने-जाने वाली अपनी उड़ानें स्थगित कर दी हैं। वहीं, सऊदी अरब की विमानन कंपनियां सऊदिया और फ्लाइनास अपनी कुछ निर्धारित उड़ानों का संचालन कर रही हैं।

कैप्टन मच्छार पर हमले के बाद इजराइल सख्त; पाकिस्तानी पायलटों पर लगाया प्रतिबंध, हवाई क्षेत्र से गुजरने वाले विमानों में भी नहीं कर सकेंगे ड्यूटी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी पायलटों और चालक दल के सदस्यों को नये प्रतिबंधों के तहत इजराइल के हवाई क्षेत्र से गुजरने वाले विमानों में सेवाएं देने से रोक दिया गया है। पिछले महीने संयुक्त अरब अमीरात से इजराइल जा रहे एक विमान का अपहरण करने की कोशिश की गई थी। इस कथित साजिश को नाकाम करने के दौरान भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार घायल हो गये थे। इजराइल के सरकारी प्रसारक कान की खबर के अनुसार विमान अपहरण की कोशिश के बाद परिवहन मंत्रालय के विमानन सुरक्षा संचालन केंद्र ने नये और संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं। इजराइल के प्रसारक एन12 की खबर के अनुसार मंत्रालय ने एक अक्टूबर को विदेशी विमानन कंपनियों को इन प्रतिबंधों के बारे में सूचित किया था। गत 30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड 1073 के कॉकपिट में सह-पायलट ने कैप्टन स्मित मच्छार पर चाकू से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। विमान का सह-पायलट विमान को कथित तौर पर गिराने की कोशिश कर रहा था, लेकिन विमान के भारतीय कैप्टन मच्छार ने बहादुरी से मुकाबला करते हुए उसके प्रयास को विफल कर दिया था। चाकू से किए गए हमले में मच्छार घायल हो गये थे, लेकिन वह 174 यात्रियों को ले जा रहे विमान को बचाने में सफल रहे थे। नये दिशा-निर्देश के अनुसार, इजराइल के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने वाले विमानों के पायलटों और चालक दल के सदस्यों के पास ऐसे देशों की नागरिकता या दोहरी नागरिकता नहीं होनी चाहिए, जिनके इजराइल के साथ आधिकारिक राजनयिक संबंध नहीं हैं।

कैंसर का पता चलने पर जीवनभर की सेविंग खर्च कर तुरंत घूमने निकली महिला... एक महीने बाद जब चेकअप करवाया तो सिकुड़ा मिला ट्यूमर

युन्नान , एजेंसी। कैंसर की खबर मिलने के बाद 67 वर्षीय वांग यिंग इलाज कराने की बजाय एक महीने के लिए घूमने निकल गई और जब घर लौटी तो उसका ट्यूमर सिकुड़ा हुआ मिला। यह हैरान कर देने वाला मामला चीन का है जहां, कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का पता चलने के बाद लोग हताश हो जाते हैं, वहीं वांग ने अपने जीवन के सबसे बड़े सपने को पूरा करने की राह चुनी। इलाज और सर्जरी से ठीक पहले उन्होंने अंटार्कटिका जाकर पेंगुइन की तस्वीरें खींचने का फैसला किया, और इस एक यात्रा ने उनकी जिंदगी में एक नया मोड़ ला दिया।

बचपन के सपने को पूरा किया और कैंसर को दी मात : चीन के युन्नान प्रांत की रहने वाली वांग यिंग एक स्कूल में प्रशासनिक पद पर कार्यरत थीं। साल 2013 में जब वह अपने रिटायरमेंट की योजना बना रही थीं, तभी एक रूटीन जांच के दौरान उन्हें थायरॉइड कैंसर का पता चला। डॉक्टरों ने उन्हें तुरंत सर्जरी कराने का सुझाव दिया। वांग को बचपन से ही पक्षियों और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी का बेहद शौक था। वह अपने जीवन में 1,200 से अधिक दुर्लभ पक्षी प्रजातियों की तस्वीरें ले चुकी थीं। बीमारी की खबर सुनने के बाद उन्होंने तय किया कि अगर जिंदगी का कोई भरोसा नहीं है, तो क्यों न अंटार्कटिका जाकर पेंगुइन को देखने और कैमरे में कैद करने का अपना पुराना सपना पहले पूरा किया जाए।

माइनस 10 डिग्री तापमान में लुटा दी जीवनभर की सेविंग : अंटार्कटिका की लगभग एक महीने की इस यात्रा पर करीब 1.5 लाख चीनी युआन (लगभग 22,000 डॉलर) का खर्च आना था। यह रकम उनकी पूरी बचत से भी अधिक थी, ऐसे में उनकी मां ने उनका सहयोग किया और बाकी पैसे दिए। अंटार्कटिका की विषम परिस्थितियों- माइनस 10 डिग्री सेल्सियस तापमान, हाड़ कंपा देने वाली बर्फीली हवाओं और बर्फबारी- के बावजूद वांग का इरादा नहीं डगमगाया। उनका मुख्य लक्ष्य एक मां पेंगुइन को अपने चूजे को खाना खिलाते हुए फोटो खींचना था। घंटों की कड़ी मेहनत और धैर्य के बाद आखिरकार उन्होंने वह यादगार पल अपने कैमरे में कैद कर ही लिया।

मेडिकल जांच में सामने आया हैरान करने वाला रिजल्ट अंटार्कटिका के इस अद्भुत सफर से लौटने के बाद वांग जब अस्पताल में अपने फॉलो-अप चेकअप के लिए गईं, तो डॉक्टरों की रिपोर्ट देखकर सब हैरान रह गए। जांच में पाया गया कि एक महीने पहले के मुकाबले उनका ट्यूमर अब पहले से छोटा हो गया था। डॉक्टरों ने स्थिति को देखते हुए फिलहाल तुरंत सर्जरी करने से मना कर दिया और उन्हें रेगुलर मॉनिटरिंग में रहने की सलाह दी। इस खबर ने वांग को एक नया जीवन और राहत दी। वांग यिंग अब तक दुनिया के 30 से अधिक देशों की यात्रा कर चुकी हैं।

राफेल के सामने फिसड्डी हैं चीन के जे-16 लड़ाकू विमान, मिस्र में हवाई युद्धाभ्यास ने खोली पावर पोल

बीजिंग एजेंसी। चीन के जे-16 और फ्रांस निर्मित राफेल लड़ाकू विमानों के बीच मिस्र में हुए हवाई युद्धाभ्यास ने दोनों विमानों की क्षमताओं को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है।

अगस्त के दूसरे पखवाड़े से सितंबर 2026 की शुरुआत तक चले 'ईगल्स ऑफ सिविलाइजेशन 2026' अभ्यास में पहली बार चीनी जे-16 विमानों ने मिस्र के राफेल और मिग-29एम2 विमानों के साथ हवाई युद्ध की परिस्थितियों में प्रशिक्षण लिया। चीनी रक्षा मंत्रालय ने 23 अगस्त के अभ्यास का वीडियो भी जारी किया था, जिसमें जे-16 और राफेल के बीच मध्यम तथा नजदीकी दूरी के हवाई युद्धाभ्यास का उल्लेख किया गया। बाद में कुछ रक्षा समाचार माध्यमों ने दावा किया कि करीबी मुकाबले में राफेल की फुर्ती चीनी पायलटों के लिए विशेष रूप से प्रभावशाली रही। फ्रांस की कंपनी दसॉ द्वारा निर्मित राफेल दो इंजन वाला बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है। इसकी खासियत केवल गति या हथियारों की क्षमता नहीं, बल्कि उड़ान के दौरान नियंत्रण, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और अलग-अलग प्रकार के अभियानों को अंजाम देने की क्षमता भी है। इसके पंखों और आगे लगे छोटे पंखों का संयोजन विमान को हवा में नियंत्रण और दिशा बदलने में मदद करता है। डिजिटल उड़ान नियंत्रणः इसकी कंप्यूटर आधारित प्रणाली पायलट को जटिल उड़ान परिस्थितियों में विमान पर नियंत्रण रखने में सहायता देती है।

मेटेओर मिसाइलः यह दृश्य सीमा से बाहर हवा से हवा में हमला करने के लिए विकसित मिसाइल है, जो दूर हवाई लक्ष्यों के विरुद्ध राफेल की क्षमता बढ़ाती है।

स्पेक्ट्रा प्रणालीः यह रडार और अन्य खतरों की पहचान, इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा तथा जवाबी कार्रवाई में सहायता करती है। चीन का शेनयांग जे-16 दो इंजन वाला भारी बहुउद्देशीय लड़ाकू विमान है। यह लंबी दूरी के अभियानों, विभिन्न प्रकार के हथियार ले जाने और आधुनिक सेंसरों के इस्तेमाल के लिए तैयार किया गया है। इसकी प्रमुख क्षमताओं में शामिल हैं।

भारतीय मूल के पति की हैवानियत, सहकर्मी को डेट करने पर पत्नी का गला रेता; भारत भागने की फिराक में था आरोपी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के शिकागो से एक बेहद खौफनाक मामला सामने आया है। यहां भारतीय मूल के एक 31 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपनी 32 वर्षीय अलग रह रही पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या की वजह यह थी कि महिला ने अपने एक पूर्व सहकर्मी के साथ रिश्ते में होने की बात कही और उसके साथ दोबारा साथ रहने से साफ इनकार कर दिया था। आरोपी की पहचान भारतीय मूल के अंकुर पटेल के रूप में हुई है। उसकी पत्नी की एक बेटी है। दोनों आपसी अनबन के बाद इसी साल मई में अलग हो गए थे और महिला घर छोड़कर चली गई थी।

परिवार के दबाव के बाद वापस लौटी महिला : मिली जानकारी के अनुसार, परिवार के दबाव में वह कुछ समय के लिए वापस लौटी, लेकिन फिर से अलग होकर लुइसियाना चली गई और एक अन्य व्यक्ति को डेट करने



लगी। इस दौरान उसने अपनी बेटी को अंकुर के पास ही रहने दिया था। महिला के अलग होने के बाद अंकुर उसे और उसके नए पार्टनर को जान से मारने की धमकी देने लगा था। वह पत्नी को उसकी बेटी से भी बात नहीं करने देता था, जिसके चलते दोनों के बीच अक्सर झगड़े होते थे। घटना से करीब दो हफ्ते पहले अंकुर शिकागो में अपने रिश्तेदारों के पास रहने चला गया और बिना बताए अपनी बेटी को भारत अपने माता-पिता के पास भेज दिया।

शिकागो बुलाकर दिया खौफनाक घटना को अंजाम : मीडिया रिपोर्टस की माने तो अंकुर ने अपनी पत्नी को बेटी से मिलाने के बहाने शिकागो बुलाया। अपनी बेटी के भारत भेजे जाने से अनजान महिला अपने नए पार्टनर के साथ शिकागो पहुंची। उसका पार्टनर बाहर गाड़ी में ही इंतजार कर रहा था, जबकि महिला अंकुर के अपार्टमेंट में चली गई।

जब घर पहुंचने पर महिला को पता चला कि उसकी बेटी वहां नहीं है, तो उसने अंकुर के साथ रहने से साफ इनकार कर दिया और कहा कि वह अपने नए पार्टनर के साथ ही रहेगी। इसी बात से आग बबूला होकर अंकुर ने रसोई के चाकू से उसकी गर्दन पर ताबड़तोड़ कई वार किए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला के शरीर पर कई घाव पाए गए हैं।

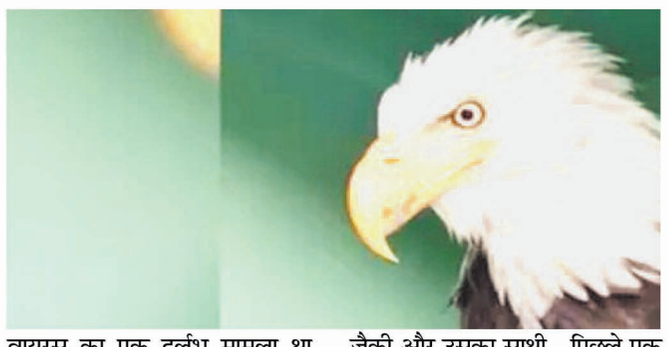
पुलिस पर लापरवाही के आरोप

बता दें कि बाहर इंतजार कर रहे महिला के पार्टनर ने जब उसे बार-बार मैसेज किए और कोई जवाब नहीं मिला, तो उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची भी, लेकिन पार्टनर यह नहीं बता पाया कि महिला किस अपार्टमेंट में गई थी, इसलिए पुलिस वापस लौट गई। ऐसे में यह राज तब खुला जब अंकुर के दोस्त उससे मिलने उसके अपार्टमेंट पहुंचे, क्योंकि वह तय समय पर उनसे नहीं मिला था। दोस्तों ने देखा कि घर के अंदर वाशिंग मशीन के पास महिला का शव पड़ा था और अंकुर वहां से गायब था। भारत भागने की फिराक में था अंकुर गौरतलब है कि हत्या के तुरंत बाद अंकुर शिकागो के ओहेयर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचा ताकि भारत भाग सके, लेकिन काउंटर बंद होने के कारण वह टिकट नहीं खरीद पाया। इसके बाद उसने एक होटल में कमरा लिया, हत्या में इस्तेमाल हथियार को ठिकाने लगाया और एक टार्गेट स्टोर से नए कपड़े खरीदे।

इंटरनेट सनसनी जैकी की मौत के कारण का खुला राज, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई बर्ड फ्लू की पुष्टि

वाशिंगटन , एजेंसी। कैलिफोर्निया में वन्यजीव प्रेमियों और इंटरनेट की दुनिया की मशहूर गिद्ध प्रजाति का बाज जैकी की मौत बर्ड फ्लू के कारण हुई थी। कैलिफोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ फिश एंड वाइल्डलाइफ ने हाल ही में इसकी पुष्टि करते हुए एक प्रेस रिलीज जारी की है।

बता दें कि जैकी की मौत पिछले साल अगस्त में हुई थी। सैन डिएगो जू वाइल्डलाइफ अलायंस में हुए पोस्टमार्टम और अन्य मेडिकल जांच में पता चला कि उसकी मौत का मुख्य कारण अत्यधिक संक्रामक बर्ड फ्लू (एचपीएआई) था। पूरी रिपोर्ट में क्या-क्या बातें सामने आई? ओजाई रैप्टर सेंटर के निदेशक क्रिस एक्स्टीन ने बताया कि इस रिपोर्ट से जैकी के इलाज के दौरान सामने आए लक्षणों को समझने में मदद मिली है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह इस



वायरस का एक दुर्लभ मामला था, जिसके कारण उसके पेट में गंभीर अल्सर हो गए थे। इससे लगातार अंदरूनी ब्लीडिंग, एनीमिया (खून की कमी) और अंत में बैक्टीरियल सेप्सिस (संक्रमण) फैल गया था। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए जैकी के अवशेषों का अंतिम संस्कार (क्रेमेटेड) कर दिया गया है। कैमरे के जरिए दुनिया भर में थी लोकप्रिय जैकी और उसका साथी पिछले एक दशक से अधिक समय से इंटरनेट सेंसेशन बने हुए थे। लॉस एंजिलिस के पूर्व में सैन बर्नार्डिनो पहाड़ों में बिग बीयर झील के पास पेड़ों पर बने उनके घोंसले को देखने के लिए लाखों लोग ऑनलाइन वीडियो फीड का इस्तेमाल करते थे। फ्रेंड्स ऑफ बिग बीयर वैली नामक गैर-लाभकारी संस्था ने 2015 में इस घोंसले में कैमरा लगाया था, जिसके जरिए हर साल उनके प्रजनन के मौसम और उनके संघर्षों को दुनिया भर के लोगों ने लाइव देखा था। राहत की बात यह है कि अधिकारियों के मुताबिक, शैडो के बीमार होने का कोई सबूत नहीं मिला है।

बाल्ड ईगल के इतिहास से जुड़ा अहम पहलू भी समझिए : गौरतलब है कि अमेरिकी बाल्ड ईगल कभी विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गए थे, लेकिन 1970 के दशक में खतरनाक कीटनाशक डीडीटी पर प्रतिबंध लगने और कड़े संरक्षण उपायों के बाद इनकी संख्या में सुधार हुआ था। इसके बाद इन्हें संघीय लुप्तप्राय सूची से हटा दिया गया था। जैकी इसी प्रजाति के पुनरुद्धार का एक बड़ा प्रतीक बन चुकी थी, जिसकी अचानक हुई इस विदाई से वन्यजीव प्रेमियों में गहरा शोक है।

मक्का की मस्जिद के अंदर कर रहे थे गलत काम, सऊदी ने 2 बांग्लादेशियों को दी फांसी



मक्का, एजेंसी। सऊदी अरब ने मक्का की एक मस्जिद के अंदर अनैतिक कृत्य करने के दोषी दो बांग्लादेशी नागरिकों को फांसी दे दी है। बांग्लादेश के द डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, जेद्दा में बांग्लादेश के वाणिज्य दूतावास ने कहा है कि उन्हें इन फांसी के बारे में पहले से कोई सूचना नहीं दी गई थी।

बुधवार को सऊदी अरब के गृह मंत्रालय द्वारा जारी और सरकारी सऊदी प्रेस एजेंसी द्वारा प्रकाशित एक बयान के अनुसार, ये मौत की सजा मक्का क्षेत्र में दी गई। जेद्दा में बांग्लादेश के महावाणिज्य दूतावास ने इस मामले की औपचारिक स्वीकृति के लिए सऊदी अधिकारियों से संपर्क किया है।

बांग्लादेश के अधिकारियों ने क्या कहा : मिशन के एक अधिकारी ने गुरुवार को द डेली स्टार को व्हाट्सएप संदेश में बताया, ÷मंत्रालय ने वाणिज्य दूतावास को पहले से सूचित नहीं किया था।÷ अधिकारी ने आगे कहा, ÷इस संबंध में हमने सऊदी विदेश मंत्रालय को एक औपचारिक पत्र सौंपा है, जिसमें इस मामले की औपचारिक स्वीकृति का अनुरोध किया गया है। सऊदी गृह मंत्रालय ने बताया कि जिन लोगों को फांसी दी गई, उनकी पहचान नजरुल इस्लाम अब्दुल बशीर और सिती अख्तर के रूप में हुई है। मंत्रालय के अनुसार, सऊदी सुरक्षा अधिकारियों ने इन दोनों को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद जांच के आधार पर उन पर आरोप तय किए गए। इसके बाद उनका मामला एक सक्षम अदालत में भेज दिया गया। मंत्रालय ने बताया कि अदालत ने आरोपों को सही पाया और दोनों व्यक्तियों को मौत की सजा सुनाई।

क्यों दी गई मौत की सजा : ये मौत की सजाएं ताजीर के तहत दी गई थीं, जो इस्लामी कानून के अंतर्गत एक तरह की विवेकाधीन सजा है। मंत्रालय ने इस सजा को सही ठहराने के लिए अपराध की गंभीरता और समय तथा स्थान की पवित्रता के उल्लंघन का हवाला दिया। बयान में कहा गया है कि संबंधित प्राधिकरण ने फैसले को बरकरार रखा, जिससे यह अंतिम हो गया। इसके बाद फांसी देने के लिए एक शाही आदेश जारी किया गया। हालांकि, सऊदी अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि उन दो लोगों ने मस्जिद के अंदर असल में क्या किया था। बयान में न तो मस्जिद का नाम बताया गया है।

नशे की हालत में लंदन की सड़क पर बेहोश मिलीं यूएई के शाही परिवार की महिला, पास में नंगे पैर खेल रहा था 3 साल का बच्चा

लंदन, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात के शाही परिवार से जुड़ी एक महिला का बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। शाही परिवार की 32 वर्षीय महराह अल नाहयान लंदन की एक व्यस्त सड़क पर कोकीन के अत्यधिक सेवन के बाद बेहोश पाई गईं। उनके पास ही उनका तीन साल का मासूम बच्चा नंगे पैर तेज ट्रैफिक के बिल्कुल पास खेलता हुआ देखा गया।

बता दें कि यह घटना 13 जून की है। पश्चिम लंदन की सड़क पर महराह अल नाहयान को अचेत अवस्था में देखकर राहगीरों ने तुरंत मदद के लिए कदम बढ़ाया। बच्चा सड़क पर बिना जूतों के एक स्कूटर के साथ खेल रहा था और ट्रैफिक बहुत पास से गुजर रहा था, जिसे देखकर वहां मौजूद लोगों ने बच्चे को सुरक्षित संभाला और पुलिस को सूचना दी। आधे घंटे तक पूरी तरह अचेत रहीं नाहयान

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ड्रग्स लेने के बाद वह करीब आधे घंटे तक पूरी तरह अचेत रहीं। जब उन्हें होश में लाया गया, तो उन्होंने मौके पर मौजूद लोगों से कथित तौर पर कहा कि यह कोई कत्लखाना नहीं है.... तुम लोग इतनी परवाह क्यों कर रहे हो? तुम इतने चिंतित क्यों हो?

तलाशी और अस्पताल में भर्ती : मिली जानकारी के अनुसार, मौके पर पहुंची पुलिस और अधिकारियों ने जब उनकी



तलाशी ली, तो उनके पास से ड्रग्स लेने का सामान तो बरामद हुआ, लेकिन कोई सीधा अवैध ड्रग नहीं मिला। इस घटना के बाद उन्हें सरे स्थित प्रसिद्ध प्रायरी क्लिनिक के वोकिंग सेंटर में नशा मुक्ति के लिए भर्ती कराया गया था।

अदालत में कबूल किया जुर्म : गौरतलब है कि साउथवार्क क्राउन कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान, महराह अल नाहयान ने बच्चे की उपेक्षा के आरोप को स्वीकार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, उन्हें हर महीने 8000 पाउंड का भत्ता मिलता है। हालांकि अभियोजक रियो पहलवानपोर ने अदालत को बताया कि राहगीरों ने देखा कि बच्चा अकेला और बिना जूतों के सड़क पर था और तेज ट्रैफिक के बेहद करीब होने के कारण लोगों को बीच-बचराव करना पड़ा।

बचाव पक्ष का क्या कहना है : दूसरी ओर बचाव पक्ष के वकील स्टीफन वुल्फो केसी ने अदालत में दलील दी कि उनकी मुवक्किल ने मान लिया है कि उस दिन उनसे बहुत बड़ी भूल हुई थी। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिस दिन वह बेहोश पाई गईं, उस दिन उन्होंने कोई ड्रग नहीं लिया था, बल्कि पिछले कुछ दिनों में किए गए नशा सेवन के कारण वह अत्यधिक थकान की स्थिति में थीं।

कोर्ट ने क्या फैसला सुनाया : वकील ने कहा कि उन्हें अपनी इस गलती पर गहरा पछतावा है और वे अपनी इस लत से पूरी तरह बाहर आना चाहती हैं। उनका तीन महीने का रिहैब प्रोग्राम इसी महीने के अंत में पूरा होने वाला है, जिसके बाद वे गिल्डफोर्ड इलाके में एक प्रॉपर्टी किराए पर लेकर डे-पेशेंट के रूप में अपना इलाज जारी रखेंगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जज ने महराह अल नाहयान को दो साल के कम्युनिटी रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम को पूरा करने और 6114 पाउंड का जुर्माना भरने का आदेश दिया है।